आर.एन.आई.नं. RAJHIN/2004/14674

अजमेर, जोधपुर एवं जयपुर से प्रकाशित राज्य स्तरीय दैनिक

हुक्मनामा समाचार

वर्ष 22 : अंक 130 : मूल्य 2 रु. : पृष्ठ संख्या 8

www.hukmnamasamachar.com | अजमेर, बुधवार, 01 अप्रेल, 2026 | www.Lokvarta.net

संक्षिप्त खबरें

पायलट का बड़ा दावा,
‘यूडीएफ की जीत पक्की, भाजपा का कोई वजूद नहीं’

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने आगामी विधानसभा चुनावों में केरलम में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) की सत्ता में वापसी का विश्वास जताया। राज्य में यूडीएफ और वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के बीच दशकों से चल रही द्विध्रुवीय राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का जिक्र करते हुए पायलट ने कहा कि केरलम में भाजपा का कोई अस्तित्व नहीं है... यूडीएफ और एलडीएफ के बीच दशकों से प्रतिस्पर्धा चल रही है, इसलिए हमें यहां एलडीएफ और वामपंथी दलों को हराना होगा... जनता यूडीएफ के पक्ष में निर्णायक रूप से मतदान करेगी। यह घटनाक्रम केरलम में 9 अप्रैल को हुए एकल चरण के चुनाव के बाद सामने आया है, जिसके लिए एलडीएफ, यूडीएफ और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सहित सभी राजनीतिक मोर्चों ने राज्य में प्रचार अभियान तेज कर दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेर लिया और आरोप लगाया कि उन्होंने किसानों का भविष्य और देश की ऊर्जा सुरक्षा सौंप दी है।

टोल प्लाजा पर अब नहीं चलेगा कैश
आज से केवल डिजिटल माध्यम से भुगतान होगा मान्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने टोल से जुड़े नियमों में बदलाव किया है और अब एक अप्रैल से टोल प्लाजा पर डिजिटल भुगतान ही मान्य होगा, यानी अब हाइवे यूजर्स कैश में टोल का भुगतान नहीं कर पाएंगे। एनएचएआई का यह कदम पूरे देश में उसके सभी टोल प्लाजा पर लागू होगा। एनएचएआई के मुताबिक, एक अप्रैल से यात्री केवल टोल प्लाजा पर डिजिटल माध्यम जैसे फास्टैग और यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर पाएंगे। इस कदम का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली में दक्षता बढ़ाना और पारदर्शिता लाना है। अधिकारियों का मानना है कि पूरी तरह से डिजिटल प्रणाली से वाहनों को टोल प्लाजा से तेजी से गुजरने में मदद मिलेगी, जिससे लंबी कतारें कम होंगी और यात्रा का समय बचेगा। कैश लेन को हटाने से अधिकारियों को उम्मीद है कि यातायात खासकर व्यस्त समय में सुचारू रूप से चलेगा।टोल बूथों पर तेजी से प्रोसेसिंग से ईंधन की खपत और वाहन उत्सर्जन में भी कमी आने की संभावना है, जिससे स्वच्छ पर्यावरण में योगदान मिलेगा।

स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल के प्रयास लाए रंग
एनएचएम के तहत जारी हुई 100 प्रतिशत से अधिक राशि

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के तहत प्रदेश को अधिक से अधिक राशि जारी किए जाने के लिए विशेष प्रयास किए। जिसके परिणाम स्वरूप केंद्र द्वारा 15वें वित्त आयोग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं पीएम अभीम (प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन) के तहत रिकॉर्ड राशि राज्य को जारी की गई है। 15वें वित्त आयोग के तहत राजस्थान को विगत 5 वर्ष में करीब 4 हजार 300 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है, जिसमें से लगभग 2 हजार 700 करोड़ की राशि विगत 4 माह में मुख्यमंत्री के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप जारी हुई है।

इसी प्रकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत वर्ष 2025–26 में लगभग 2 हजार 383 करोड़ के मुकाबले केंद्र सरकार ने करीब 2 हजार 398 करोड़ की राशि राजस्थान को जारी की है, जो स्वीकृत राशि का 100.61 प्रतिशत है। वहीं, पीएम अभीम के तहत भी सर्वाधिक राशि 243 करोड़ रुपये राजस्थान को मिली है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी विजन में राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के विस्तार, डायग्नोस्टिक सुविधाओं के विकास तथा आधारभूत स्वास्थ्य अधोसंरचना को बेहतर बनाने की दिशा में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। इसके परिणाम स्वरूप केंद्र सरकार से विगत वर्षों के मुकाबले विभिन्न योजनाओं में रिकॉर्ड राशि प्राप्त हुई है।

पटेला री पोल

चौबीसों घंटे बाजार खुलेंगे, सबको होगी राहत
बिक्री बट्टा खूब बढ़ेगा, ऑनलाइन सिस्टम हो आहत
पर्यटन भी खूब बढ़ेगा, चहल पहल रहेगी पूरी रात
पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहेगा, होगी चोरों की भी घात

..मुखिया जी

एसएचओ राजमणि को किया निलंबित : बहुत ज्यादा भीड़, लोग एक-दूसरे पर चढ़ गए

बिहार-नालंदा के मंदिर में भगदड़, 9 की मौत

नालंदा (एजेंसी)। बिहार में नालंदा जिले में मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में भगदड़ मच गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। 8 महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे।

दर्शन करने की जल्दी में धक्का–मुक्की मच गई। अफरातफरी के बीच कई लोग भीड़ में दब गए। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। हादसे के बाद मंदिर और मेला को बंद करवा दिया है।

मंगलवार को नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं। उनकी सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 25 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी।

हादसे के बाद पटना कमिश्नर को बिहार शरीफ भेजा गया है। सीएम ने मुख्य सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं। दीपनगर थाने के एसएचओ राजमणि को सस्पेंड कर दिया गया है। सरकार ने मृतकों के आश्रितों को 6 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। वही केंद्र सरकार ने 2 लाख के मुआवजे की घोषणा की है।

दर्शन की जल्दबाजी में मची भगदड़

महिला भक्तों ने बताया कि चैत्र महीने का ये आखिरी मंगलवार है। यहां मेला लगा था। भीड़ ज्यादा हो गई। मंदिर का गर्भगृह भी छोटा है। लोग जल्दी-जल्दी दर्शन करने के लिए एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश में थे। कोई लाइन में लगकर पूजा नहीं करना चाह रहा था। दूसरे श्रद्धालु ने बताया, ‘सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं किया गया था। मंदिर के अंदर भारी भीड़ थी। पुलिस का जवान अंदर तैनात नहीं था। भीड़ को डायवर्ट करने या दो लाइनों में बांटने की कोई व्यवस्था नहीं थी। मंदिर के पुजारी ही जल्दी-जल्दी दर्शन कर निकलने को कह रहे थे। इस बीच एक महिला को चक्कर आ गया, जिससे वो वहीं गिर पड़ी।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताया दुख, मृतकों के आश्रितों को 6 लाख मुआवजे का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के नालंदा के शीतला माता मंदिर हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने इसमें जान गंवाने वाले पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

सरकारी आदेश के अनुसार आपदा प्रबंधन विभाग से प्रत्येक मृतक के परिवार को 4 लाख रुपये दिए जाएंगे। वहीं, मुख्यमंत्री राहत कोष से अतिरिक्त 2 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। इस तरह से प्रत्येक पीड़ित परिवार को 06-06 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। और घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।

बिहार के नालंदा में एक मंदिर में हुई भगदड़ में अनेक श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं सभी शोकाकुल परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की मैं कामना करती हूं।

बिहार के नालंदा में एक मंदिर में हुई भगदड़ मामले में एसपी भारत सोनी ने कहा कि स्थिति अब नियंत्रण में है और एहतियात के तौर पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और भरोसा दिलाया है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बिजली गिरने से 2 बच्चों समेत 3 झुलसे

प्रदेश में बारिश, जोधपुर समेत 6 जिलों में ओले गिरे

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान में मंगलवार को बारिश के साथ ओले गिरे। जोधपुर, अजमेर, चूरू, सीकर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ में ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान हुआ। इस समय गेहूं, सरसों और चने की फसलें कटाई के करीब है।

वहीं श्रीगंगानगर में बिजली गिरने से मौसी समेत दो बच्चे झुलस गए। उनको बीकानेर के हायर सेंटर रेफर किया है। प्रदेश में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर अप्रैल के पहले सप्ताह में भी रहेगा। इससे पहले सोमवार (30 मार्च) को इस सिस्टम का सबसे अधिक प्रभाव रहा।

कोटा, नागौर, डीडवाना–कुचामन में ओले गिरने से फसलों को नुकसान हुआ है। मौसम के इस बदलाव से दिन के तापमान में 6 डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई।

बीते 24 घंटे में प्रदेश के कई जिलों में हवा के साथ तेज बरसात हुई। दिन में सबसे ज्यादा बारिश कोटा में 20स्रूरिकॉर्ड हुई। वहीं, अलवर के कोटकासिम में 5स्रू और टपूकड़ा में 3स्रूबारिश रिकॉर्ड हुई।

वहीं, नागौर, डीडवाना–कुचामन जिलों में देर रात हुई बरसात और ओले गिरने से कटने के लिए तैयार फसल खराब हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि नागौर के धनारी कलां, ढेहरू, डेगाना के सांजू, चुई ओले गिरे हैं। वहीं, डीडवाना–कुचामन जिले के मकराना क्षेत्र में मनाना, गच्छीपुरा क्षेत्रों में ओले–बारिश से नुकसान हुआ है।

आंधी–बारिश होने से मौसम में जो बदलाव हुआ, उससे गर्मी कम हो गई। सीकर, चूरू, पिलानी, जयपुर, फतेहपुर, झुंझुनूं, अलवर, कोटा समेत कई शहरों में सोमवार दिन का अधिकतम तापमान 2 से 6 डिग्री तक गिर गया। सबसे अधिक अधिकतम तापमान कोटा और चित्तौड़गढ़ में 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

अप्रैल की बारिश के साथ होगी शुरुआत

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार मंगलवार (31 मार्च) को सीकर, झुंझुनूं सहित 7 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। वहीं, राजस्थान में एक्टिव वेदर सिस्टम का असर अप्रैल में भी रहेगा। पहले सप्ताह में बारिश की संभावना है। हालांकि, दो–तीन दिन में इस सिस्टम का असर कम होने लगेगा। इसके बाद गर्मी बढ़ेगी।

कोलकाता में ईसी ऑफिस के बाहर भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ताओं में झड़प

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में चुनाव आयोग ऑफिस के बाहर मंगलवार को भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। पुलिस के अनुसार, टीएमसी समर्थित बूथ लेवल अधिकारियों का एक ग्रुप वोटर लिस्ट में हेरफेर के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा था। इस दौरान उन्होंने सुरक्षाबलों पर पथराव किया। इससे वहां खड़े वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। बाद में भाजपा के कार्यकर्ता भी वहां झंडा लेकर पहुंच गए। इसके बाद क्रूद्ध प्रदर्शनकारियों की पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं से झड़प हो गई। पुलिस ने बताया कि कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए हल्का बल का प्रयोग किया गया।

इधर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा बिहार, उत्तर प्रदेश के अवैध वोटरों को बंगाल के वोटर लिस्ट में शामिल करने की कोशिश कर रही है। ममता ने ङ्ग पर एक पोस्ट में कहा– भाजपा के एजेंटों को बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के ऑफिस में हजारों फर्जी फॉर्म 6 आवेदन जमा करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। यह वोटर हाइजैकिंग की कोशिश है।

भाजपा ने केरलम के मेनिफेस्टो में AIIMS और तिरुवनंतपुरम से कन्नूर तक हाई–स्पीड रेलवे नेटवर्क विकसित करने का वादा किया। पार्टी ने ‘भक्ष्य आरोग्य सुरक्षा कार्ड’ योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2500, बुजुर्गों, विधवाओं और जरूरतमंद महिलाओं को ?3000 पेंशन देने की घोषणा की। भाजपा ने असम के लिए मेनिफेस्टो में लव जिहाद पर एक्शन, घुसपैठियों से कब्जाई जमीन वापस लेने, राज्य में सीसी लागू करने, युवाओं को 5 साल में 2 लाख नौकरियां देने का वादा किया है।

12वीं कक्षा के सभी संकायों का परीक्षा परिणाम जारी

विज्ञान, कला और वरिष्ठ उपाध्याय में छात्राओं ने मारी बाजी

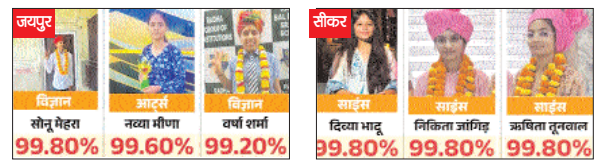

उदयपुर (हुक्मनामा समाचार)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम मंगलवार को जारी हुए। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने उदयपुर कलक्ट्रेट परिसर स्थित डीओआईटी सभागार से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर से वर्चुअली जुड़ते हुए परीक्षा परिणामों की घोषणा की। कक्षा 12 के सभी संकायों तथा वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा का समेकित परीक्षा परिणाम 96.45 प्रतिशत रहा। इसके साथ ही आजादी के बाद पहली बार ऐसा अवसर रहा जब माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परिणाम मार्च माह में जारी हुए। शिक्षा मंत्री दिलावर मंगलवार सुबह ट्रेन से उदयपुर पहुंचे। सर्किट हाउस में कुछ देर रूकने के बाद ठीक 9.35 बजे कलक्ट्रेट स्थित सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के वीडियो कांफ्रेन्सिंग सभागार में पहुंचे। दिलावर वीसी के माध्यम से अजमरे स्थित माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कार्यालय के मुख्यालय से जुड़े। ठीक 10 बजे शिक्षा मंत्री श्री दिलावर के निर्देशन में कम्प्यूटर का बटन दबाकर परीक्षा परिणाम जारी किया गया।

दिलावर ने अव्वल विद्यार्थियों से मोबाइल पर की बात, दी शुभकामनाएं

शिक्षा मंत्री दिलावर ने परीक्षा परिणाम जारी करने के बाद सभी संकायों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से मोबाइल पर बात की। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों और उनके परिजनों को बधाई देते हुए उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

साल में दो बार बोर्ड परीक्षा

दिलावर ने कहा कि आगामी सत्र से विद्यार्थियों को वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा देने का अवसर प्रदान किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों का मानसिक तनाव कम होगा और सुधार का मौका मिलेगा। इसके अलावा हर बच्चे तक किताबें समय पर पहुंचना सुनिश्चित किया गया है, मार्च माह में ही समस्त विद्यालयों तक किताबें पहुंचाने के निर्देश पूर्व में ही प्रदान कर दिये गये हैं। यूनिफॉर्म के लिए राशि सीधे डी.बी.टी के माध्यम से खातों में भेजी जा रही है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और समय पर संसाधन मिल रहे है।

गुजरात में प्रधानमंत्री ने दी 20,000 करोड़ की सौगात

चलती रहेगी विकास की ‘सुपरफास्ट एक्सप्रेस’ : मोदी

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 मार्च को आश्वासन दिया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार स्थानीय सरकारी निकायों से लेकर संसद तक, जनता के समर्थन से विकास की सुपरफास्ट एक्सप्रेस को बरकरार रखेगी। गुजरात के वाव–थारद में एक जनसभा में बोलते हुए, मोदी ने राज्य सरकार के 4.08 लाख करोड़ रुपये के बजट पर प्रकाश डाला और कहा कि गुजरात सरकार ने 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश किया है। यह धनराशि गांवों, कस्बों और शहरों के

विकास पर खर्च की जाएगी। जब तक पंचायत से लेकर संसद तक आपका विश्वास बना रहेगा, विकास की ‘सुपरफास्ट एक्सप्रेस’ इसी गति से आगे बढ़ती रहेगी।

मोदी ने कहा कि आज मेरा मन एक और बात से प्रसन्न है। जब मैं यहां आया तो पहली बार मेरा विमान सीधे डीसा एयरबेस पर लैंड हुआ। डीसा का एयरबेस अंतर्राष्ट्रीय सीमा से केवल 130 किमी दूरी पर है। आप समझ सकते हैं कि ये देश की सुरक्षा के लिए भी कितना अहम है। लेकिन डीसा एयरबेस का काम आज से प्रारंभ नहीं हुआ। जब मैं मुख्यमंत्री था तब से मैंने जमीनें एक्वायर की, और हम चाहते थे कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भारत की पश्चिम सीमा की सुरक्षा के लिए ये डीसा अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। लेकिन पता नहीं, दिल्ली में उस समय जो लोग राज करते थे, उन्हें गुजरात के प्रति क्या नफरत थी।

मिडिल ईस्ट संघर्ष ‘हॉर्मूज’ के बाद अब ‘बाब-अल-मंदेब’ पर भी संकट गहराने की आशंका

नई दिल्ली। ईरान का इजरायल और अमेरिका के साथ संघर्ष जारी है। इस संघर्ष में ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोही भी शामिल हो गए हैं। हूतियों ने इजरायल पर कई मिसाइल हमले किए हैं।

स्ट्रेट ऑफ हॉर्मूज के बाधित होने के चलते वैश्विक ऊर्जा संकट पहले ही गहरा चुका है। अब एक और खतरा स्ट्रेट ऑफ बाब–अल–मंदेब पर मंडरा रहा है, जो रेड सी और अदन की खाड़ी के बीच एक महत्वपूर्ण चोक प्वाइंट है। इसी कारण भारतीय नौसेना पूरी तरह सतर्क है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इस समय उत्तरी अरब सागर में ओमान की खाड़ी और अदन की खाड़ी के आसपास भारतीय नौसेना के कई युद्धपोत तैनात हैं।

तेल संकट के जल्द से जल्द समाधान के लिए भारत-रूस के बीच बातचीत जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच जारी संघर्ष बढ़ता जा रहा है। संघर्ष की वजह से तेल की कीमतें बढ़ती जा रही हैं। कई देशों में तेल का संकट नजर आ रहा है। ताजा हालात को लेकर भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत की। आज के समय में तेल डिप्लोमेसी पर आप क्या कहेंगे? हम किसी भी तरह की तेल डिप्लोमेसी में शामिल नहीं हैं। हम द्विपक्षीय व्यापार करते हैं, हम आर्थिक संबंध को बढ़ाते हैं और जैसा कि हमने हाल ही में देखा है, भारत को रूस से ऑयल सप्लाई का वॉल्यूम काफी बढ़ गया है। हम इसका स्वागत करते हैं और दोनों पार्टियों के फायदे के लिए इस ट्रैक पर भारत के साथ

इसे बढ़ाने के लिए हमेशा तैयार रहे हैं। मिडिल ईस्ट में मौजूदा हालात को देखते हुए, हमें शायद अमेरिका की ऑयल डिसरप्शन डिप्लोमेसी के बारे में ज्यादा बात करनी चाहिए। इसकी वजह से एनर्जी मार्केट में इतनी ज्यादा अस्थिरता आई है। रूस और भारत की बात करें तो, हम तेल सहित व्यापार में द्विपक्षीय रूप से ऊपर की ओर बढ़ रहे हैं और यह कुछ ऐसा है, जिसका हम समर्थन करते हैं और स्वागत करते हैं और इसे जारी रखने के लिए पक्के इरादे वाले हैं। अमेरिका ने बार–बार दावा किया है कि भारत ने दबाव के कारण रूस से अपना तेल इंपोर्ट कम कर दिया है। इस दावे के पीछे असली सच्चाई क्या है?मैं अमेरिका–भारत व्यापार के बारे में इस सवाल का जवाब देने की स्थिति में नहीं हूं। लेकिन, हम अंतरराष्ट्रीय राजनीति में दबाव को खारिज करते हैं। यह बिजनेस करने का सही तरीका नहीं है। हम अमेरिका के खुले दावों और इरादों को देखते हैं कि वे भारतीय मार्केट में हमारे लिए रुकावटें खड़ी करें और अमेरिका–भारत और कई दूसरे देशों से रूस के साथ बिजनेस बंद करने और रूस के साथ संबंध कम करने की खुली अपील करते हैं।

होर्मुज के रास्ते नहीं मिल रहा तो अमेरिका से खरीदें तेल : ट्रंप

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए एक प्रस्ताव रखा है। मंगलवार को ट्रुथ पोस्ट में उन्होंने जेट ईंधन की कमी से जूझ रहे देशों से कहा की कि अगर होर्मुज से तेल नहीं मिल पा रहा तो अमेरिका का रुख कर सकते हैं। दो अलग–अलग पोस्ट्स में उन्होंने फ्रांस और ब्रिटेन को जबरदस्त फटकार भी लगाई है। ट्रंप ने तेल को लेकर कहा, ‘ब्रिटेन जैसे देश (जिसने ईरान को सत्ताच्युत करने की कार्रवाई में शामिल होने से इनकार कर दिया था) और जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के जरिए जेट फ्यूल नहीं हासिल कर पा रहे हैं, उनको मैं दो नसीहत दूंगा। इसके बाद ट्रंप ने वो दो नसीहतें देते हैं। उन्होंने आगे लिखा, ‘पहली, चाहूंगा कि उन्हें अमेरिका से तेल खरीदना चाहिए क्योंकि अमेरिका के पास पर्याप्त तेल है।’ अमेरिकी राष्ट्रपति ने दूसरी नसीहत हौसला और हिम्मत दिखाने की कही। लिखा कि मेरी दूसरी

सलाह है कि देर से ही सही लेकिन थोड़ी हिम्मत दिखाएं, होर्मुज जाएं और अपना हक ले लें।

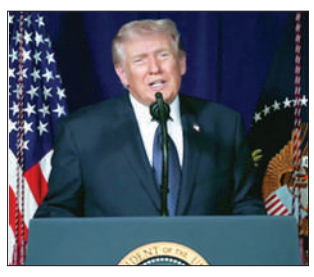

ट्रंप आगे लिखते हैं कि आपको खुद के लिए लड़ना सीखना होगा। दावा किया कि हमेशा अमेरिका उनका साथ देने के लिए मौजूद नहीं रहेगा, ठीक वैसे ही जैसे आप उसके साथ खड़े नहीं हैं।

दुनिया को ललकारते और अपनी पीठ थपथपाते हुए ट्रंप ने अंत में लिखा, ‘ईरान कमजोर हो चुका है, वो तबाह कर दिया गया है। सबसे मुश्किल काम हमने कर दिया है। अब आप जाकर अपना तेल हासिल करने का हौसला दिखाना चाहिए।’

इसकी अगली पोस्ट में ट्रंप ने फ्रांस को फटकार लगाई है। नाराजगी जाहिर करते हुए उसे कोसा है। लिखा– फ्रांस ने इजरायल जा रहे उन विमानों को अपने इलाके के ऊपर से उड़ने नहीं दिया, जो सैन्य सामान से लदे हुए थे। ‘ईरान के कसाई’ को खत्म करने के मामले में फ्रांस बिल्कुल भी मददगार साबित नहीं हुआ, जिसे आखिरकार हमने मार गिराया और इस रवैए को अमेरिका याद रखेगा।

ट्रंप ने उन यूरोपीय सहयोगियों के प्रति अपनी नाराजगी लगातार जाहिर की है, जिन्होंने ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल के सैन्य अभियान में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया है—खास तौर पर तब, जब उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए फिर से खोलने के बेहद खतरनाक प्रयासों में शामिल होने को लेकर अपनी आशंकाएं व्यक्त की थीं।

CMYK

भागवत रसधारा से सराबोर समरसता महोत्सवजहाँ भक्ति बनी औषधि और जीवन बना उत्सव

भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। परम पूज्य माधव गो विज्ञान अनुसंधान संस्थान एवं सांवरिया सेठ मंदिर ट्रस्ट नौगांवा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भागवत समरसता महोत्सव अपने पांचवें दिन उस आध्यात्मिक उत्कर्ष पर पहुँच गया जहाँ हर क्षण, हर श्वास, हर भाव भक्ति के रंग में रंगा दिखाई दिया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो कथा स्थल नहीं, स्वयं गोकुलधाम धरा पर अवतरित हो गया हो। परम पूज्य गौवत्स राधाकृष्ण महाराज ने अपने ओजस्वी और हृदयस्पर्शी प्रवचन में कहा कि जीवन की नीरसता ही डिप्रेशन का कारण है और इस अवसाद का समाधान केवल भागवत की रसधारा में ही संभव है। महाराज ने वर्तमान समय

में बढ़ते मानसिक दबावों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मनुष्य ज्ञान तो बहुत संग्रहित कर रहा है, पर उसे आचरण में उतारने का भाव खोता जा रहा है। जैसे जेब में रखी दवा रोग नहीं हर सकती, ठीक वैसे ही केवल ग्रंथों की बातें याद रखने से जीवन का कल्याण नहीं होता—सच्चा लाभ तभी है जब ज्ञान जीवन की दिनचर्या में सहज प्रवाहित हो।सुबह दूधाधारी मंदिर से निकली प्रभातफेरी ने शहर को भक्ति की ज्योति से जगाया। महाराज ने कहा कि प्रभातफेरी जिस प्रकार गलियों से गुजरी, वह दृश्य ऐसा था मानो हर रास्ते से गंगा मैया स्वयं प्रवाहित हो रही हों। उन्होंने इस आध्यात्मिक यात्रा को गिरिराज तीर्थ यात्रा के समान पुण्य फलदायी बताते हुए कहा कि मेरे सांवरिया सेठ का सच्चा धाम भक्तों के हृदय और वृंदावन की कुंज गलियों में ही बसता है, जहाँ निष्कपट प्रेम का निवास है। प्रवचन के दौरान महाराज ने सोशल मीडिया पर भी चुटीला कटाक्ष किया और कहा कि आजकल लोग संतों के विचारों को स्टेटस पर तो लगा लेते हैं, लेकिन उन विचारों को अपने जीवन का स्टेटस नहीं बना पाते।

गौसम्मान की हुंकारः कुकृत्य के विरोध में हिंदू संगठनों का फूटा रोष, 72 घंटे में कार्रवाई की मांग

भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। गौ माता के सम्मान और हिंदू समाज की आस्था के संरक्षण को लेकर भीलवाड़ा में व्यापक आंदोलन की चेतावनी दी गई। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, श्रीराम गौ सेवा समिति, पंचमुखी गौशाला समिति सहित विभिन्न गौसेवा संगठनों ने गौ माता के साथ हुए कुकृत्य की दो गंभीर घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई की मांग को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव को ज्ञापन सौंपा। विहिप भीलवाड़ा महानगर प्रचार-प्रसार प्रमुख विराट सोनी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से योजनाबद्ध तरीके से भीलवाड़ा के माहौल को बिगाड़ने के प्रयास हो रहे हैं। सनातन हिंदू परंपरा में गौ माता को 36 करोड़ देवी-देवताओं का वास माना जाता है, ऐसे में गौ माता के साथ कुकृत्य कर हिंदू समाज की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई गई है। पहली घटना 7 मार्च की रात धानमंडी, तथा दूसरी 27 मार्च को शाम के समय सब्जी मंडी में हुई। दोनों ही मामलों में रिपोर्ट क्रमशः भीमगंज थाने और कोतवाली थाने में दर्ज होने के बावजूद अभी तक कोई प्रभावी कार्रवाई न होने से हिंदू समाज में गहरा आक्रोश है।संगठनों ने चेतावनी दी कि अगले 72 घंटे के भीतर अपराधियों की गिरफ्तारी तथा सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो सभी गौसेवा और हिंदू संगठनों द्वारा उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में अखिलेश व्यास, विनीत द्विवेदी, ओमप्रकाश लड्ढा, भारत गेंगट, सुशील सुवालका, मुकेश प्रजापत, मनोज सोनी, सतु बजरंगी, गौरव जीनगर, कमल राजपुरोहित, श्रीराम गौ सेवा समिति से राम लखन राव, भेरू माली, देवराज गुर्जर, काना माली, महावीर तथा पंचमुखी गौशाला समिति से बबलू गाडरी, कालू तेली, सुरेश सहित अनेक गौसेवक मौजूद रहे।

सुप्रीम फाउंडेशन ने धुडिला विद्यालय के विद्यार्थियों को वितरित की नोटबुक

डीडवान (हुक्मनामा समाचार)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, धुडिला में एक गरिमामय समारोह के बीच सुप्रीम फाउंडेशन, जसवंतगढ़ की ओर से कक्षा 1 से 5 तक के सभी नामांकित छात्र-छात्राओं को प्रत्येक विषय की नोटबुक का निःशुल्क वितरण किया गया।कार्यक्रम के दौरान जानकारी देते हुए हरीराम माली ने बताया कि सुप्रीम फाउंडेशन पिछले लंबे समय से शिक्षा उन्नयन के क्षेत्र में सक्रिय है। फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में भौतिक एवं मानवीय संसाधनों की कमी को दूर कर विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर

को बेहतर बनाना है। इससे पूर्व भी फाउंडेशन द्वारा विद्यालय में सर्दियों के मौसम में स्वेटर वितरण छात्राओं की सुविधा हेतु बालिका शौचालय का निर्माण करवाया जा चुका है।फाउंडेशन के मुख्य समन्वयक श्याम बाबू शर्मा के निर्देशन तथा समन्वयक दिलीप सिंह चौहान, रमेश कुमार शर्मा और कृष्णकांत पारीक के मार्गदर्शन में लाडनूं ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में धुडिला के विद्यालय में यह सामग्री वितरित की गई।विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार ने बोर्ड परीक्षाओं में विद्यालय के 100% परीक्षा परिणाम के लिए छात्रों एवं शिक्षकों की कर्मठता की प्रशंसा की। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे सरकारी विद्यालय की सुविधाओं को देखते हुए अधिक से अधिक बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित करवाएं। अंत में, उन्होंने फाउंडेशन के इस सराहनीय कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ एवं गांव के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से सतवीर सिंह, मोहन राम बिडियासर, नरेंद्र कुमार प्रेमलता, सुमन, सुरजीत सिंह, बेगाराम बजरंग लाल, प्रताप सिंह, पूर्णाराम, शंकर लाल रामप्रसाद मुंडेल और कौशल्या बिडियासर सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

शाहपुरा में हर्षोल्लास से मनाया गया महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव

शाहपुरा (हुक्मनामा समाचार)। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव स्थानकवासी जैन श्रावक संघ द्वारा बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया।कार्यक्रम के तहत वर्धमान भवन से भव्य जुलूस निकाला गया, जो बालाजी की छतरी, सदर बाजार और नया बाजार होते हुए पुनः वर्धमान भवन पहुंचा। जुलूस में श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही और पूरा वातावरण भक्ति भाव से ओतप्रोत नजर आया।लाला कोठारी ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्धमान भवन में परम विदुषी उप प्रवर्तनी महासाध्वी

डॉ. दिव्या प्रभा म.सा. एवं साध्वी आर्या म.सा. के सानिध्य में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर अंशु अनामिका जैन एंड पार्टी द्वारा भगवान महावीर स्वामी के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी गई। वहीं इंदु धूपिया, शर्मिला छाजेड़ अभिलाषा सिंघवी संदीप तातेड विकास सिंघवी हर्षित जैन विकास चौधरी मधु डांगी, कुसुम गांग, संपत देवी बुलिया एवं सुनील गोखरू द्वारा भजन, गीत, दृष्टांत और मुक्तकों के माध्यम से भगवान महावीर के जीवन और सिद्धांतों का गुणगान किया गया।

जिला कलक्टर ने किया जिला कारागृह का निरीक्षण

चित्तौड़गढ (हुक्मनामा समाचार)। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने सोमवार को जिला कारागृह, चित्तौड़गढ़ का निरीक्षण कर वहां बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने कारागृह में स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, चिकित्सा सुविधाओं सहित अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की।

गपूजा इंटरनेशनल एकेडमी में गूंजी तालियां: वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। स्थानीय शिक्षण संस्थान पूजा इंटरनेशनल एकेडमी में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच वार्षिक परीक्षा परिणाम (सत्र 2025-26) घोषित किया गया। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजेन्द्र पाल सिंह, उषा देवी तथा जिला पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहीं। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की और अपने संबोधन में विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

संस्थान के अध्यक्ष डॉ. बजरंग सिंह राठौड़ ने बताया कि परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया। कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले होनहार छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह और

प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान बच्चों के चेहरों पर जीत की खुशी और अभिभावकों के चेहरे पर गर्व के भाव नजर आए। संस्थान के निदेशक डॉ. रणजीत सिंह राठौड़ ने विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा पूजा इंटरनेशनल एकेडमी केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि हम विद्यार्थियों को संस्कारों के साथ शिक्षा प्रदान कर उनका सर्वांगीण विकास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। खेल के क्षेत्र में भी हमारे विद्यार्थियों ने राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।निदेशक डॉ. राठौड़ ने जानकारी दी कि आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। डीडवाना क्षेत्र के अभिभावक स्कूल समय के दौरान विद्यालय परिसर का अवलोकन कर सकते हैं और सुविधाओं व शैक्षणिक वातावरण की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रशासन ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

हेल्पिंग हैंड यूथ सोसायटी द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 249 यूनिट के साथ रक्तदान शिविर सम्पन्न

निम्बाहेड़ा (हुक्मनामा समाचार)। निम्बाहेड़ा नगर की आदर्श कॉलोनी स्तिथ स्वर्णकार समाज की धर्मशाला में मंगलवार को हेल्पिंग हैंड यूथ सोसायटी द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 249 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। सुबह से ही शिविर में रक्तदाताओं के आने का सिलसिला आरम्भ हुआ जो अन्त तक बना रहा, गर्मी के बावजूद रक्तदाताओं का उत्साह अन्त तक बना रहा, शिविर के अंतिम समय में रक्तदान करने वालों की लाइन लग गई जिसके चलते शिविर को 20 मिनिट के लिए और बढ़ाया गया.। समाजसेवी आनन्द सालेचा ने 77 वां रक्तदान कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया शिविर के व्यापक प्रचार प्रसार से प्रेरित होकर एक पिता पुत्र, पिता पुत्री सहित 4 जोड़ों ने सप्तनीक रक्तदान किया वहीं एक दिव्यांग ने भी रक्तदान कर सभी रक्तदाताओं का उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में जे के यूनिट हैड मनीष तोषनीवाल, एच आर हैड प्रभाकर मिश्रा, राजेश सोनी के मुख्य आतिथ्य में दीप प्रज्वलित का भगवान गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. इस शिविर में महत्वपूर्ण बात यह रही कि सभी रक्तदाताओं को हाथों हाथ एक मेग्नेट फोटो स्मृति स्वरूप प्रदान किया गया।

झालावाड़ में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई: दो अवैध आरा मशीन सीज, भारी मात्रा में लकड़ी जब्त

झालावाड (हुक्मनामा समाचार)। जिले में अवैध आरामशीनों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की श्रृंखला वन विभाग झालावाड़ रेंज के नाका झालरापाटन में अवैध रूप से संचालित दो आरामशीन सीज कर लकड़ियां जब्त की गई। क्षेत्रीय वन अधिकारी झालावाड़ दीपक सिंह के अनुसार उप वन संरक्षक सागर पवार के आदेशानुसार एवं सहायक वन संरक्षक मुकेश सहजवानी के निर्देशन में जिले में अवैध आरामशीनों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए रेंज झालावाड़ के ग्राम देवनगर और देवरी में अवैध रूप से संचालित आरामशीनों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए मांगीलाल पुत्र भवानीशंकर निवासी देवनगर को गिरफ्तार

कर आरा मशीन सीज कर लकड़ियां जब्त की गई। इसी प्रकार देवरी में मनोहर लाल पुत्र मांगीलाल को गिरफ्तार कर संचालित अवैध आरा मशीन को सीज कर भारी मात्रा में लकड़ियां जब्त की गई । जैसा की विदित है कि पूर्व में भी पिडावा क्षेत्र के रायपुर और नयागांव तथा मनोहरथाना और असनावर रेंज में अवैध आरामशीनों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान दीपक सिंह क्षेत्रीय वन आधिकारी झालावाड़, सुरेन्द्र सिंह, कृष्णपाल सिंह, रोहित महला,टीकम माली,हर्वेन्द्र चौधरी, लोकेन्द्र सिंह, शिव सिंह, महेश कुमार, मोहर सिंह, नरेश बराला, रमेश कुमार, राकेश कुमार, संतोष और संजीदा बेगम सहित समस्त झालावाड़ रेंज स्टाफ उपस्थित था।

सानिया बानो ने 95.40 प्रतिशत अंक प्राप्त करके इन्द्रगढ़ मे प्रथम स्थान प्राप्त किया

इन्द्रगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। न्यूसरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रगढ़ कि छात्रा सानिया बानो ने कक्षा 12 वी कला वर्ग बोर्ड परीक्षा में 95.40 प्रतिशत अंक प्राप्त करके इन्द्रगढ़ तहसील में प्रथम स्थान प्राप्त करके इतिहास रच दिया है सानिया बानो निसार मोहम्मद एवं संजीदा बानो की पुत्री है यह करवर निवासी है सानिया ने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता व विद्यालय परिवार को दिया है यह नियमित अध्ययन 6 घंटे करती थी एवं आगे प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती हैवहीं द्वितीय स्थान पर प्रिया मीणा ने 94.20 प्रतिशत अंक प्राप्त किया तथा विज्ञान वर्ग में प्रदीप कुशवाह ने 92.20 अंक प्राप्त कर क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।कृषि विज्ञान वर्ग में इंद्रगढ़ क्षेत्र में जिशान खान ने 84.60 प्रतिशत प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार शर्मा ने छात्रों को विद्यालय में बुलाकर टॉपर बच्चो को मिठाई व माला पहनाकर सम्मान किया विद्यार्थियों सफलता का श्रेय प्रतिदिन पढ़ाई के साथ साथ न्यू सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय के सम्पूर्ण स्टॉफ को दिया है।

इस अवसर पर बड़ी

संख्या में छात्र छात्राएं और शिक्षक सुंदर लाल, कृष्ण दीक्षित, केशव शर्मा , गिरीश शर्मा, विमल जैन, दीपक सैनी शमा रानी व अन्य लोग विद्यालय में उपस्थित रहे,।

महावीर जयंती पर नगर में निकली भव्य शोभायात्रा, धर्ममय हुआ वातावरण

धरियावद (हुक्मनामा समाचार)। जैन शैताबर शीतल नाथ भगवान मंदिर से महावीर स्वामी की जयंती के अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान महावीर के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।शोभायात्रा का शुभारंभ प्रातः मंदिर परिसर से हुआ, जो नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंचकर सम्पन्न हुई। शोभायात्रा में सुसज्जित झांकियां, बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़े तथा धर्म ध्वजाओं के साथ श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए चल रहे थे।इस दौरान भगवान महावीर स्वामी के जीवन से जुड़े प्रसंगों को दर्शाती आकर्षक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। महिलाएं मंगलगीत गाते हुए चल रही थी, वहीं युवा वर्ग ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। छोटे बच्चों ने भी भगवान महावीर का स्वरूप धारण कर शोभायात्रा की शोभा बढ़ाई। नगर के विभिन्न स्थानों पर समाजजनों द्वारा शोभायात्रा का स्वागत किया गया तथा श्रद्धालुओं के लिए शीतल जल, फल एवं प्रसादी की व्यवस्था की गई।इस अवसर पर समाज के

वरिष्ठजन, महिलाएं, युवा एवं बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान पूरा नगर भगवान महावीर स्वामी के जयकारों से गूंज उठा और वातावरण पूरी तरह धर्ममय हो गया।

संभागीय अधिवेशन में लायंस क्लब निंबाहेड़ा गोल्ड का परचम चार पारितोषिक किए अपने नाम

निंबाहेड़ा (हुक्मनामा समाचार)। लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233म2, संभाग-11 का संभागीय अधिवेशन 'शिवोहम' मंदसौर में गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। इस अधिवेशन में लायंस क्लब निंबाहेड़ा गोल्ड ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चार महत्वपूर्ण पारितोषिक प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। लायंस क्लब गोल्ड के अध्यक्ष विक्रमादित्य खेरोदिया एवं सचिव विकास मूंदड़ा के नेतृत्व में क्लब ने विभिन्न सेवा गतिविधियों में उल्लेखनीय कार्य करते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

सहाड़ा के भाजपा कार्यकर्ताओं ने अनदेखी को लेकर अहम बैठक आयोजित कर बगावत का किया ऐलान,जल्द होगा बड़ा सम्मलेन

गंगापुर (हुक्मनामा समाचार)। सहाड़ा विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। गंगापुर कस्बे स्थित बावड़ी बालाजी मंदिर परिसर में क्षेत्र के प्रमुख भाजपा नेता एवं कार्यकर्ताओं की एक अहम बैठक आयोजित हुई, जिसमें संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी पंचायत और निकाय चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं ने आगामी स्थानीय चुनावों में भाजपा संगठन की अनदेखी करने वाले नेताओं एवं व्यक्तियों को सबक सिखाने का संकल्प लिया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ समय से संगठन के निष्ठावान कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की जा रही है, जिससे जमीनी स्तर पर असंतोष बढ़ रहा है।बैठक में विधानसभा प्रत्याशी रहे एक नेता द्वारा पार्टी के प्रदेश प्रभारी तक बात पहुंचाने का सुझाव दिया गया जिस पर भाजपा के एक पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष द्वारा पार्टी के आला नेताओं को जमकर आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आप लोग टिकिट की लड़ाई में कार्यकर्ताओं का शोषण करते हैं। कार्यकर्ताओं में दम है जो अपने चहते उम्मीदवार को जितवा देंगे। हम भी इस बार जैसे को तैसा बताकर ही दम लेंगे।बैठक के दौरान सहाड़ा विधायक लादू लाल पितलिया की कार्यप्रणाली को लेकर भी कार्यकर्ताओं ने खुलकर नाराजगी जताई। वक्ताओं ने कहा कि पिछले दो वर्षों में संगठन के शीर्ष नेताओं तक कई बार शिकायतें पहुंचाई गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला, जिससे कार्यकर्ताओं में रोष व्याप्त है।इसके अलावा अधिकारियों द्वारा राजनीतिक दबाव में द्वेषतापूर्ण कार्रवाई किए जाने का मुद्दा भी बैठक में प्रमुखता से उठा। कार्यकर्ताओं का कहना था कि प्रशासनिक स्तर पर निष्पक्षता बनाए रखना जरूरी है, अन्यथा आम कार्यकर्ता और जनता दोनों प्रभावित होते हैं।बैठक के अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में सहाड़ा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ताओं का एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें संगठन की मजबूती और भविष्य की रणनीति तय की जाएगी।बैठक में क्षेत्र के कई वरिष्ठ एवं सक्रिय भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

12 वी बोर्ड में एम एल डी का रहा उत्कृष्ट परिणाम इंदूबाला शर्मा रही अव्वल

केकड़ी (हुक्मनामा समाचार)। मिश्रीलाल दुबे उच्च माध्यमिक अकादमी केकड़ी में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा 12वीं कला, विज्ञान एवं कृषि विज्ञान का परिणाम घोषित कर दिया गया। प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार पारीक ने बताया कि परीक्षा में छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विज्ञान वर्ग में इंदूबाला शर्मा ने 88.80% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। राज्यवर्धन सिंह ने 87.80%, उर्मिला चौधरी ने 87.00%, राजवीर सिंह ने 86.20% और हर्षित जांगिड़ ने 81.00% अंक

प्राप्त किए। कृषि विज्ञान वर्ग में अंजू कुमारी जाट ने 80.80%, अमन चौधरी ने 78.40%, आसाराम जाट ने 78.00%, युवराज चौधरी ने 76.40% और रीना बैरवा ने 75.80% अंक हासिल किए। कला वर्ग में लता शर्मा ने 85.60%, आरती शर्मा ने 83.40%, चिराग राजपुरोहित ने 83.40%, देविका कानावत ने 79.40% और ईशुराज सिंह खंगारोत ने 79.40% अंक प्राप्त किए।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रदीप लोढा द्वारा एफ बी 3, करतारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया रोड नंबर 4, जयपुर से मुद्रित एवं पीली कोठी, जयपुर गोल्डन, जयपुर रोड, अजमेर से प्रकाशित। फोन 2623396, प्रधान संपादक - प्रदीप लोढा, प्रबंध संपादक - वैभव लोढ़ा, समाचार संपादक (अजमेर) राजेंद्र गुप्ता जयपुर कार्यालयः जी 1, एफ ब्लॉक, गणपति एनक्लेव, अजमेर रोड जयपुर। जोधपुर कार्यालय -902, तीसरी ई रोड, सरदारपुरा, जोधपुर। फोन 2433621, ई मेल hukmnama.ajmer@gmail.com

पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होगा तारागढ़ किला एवं वरूण सागर

देवनानी ने नई दिल्ली में केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री शेखावत एवं केन्द्रीय संचार मंत्री सिंधिया से की भेंट

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अपने नई दिल्ली प्रवास में मंगलवार को केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भेंट की और अजमेर के पर्यटन विकास कार्यों और कतिपय अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

तारागढ़ और वरुण सागर के लिए केंद्रीय सहायता का आग्रह केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ भेंट में विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने अजमेर के ?तिहासिक तारागढ़ किला और वरुण सागर को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के सम्बन्ध में चर्चा की और इसके लिए यथोचित केन्द्रीय सहयोग प्रदान कराने का आग्रह किया। विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने बताया कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान से जुड़े ?तिहासिक तारागढ़ किला के विकास के लिए राजस्थान सरकार ने भी अपने बजट में वित्तीय प्रावधान की घोषणा की है। तिहासिक तारागढ़ किला को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की इस महत्वाकांयोजना को पूरा करने के लिए केन्द्रीय सहायता की महती आवश्यकता है। इसी प्रकार अजमेर के वरुणसागर जिसका पूर्व में नाम फाय सागर था,को भी पर्यटन की दृष्टि से आकर्षण बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है तथा यहाँ शीघ्र वरुण देवता की अष्ट धातु की एक मूर्ति भी स्थापित की जायेगी। देवनानी ने बताया कि अजमेर में अंग्रेज़ी और औपनिवेशिक काल की गुलामी के प्रतीक कई नामों को बदला गया है। इसी क्रम में फाय सागर का नाम भी परिवर्तित कर जल के देवता वरुण सागर के नाम पर रखा गया है। उन्होंने बताया कि वरुण सागर को एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाने के प्रयास किए जा रहें है। केन्द्रीय मंत्री का आश्वासन केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विधानसभाध्यक्ष देवनानी का आश्वस्त किया कि तिहासिक तारागढ़ क़िला और वरुण सागर सहित अजमेर के अन्य पर्यटन स्थलों के विकास का विस्तृत प्रोजेक्ट बनवा कर केन्द्र सरकार से समुचित केन्द्रीय सहायता दिलाने का पूरा प्रयास किया जाएगा। सड़क चौडी करने सम्बन्धी विषय पर चर्चा विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से अजमेर में बीएसएनएल और डक घर कार्यालय के पास की सड़क को चौड़ी करने सम्बन्धी विषय पर चर्चा की तथा बताया कि अजमेर में जाम की समस्या को दूर करने तथा सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए इन कार्यालय के पास की सड़क को चौड़ी करना आवश्यक है। जनहित में इन कार्यालयों की भूमि की आवश्यकता है। क्योंकि नए एलिवेटेड रोड और आगरा फोर्ट गेट के पास प्राय: दुर्घटनाए होती है। उन्होंने सिन्धिया से इस लम्बित विषय का शीघ्र निराकरण करने के लिए सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर देवनानी ने दोनों मंत्रियों को विधानसभा प्रकाशनों के साथ अपनी पुस्तक भी भेंट की।

तारागढ़ किला व वरुण सागर पर्यटन स्थल के रूप में होंगे विकसित

अजमेर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत तथा केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भेंट कर अजमेर के पर्यटन विकास और अन्य जनहित के मुद्दों पर चर्चा की। देवनानी ने केंद्रीय मंत्री शेखावत से ऐतिहासिक तारागढ़ किला और वरुण सागर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए केंद्रीय सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने भी तारागढ़ किले के विकास के लिए बजट में प्रावधान किया है तथा वरुण सागर को आकर्षक पर्यटन स्थल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं केंद्रीय संचार मंत्री सिंधिया से अजमेर में बीएसएनएल और डाकघर के पास सड़क चौड़ीकरण का मुद्दा उठाया गया, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके। दोनों केंद्रीय मंत्रियों ने संबंधित विषयों पर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस अवसर पर देवनानी ने दोनों मंत्रियों को विधानसभा प्रकाशनों के साथ अपनी पुस्तक भी भेंट की।

स्वबोध आधारित शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण का आधार: बी.आर. शंकरानंद

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय शिक्षण मंडल के 57वें स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'स्वबोध आधारित शिक्षा: औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति और राष्ट्र पुनर्निर्माण का आधार' रहा। इस अवसर पर 'भारतीय शिक्षण बोध' पत्रिका का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय संगठन मंत्री बी.आर. शंकरानंद ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण का भाव विकसित करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा को व्यापार के चंगुल से निकालकर मूल्यों के सृजन का माध्यम बनाना समय की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. भारत शरण सिंह ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का मार्गदर्शक होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने की। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा में शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रांतों के पदाधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाज सेवी-सेवा भावी राधास्वामी सत्संग डेरा ब्यास सन्तमत विचारक पुखराज की सेवाओं को नमन किया

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। समाज सेवा के क्षेत्र में श्रेष्ठ सेवाऐ प्रदान करने वाले सहज और सरल स्वभाव के राधास्वामी सत्संग डेरा बाबा जैमल सिंह डेरा ब्यास अमृतसर सत्संग संतमत के विचारक पुखराज जी आनन्दकर पुत्र देवराम आनन्दकर की श्रेष्ठ सेवाओं के लिए जन सेवा समिति की सर्वधर्म समिति के समस्त पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनको नमन करते हुए इसाई समुदाय के के.एल डेविड, बौद्व घर्म के अध्यक्ष गुणवन्त राहुल, जैन धर्म की कुशाल जैन, इन्दरचन्द पोखरना, सरदार बलबीर सिंह, सरदार भजन सिंह लबाणा, एडवोकेट वाहेदा चिश्ति, शहनाज खान, राधास्वामी संतमत विचारक रमेश लालवानी,दादा भगवान विचारक रणवीर सैनी, रामेश्वरम मन्दिर में महासचिव राजेन्द्र मूरजानी एवं अन्य ने पुखराज आनन्दकर की श्रेष्ठ सेवाओं के लिए नमन किया।

पूज्य झरनेश्वर महादेव सिंधी मंडल के तत्वावधान में श्मशानों में स्टील की अथी निशुल्क प्रदान की जाएगी

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। पूज्य झरनेश्वर महादेव सिंधी मंडल के तत्वाधान में बुधवार 1 अप्रैल को सांय काल 4:00 बजे आशागंज स्थित महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती मुक्तिधाम परिसर में विभिन्न मुक्तिधामों के लिए 8 स्टील की आर्थियों को विभिन्न श्मशानों के लिए पूजन करके अलग-अलग स्थान पर भेजने की कार्यवाही की जाएगी पूज्य झरनेश्वर महादेव सिंधी मंडल के सचिव शंकर छतानी और कोषाध्यक्ष रमेश शिवानानी ने जानकारी प्रदान करते हुए बताया है कि दो अर्थयां महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती मुक्तिधाम आशागंज दो अर्थयां आना सागर पुष्कर रोड स्थित मुक्तिधाम के लिए दो आरथियां आंतेड छतरी योजना शमशान के लिए और दो आर्थियों को मदार गांधीनगर स्थित श्मशान में लकड़ी के टालों पर प्रदान किया जाएगा और इस स्थान पर रखवाने के प्रबंध किए जाएंगे रमेश शिवानी ने बताया कि यह सेवाएं पूर्णतया निशुल्क रहेगी और कोई भी इनको लकड़ी के टाल से संबंधित क्षेत्र में ले जाकर पुन वापस वही जमा करवा सकता है बुधवार को दोपहर 4:00 बजे एसकेवी न्यूज़ चैनल के प्रोपराइटर वरिष्ठ पत्रकार श्री नरेश चांदवानी झरनेश्वर महादेव सिंधी मंडल के अध्यक्ष नारी देवानी शंकर छतानी रमेश शिववानी रमेश लालवानी एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में विख्यात पंडित कन्हैयालाल तुलजाराम शर्मा के कर कमलोन द्वारा अर्थियों का विधिवत पूजन करवा कर संबंधित मुक्तिधामों में पहुंचाये जाएंगे।

पूज्य सिन्धी पंचायत अजमेर द्वारा वरिष्ठ नागरिक विद्या हरचन्दानी को कामदा एकादशी पर किया सम्मानित

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। पूज्य सिन्धी पंचायत अजमेर के तत्वावधान में आयोजित वैचारिक गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए वरिष्ठ नगरिक सुश्री विद्या हरचन्दानी ने कहा कि सृष्टि के चैरासी लाख जीवो में कण कण में परमातमा का वास होता है।सुश्री विद्या ने बताया भगवान महावीर स्वामी ने जीओ और जीने दो का संदेश प्रदान किया। उन्होने कहा कि सृष्टि को बनाने वाले परमात्मा को रब के नाम से पुकारो, वाहेगुरू के नाम से पुकारो, गॉड के नाम से पुकारो, खुदा के नाम से पुकारो,भगवान के नाम से पुकारो समस्त एक ही समान है। पूज्य सिन्धी पंचायत अजमेर के संस्थापक व महासचिव रमेश लालवानी महासचिव और संयोजक ने बताया कि कामदा एकादशी व महावीर जयन्ति के अवसर पर पूज्य सिन्धी पंचायत अजमेर के पदाधिकारियों के द्वारा समस्त मान्यताओं का सम्मान किया जाता है।

रेड्डी नल्लु ने किया साई मंदिर के सोम द्वार का शुभारम्भ

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। खरेखड़ी रोड़ पुष्कर स्थित साईदत्त विकास साईधाम में मंगलवार को साई मंदिर के सोम द्वार का शुभारम्भ विधिवत पूजा अर्चना के साथ किया गया। साईदत्त विकास साईधाम के संस्थापक विकास रूणवाल ने ट्रस्ट द्वारा करवाए विकास कार्यों से अवगत कराया।

इसका निर्माण करवाने वाले चौरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक विकास रूणवाल, जिला कलक्टर लोक बन्धु, पुलिस अधीक्षक हर्ष वर्धन अगरवाला के द्वारा पूजा अर्चना की गई। त्रिपुरा के राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूजा अर्चना सम्पन्न हुई। इसके साथ-साथ नवग्रह मंदिर तथा 24 तीर्थंकर मंदिर को नमन किया। गणेश, दुर्गा माता, लक्ष्मी माता, सरस्वती माता, विट्ठल रूक्मणी, राधाकृष्ण मंदिर में भी पूजा करने के पश्चात, 11 मुखी हनुमान मंदिर और शिव मंदिर में शीश नवाया। त्रिपुरा के राज्यपाल इन्द्रसेना रेड्डी नल्लु ने मीडियाकर्मियों के साथ वार्ता में कहा कि संपूर्ण विश्व में शांति के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। इसके लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई है। शांति के लिए सर्वजन को प्रार्थना करनी चाहिए। साथ ही रूणवाल द्वारा व्यक्तियों की शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, आपसी सम्बन्धों सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए अभिमंत्रित जल, बाम और तेल देकर आमजन का समाधान किया जा रहा है। संस्थापक विकास रूणवाल ने बताया कि साई मंदिर के लिए काला पत्थर महाराष्ट्र से लाया गया है। मुख्य शिरडी मंदिर के समान तथा बराबर आकार की मूर्ति यहां स्थापित है। यहां नवग्रह वाटिका, राशि नवग्रह वाटिका, पंचवटी वाटिका, 24 तीर्थंकर वाटिका, 16 योग माता मंदिर, शनि शिंगणापुर मंदिर, शिव परिवार, विठ्ठल रूक्मणी, राधाकृष्ण, रूद्रावतार सहित 61 मंदिर विद्यमान है। कुल 22 बीघा में विस्तारित परिसर में 5 हजार वर्ग फीट की योग वाटिका भी है। प्रत्येक मंदिर एक पेड़ प्रजाति से जुड़ा हुआ है। पर्यावरण सरंक्षण के लिए रिसाईकल जल का उपयोग किया जाता है। बूंद-बूंद पद्धति अपनाई गई है। वन्य जीवों के लिए चारों और एनीकट बनाकर हमेशा जल उपलब्ध कराया जाता है। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर चंद्रशेखर भंडारी, उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद कंवर, निवृत्तमान अध्यक्ष कमल पाठक सहित गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्री सर्वेश्वर मित्र मंडल की मासिक बैठक संपन्न

भजनों व गीतों की प्रस्तुति के साथ ही संस्था सदस्यों का जन्म दिवस भी मनाया

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। श्री सर्वेश्वर मित्र मंडल अजमेर की मार्च माह की मासिक बैठक संस्था अध्यक्ष पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में श्री गौड़ ब्राम्हण सभा भवन, (रेल्वे सरक्युलर रोड़) अजमेर में आयोजित की गयी। संस्था अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल व महासचिव प्रवीण अग्रवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बैठक का शुभारंभ ईश वंदना के साथ हुआ, इसके बाद महासचिव प्रवीण अग्रवाल द्वारा गत मासिक बैठक का कार्यवाही विवरण का पठन कर उसकी पुष्टि कराई गयी तत्पश्चात जिन सदस्यों का इस माह जन्म दिन आता है उनमें रमेशचंद गोयल, रामप्रकाश शर्मा व अरविंद कुमार अग्रवाल का माल्यार्पण कर व शुभकामना कार्ड देकर अभिनंदन किया गया तथा इनके दीर्घायु व स्वस्थ जीवन की कामना की गयी। संस्था अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए दुर्गा अष्टमी, राम नवमी, गणगौर, महावीर जयन्ती व हनुमान जयंती की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर सांस्कृतिक व मनोरंजक कार्यक्रम के शुभारम्भ में जगदीश भंसाली ने ओम उच्चारण, हास्यासन व ताली वादन कराया तथा इनके फायदे भी बताये द्य इनके पश्चात डॉ कृष्ण गोपाल गोयल, प्रवीण श्रीवास्तव, उमेश चंद गुप्ता, राम प्रकाश शर्मा, घनश्याम वर्मा, प्रमोद कुमार बंसल, नंद किशोर गर्ग, बालकिशन खंडेलवाल, प्रमोद मेहता व शैलेंद्र अग्रवाल आदि ने भजन, हास्य व्यंग्य, गीत तथा ज्ञानवर्धक संस्मरण प्रस्तुत किये। मीटिंग में संस्था संरक्षक हनुमान दयाल बंसल, अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश चंद गुप्ता, महासचिव प्रवीण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष चंद्रनारायण अग्रवाल, ऑडिटर डॉ कृष्ण गोपाल गोयल, कार्यकारिणी सदस्य विनय कुमार गुप्ता, शिव शंकर अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, देवेंद्र कश्यप व अरुण गुप्ता, गिरधर गोपाल गोयल, अनिल कुमार गोयल, गोविंद प्रसाद गर्ग, द्वारका प्रसाद माथुर, अनिल कुमार गर्ग, अरविंद कुमार अग्रवाल, अशोक गोयल, घनश्याम वर्मा, बालकिशन खंडेलवाल, एस के अग्रवाल, कमल किशोर गर्ग, जगदीश भंसाली, नंद किशोर अग्रवाल, नवल किशोर गोयल, ओमप्रकाश वर्मा, प्रमोद बंसल, रमेशचंद गोयल, रमेशचंद, सत्यनारायण, सत्यनारायण बंसल, सुधीर कुमार शर्मा, शैलेंद्र कश्यप, विष्णु अवतार गोयल, दीपक कुमार शर्मा, रमेशचंद अग्रवाल, आर पी शर्मा, त्रिलोक कुमार अग्रवाल, प्रवीण श्रीवास्तव, मोहनलाल कुमावत, प्रमोद कुमार मेहता व सुबोध कुमार गर्ग आदि सदस्य उपस्थित रहे।

महावीर इंटरनेशनल केंद्रों द्वारा भगवान महावीर जन्म कल्याणक समारोह जुलूस का स्वागत

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। भगवान महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर महावीर इंटरनेशनल अजयमेरु एवं पद्मावती अजमेर केंद्र द्वारा नाया बाजार चोपड़ पर भव्य जुलूस का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। महावीर इंटरनेशनल रीजन-3 के उपनिदेशक (प्रचार-प्रसार) कमल गंगवाल एवं अजयमेरु केंद्र के चेयरमैन गजेंद्र पंचोली ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथियों में केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, राजस्थान न्यायिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं पारिवारिक न्यायालय अजमेर के माननीय न्यायाधीश राजेश जैन, कोर्ट नाजिर राजेश जैन गदिया, पूर्व विधायक डॉ. गोपाल बाहेती, कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह रलावता, अजमेर शहर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष किशन गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार सुरेश कासलीवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त रमेश चंद तापड़िया, सुरेश कुमार सोनी, उमेश गर्ग, शैलेंद्र अग्रवाल एवं राजेंद्र गांधी का भी स्वागत किया गया।

विशेषाधिकारी के घर पहुंचे शिक्षा मंत्री, मां से लिया आशीर्वाद

उदयपुर,(हुक्मनामा समाचार)। उदयपुर प्रवास के दौरान शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री श्री मदन दिलावर मंगलवार सुबह अपने विशेषधिकारी अभय सिंह राठौड़ के घर पहुंचे। मंत्री श्री दिलावर लगभग आधा घंटा विशेषधिकारी श्री राठौड़ के निजी आवास पर रुके। इस दौरान उन्होंने परिवार जनों से भेंट की तथा विशेषधिकारी की 95 वर्षीय माता श्रीमती राज कँवर के चरणस्पर्श कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने परिवार के बच्चों से भी बातचीत की।

पीएम ई-ड्राइव योजना से राजस्थान में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मिलेगा विस्तार

उदयपुर/जयपुर,(हुक्मनामा समाचार)। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल उपभोक्ताओं के लिए नई सौगात लेकर आई है। भारत सरकार ने राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम को प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) हेतु पब्लिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए 81.12 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। इसके तहत प्रदेश के 262 स्थानों पर कुल 591 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इससे राज्य में ईवी चार्जिंग के आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान देश में हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के मामले में अग्रणी राज्यों में शामिल है। राज्य में ग्रीन एनर्जी नेटवर्क का विस्तार करते हुए इसे और प्रभावी बनाने की दिशा में निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम ने प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना के अंतर्गत प्रदेश में नए ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए भारत सरकार के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। केन्द्र सरकार से इसकी मंजूरी मिलने, राज्य में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने और ईवी के उपभोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शिक्षा मंत्री ने किया सीनियर सैकेण्डरी का परिणाम जारी

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा सीनियर सैकण्डरी कला, वाणिज्य एवं विज्ञान तथा वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा 2026 का परिणाम मंगलवार को शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर द्वारा उदयपुर से ऑनलाइन माध्यम से जारी किया गया। शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने प्रवेशोत्सव के महत्व पर बल देते हुए अभिभावकों से अधिकाधिक बच्चों को शिक्षा के मार्ग में आगे बढ़ाने का आह्वान किया तथा कहा कि गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा ही राज्य के समग्र विकास का आधार है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आजादी के पश्चात पहली बार मार्च माह में ही परीक्षा परिणाम जारी किया गया है, जो शिक्षा विभाग की कार्यकुशलता एवं समयबद्धता का परिचायक है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि परीक्षा प्रणाली को पूर्णत: पारदर्शी एवं शुचिता युक्त बनाने के लिए हर स्तर पर सख्त निगरानी रखी गई। उन्होंने महत्वपूर्ण सुधारों की जानकारी देते हुए बताया कि अब रीटोटलिंग के स्थान पर पुनर्मूल्यांकन की व्यवस्था लागू की जाएगी, जिससे विद्यार्थियों को अधिक न्यायसंगत मूल्यांकन मिल सकेगा।

साथ ही बोर्ड परीक्षाएं वर्ष में दो बार आयोजित करने की व्यवस्था की जा रही है, जिससे विद्यार्थी प्रथम प्रयास में कम अंक आने पर पुन: परीक्षा देकर अपने परिणाम में सुधार कर सकेंगे। इसके लिए विद्यार्थियों को न्यूनतम तीन परीक्षाओं में सम्मिलित होना आवश्यक होगा। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि एक अप्रैल तक सभी विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध करा दी जाएंगी तथा प्रवेशोत्सव के पश्चात विद्यालयों में गणवेश भी वितरित किए जाएंगे। शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों को कक्षा में मोबाइल का उपयोग नहीं करने के निर्देश देते हुए कहा कि अध्यापन कार्य में पूर्ण समर्पण एवं अनुशासन बनाए रखना आवश्यक है। इससे विद्यार्थियों का शैक्षणिक वातावरण सुदृढ़ हो सकेगा। इस अवसर पर बोर्ड प्रशासक एवं संभागीय आयुक्त श्री शक्ति सिंह राठौड़ तथा बोर्ड सचिव श्री गजेन्द्र सिंह राठौड़ भी बोर्ड कार्यालय से वर्चुअली जुड़े। प्रशासक श्री राठौड़ ने कहा कि बोर्ड द्वारा समय पर परिणाम जारी कर अभूतपूर्व रिकॉर्ड स्थापित किया गया है, जो विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए अत्यंत राहतकारी है। वहीं बोर्ड सचिव श्री गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि बोर्ड की पूरी टीम के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप ही परीक्षा परिणाम निर्धारित समय में घोषित किया जा सका है। उल्लेखनीय है कि सीनियर सैकण्डरी परीक्षाएं 12 फरवरी से 11 मार्च 2026 के मध्य आयोजित की गई थीं तथा विद्यार्थी अपना परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन देख सकते हैं।

जारी परिणाम के अनुसार इस वर्ष भी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च सफलता दर दर्ज की है। विज्ञान वर्ग में कुल 2 लाख 87 हजार 68 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 2 लाख 85 हजार 299 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। विज्ञान वर्ग का कुल परिणाम 97.52 प्रतिशत रहा, जिसमें छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 97.02 तथा छात्राओं का 98.34 प्रतिशत दर्ज किया गया। प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी उल्लेखनीय रही, जिसमें एक लाख 46 हजार 644 छात्र तथा 98 हजार 636 छात्राएं शामिल हैं। वाणिज्य वर्ग में कुल 30 हजार 798 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए, जिनमें से 30 हजार 580 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस वर्ग का परिणाम 93.64 प्रतिशत रहा। छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 94.04 तथा छात्राओं का 92.82 प्रतिशत दर्ज किया गया। प्रथम श्रेणी में 13 हजार 976 छात्र एवं 8 हजार 96 छात्राएं उत्तीर्ण हुई हैं, जो गुणवत्तापूर्ण परिणाम का संकेत है। कला वर्ग में सर्वाधिक परीक्षार्थियों की भागीदारी रही। कुल 5 लाख 91 हजार 23 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 5 लाख 83 हजार 201 ने परीक्षा में भाग लिया। इस वर्ग का परिणाम 97.54 प्रतिशत रहा, जिसमें छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 96.68 तथा छात्राओं का 98.29 प्रतिशत रहा। प्रथम श्रेणी में एक लाख 56 हजार 818 छात्र तथा 2 लाख 27 हजार 252 छात्राएं उत्तीर्ण हुई हैं, जो छात्राओं की उत्कृष्ट उपलब्धि को दर्शाता है। वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा में कुल 4 हजार 114 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 4 हजार 67 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा का कुल परिणाम 97.20 प्रतिशत रहा। छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 96.46 तथा छात्राओं का 97.77 प्रतिशत दर्ज किया गया। प्रथम श्रेणी में 832 छात्र एवं एक हजार 328 छात्राएं सफल रही हैं। परिणाम विश्लेषण से स्पष्ट है कि सभी वर्गों में छात्राओं ने छात्रों की अपेक्षा बेहतर प्रदर्शन किया है।

अजमेर में जनता मार्केट से तेल चुराने वाला अरेस्ट : तीन आरोपियों को पहले गिरफ्तार कर चुकी पुलिस, चोरी की दो बाइक भी बरामद

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। अजमेर की क्लॉक टॉवर थाना पुलिस ने जनता मार्केट से तेल के 22 पीपे चोरी के मुख्य आरोपी शाहरूख को गिरफ्तार कर लिया है। चौरसियावास निवासी शाहरूख न केवल तेल चोरी का मास्टरमाइंड निकला, बल्कि उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की दो बाइक भी बरामद की हैं। उसने रामगंज क्षेत्र में पान की दुकान और जीसीए चौराहे पर मोबाइल की दुकान के अलावा कोतवाली क्षेत्र में भी चोरी की वारदात करना कबूल किया है। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया है। अब रामगंज थाना पुलिस भी उससे पूछताछ करेगी। क्लॉक टावर थाने के एसएचओ भीखाराम काला के मुताबिक लेखराज गोलानी ने 19 मार्च को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया उसकी जनता मार्केट स्थित दुकान और गोदाम से 18 मार्च की रात 22 पीपे तेल चोरी हो गए। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को पहले गिरफ्तार कर लिया था। उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए सभी 22 पीपे भी बरामद कर लिए थे। लेकिन मुख्य आरोपी शाहरूख फरार था।

सम्पादकीय...

देश में जनगणना आज से

देश में 16वीं जनगणना 2027 का पहला चरण बुधवार 1 अप्रैल से प्रारंभ होगा पहली बार जनगणना हाईटेक होगी और मकान की गिनती में जिओ रिफ्रेंसिंग तकनीक का इस्तेमाल होगा, हर घर की लोकेशन डिजिटल मैप पर दर्ज होगी ताकि कोई मकान छूटे नहीं और ना किसी मकान की दोबारा गिनती हो। दो चरणों में होने वाली इस डिजिटल जनगणना में पहले चरण में हाउस लिस्टिंग होगी तथा दूसरे चरण जो की फरवरी 2027 में होगा जिसमें जनसंख्या गणना होगी आजादी के बाद पहली बार जाति का डाटा भी जुटाया जाएगा, 1931 में ऐसा हुआ था। सरकार ने जनगणना के आंकड़ों को अति संवेदनशील सूचना बुनियादी ढांचा सी आई आई श्रेणी में रखा है। जनगणना का डाटा गोपनीय रहेगा और आरटीआई की दायरे से भी बाहर होगा, किसी सरकारी योजना या कोर्ट में सबूत के तौर पर इसका उपयोग नहीं किया जा सकेगा। कार्यक्रम के अनुसार जनगणना का आधिकारिक आंकड़ा 1 मार्च 2027 की मध्य रात्रि में तय होगा। जनगणना के लिए यह भी सुविधा होगी कि सेल्फ एनुमरेशन घर घर सर्वे से15 दिन पहले खुलेगी। जातिगत जनगणना करने के बावजूद उसका सरकारी योजना में लाभ नहीं लेने से विचित्र स्थिति बन जाएगी क्योंकि लंबे समय से यह मांग हो रही थी कि जातिगत जनगणना के बाद ही सरकारी योजनाओं को उन क्षेत्रों में लागू किया जाए अन्यथा उन योजनाओं का लाभ वास्तविक हकदार लोगों को नहीं मिल पा रहा था सरकारी धन का बजट का भी दुरुपयोग हो रहा था क्योंकि दूसरे लोग इसका फायदा उठा रहे थे जातिगत जनगणना की घोषणा से उम्मीद बनी थी कि अब सब कुछ सामान्य होगा लेकिन जिस तरह से सरकार ने पाबंदियां लगाई है और डाटा को सुरक्षित रखने के नाम पर जो कहा गया है उसके चलते लग रहा है कि जातिगत जनगणना से व्यवस्थाओं में योजनाओं के लागू करने में कोई मदद नहीं मिलेगी। लेकिन अच्छी बात यह है कि जातिगत जनगणना होने से सरकार के पास सही आंकड़े पहुंच जाएंगे और सरकारी इसका कैसे कब उपयोग करेगी यह आने वाले समय में साफ हो जाएगा।

वैभव लोढ़ा...

इतिहास में आज

1582 –अप्रैल को 'अप्रैल फूल डे' के रूप में मनाने की शुरुआत हुई।
1935 – भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के प्रावधानों के अनुसार आरबीआई की स्थापना हुई।.
1936 – भारत के उड़ीसा राज्य की स्थापना हुई, जो कि पहले कलिंग या उत्कल के नाम से जाना जाता था।
1973 – भारत के कार्बेट नेशनल पार्क में चीताओं को बचाने के लिए 'टाइगर बचाओं' अभियान चलाया गया।

-धर्म चंद मेहता

क्रॉस फायर

❑नीतीश ने विधान परिषद छोड़ी पर मुख्यमंत्री पद पर सस्पेंस बरकरार।
◆लगता है कोई बड़ी प्लानिंग है।

❑अमित शाह ने लोकसभा में कहा नक्सली हथियार नहीं संविधान का रास्ता चुने।
◆इन्हें मजबूर भी तो किसी ने किया ही होगा।

❑अमेरिकी जहाज के लिए स्पेन का एयर स्पेस बंद।
◆कौन ईरान को नाराज कर कर अपनी मुसीबत बुलाएगा।

❑देश में बुधवार से शुरू होगी जनगणना।
◆मालूम पड़ जाएगा कितने विदेशी निकल गए।

❑ट्रंप फिर बोले अगर हार्मुज नहीं खुला तो उड़ा देंगे ख़र्ग द्वीप।
◆कही खुद ना उड़ जाए।

❑अमेरिकी संसद की रिपोर्ट ने खोल दी पोल आतंकियों की स्थाई शरण स्थली है पाकिस्तान।
◆पर अमेरिका तो उसी को ज्यादा तवज्जो दे रहा है।

❑प्रियंका गांधी ने मोदी पर निशाना साधा कहां पश्चिम एशिया संकट पर बहस कराई जाए।
◆क्यों पोल खुलवाने में लगे हो।

❑तेजस्वी यादव बोले भाजपा ने नीतीश और बिहार की जनता को ठगा।
◆नीतीश का इतना दर्द क्यों।

.............अंजू लोढ़ा

आज का राशिफल

बुधवार 01 अप्रैल, 2026

मेष राशि: आज परिवार के सदस्यों से पूर्ण सहयोग मिलेगा। धन प्राप्ति के अच्छे संयोग बने हैं। वाणी पर संयम बनाए रखें ताकि शुभ फल प्राप्त होता रहे। व्यवसाय के क्षेत्र में आपको लाभ, मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी।

वृषभ राशि: पुरानी समस्याओं का अंत होगा। नौकरी में अधिकारियों से सहयोग एवं कार्य करने के लिए उत्साह बना रहेगा। आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

मिथुन राशि: खर्च और कर्ज आज आपकी चिंता का कारण बन सकता है इसलिए सोच-समझकर कार्य करें, अनावश्यक खर्च से बचें। कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं। वाद-विवाद के दौरान मानहानि न हो, इसका ध्यान रखें।

कर्क राशि: आज दिन मंगलमय बीतेगा। विशेष लाभ के योग बन रहे हैं। कार्यों की पूर्णता होगी। जोखिमपूर्ण निवेश में भी लाभ होगा। स्वादिष्ट भोजन और नए वस्त्राभूषणों की खरीदारी होगी।

सिंह राशि: आज दिनभर कार्य की व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान और यश में वृद्धि होगी। पूजा-पाठ से मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में सहयोग प्राप्त होगा। बीमार व्यक्ति को रोग से मुक्ति मिलेगी।

कन्या राशि: आध्यात्मिक सुख एवं सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। भाग्य आज आपका साथ देने के लिए तत्पर है। नए अवसर प्राप्त होंगे।

तुला राशि: आज दूर की यात्रा न करें। वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं। अजनबी लोगों पर भरोसा न करें वर्ना लेने के देने पड़ सकते हैं। माता-पिता के साथ मतभेद हो सकता है।

वृश्चिक राशि: आज आपको जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रिय व्यक्तियों का साथ मिलेगा। शेयर में निवेश कर सकते हैं, लाभ होगा। मौज-शौक के साधन तथा मनोरंजन के पीछे आज पैसे खर्च करेंगे।

धनु राशि: आज उन्नतिदायक दिन होगा। अचानक कोई शुभ समाचार या रुका हुआ धन प्राप्त होगा। शत्रु पराजित होंगे। घर में भाई-बहनों के साथ मेल-मिलाप रहेगा।

मकर राशि: मनोरंजन कार्य में समय अधिक व्यतीत होगा। बुद्धि-विवेक से सफलता आज आपके कदम चूमेगी। मित्रों, सगे-संबंधियों के साथ बाहर जा सकते हैं।

कुम्भ राशि: आज वाद-विवाद में न पड़ें अन्यथा विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। क्रोध व वाणी पर नियंत्रण रखना अति आवश्यक है।

मीन राशि: आत्मविश्वास एवं पराक्रम वृद्धि के कारण सफलता प्राप्त होगी। मेहनत के अनुपात में लाभ प्राप्त होगा। बुजुर्गों और उच्च पदाधिकारियों की कृपादृष्टि रहने के कारण आप मानसिक रूप से किसी भी प्रकार के बोझ से मुक्त होंगे।

राजेन्द्र गुप्ता
ज्योतिषी और हस्तरेखाविद, मो. 9611312076

नोट- अगर आप अपना भविष्य जानना चाहते हैं तो दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल करके या इसी व्हाट्स एप नम्बर पर मैसेज भेजकर पहले शर्तें जान लेवें, इसी के बाद अपनी बर्थ डिटेल और हैंडप्रिंट्स भेजें।

नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई: आंकड़े, वास्तविकता और भविष्य

सुनील कुमार महला

नक्सलवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए लंबे समय से एक गंभीर चुनौती रहा है। यह केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, बल्कि गहरे सामाजिक-आर्थिक असंतुलन से जुड़ी समस्या भी है। पाठकों को बताता चलूं कि नक्सलवाद मूलत: माओवाद की विचारधारा से प्रभावित है, जिसकी प्रेरणा माओ त्से तुंग से मिलती है। यह विचारधारा सशस्त्र क्रांति के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को समाप्त करने में विश्वास रखती है। इसी कारण इसे 'वामपंथी उग्रवाद' (लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म-एलडब्लयूई) भी कहा जाता है। वास्तव में, नक्सलवाद की शुरुआत वर्ष 1967 में नक्सलबाड़ी से हुई थी। यह एक उग्र वामपंथी आंदोलन है, जो मुख्यत: आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों में सक्रिय रहा है। नक्सली संगठन सामाजिक असमानता, भूमि अधिकारों, गरीबी और शोषण के खिलाफ संघर्ष का दावा करते हैं, लेकिन अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हिंसक तरीकों का सहारा लेते हैं। इसके प्रमुख कारणों में गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी तथा प्रशासनिक उपेक्षा शामिल रहे हैं। यह समस्या विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करती रही है और साथ ही निर्दोष नागरिकों एवं सुरक्षा बलों के लिए गंभीर खतरा भी बनी है। हालांकि, हाल के वर्षों में स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 30 मार्च 2026 सोमवार को लोकसभा में यह बात कही है कि कि देश में वामपंथी उग्रवाद अपने अंतिम चरण में है और बस्तर, जो कभी नक्सलियों का गढ़ माना जाता था, अब लगभग पूरी तरह मुक्त हो चुका है। सरकार ने 'जीरो टॉलरेंस'(शून्य सहनशीलता) नीति अपनाते हुए सुरक्षा बलों-जैसे कोबरा, सीआरपीएफ और डीआरजी को सक्रिय रूप से तैनात किया है। इसके साथ ही विकास को बढ़ावा देने के लिए 12,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण, 580 से अधिक फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों की स्थापना और हजारों मोबाइल टावर लगाए गए हैं। बस्तर क्षेत्र में अब गांवों में स्कूलों और राशन की दुकानों का विस्तार किया जा रहा है, जो सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। बहरहाल, यदि हम यहां पर ताज़ा आंकड़ों पर नजर डालें, तो वर्ष 2025 में देशभर में लगभग 137 नक्सली हिंसा की घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 52 नागरिकों और 33 सुरक्षा बलों के जवानों की मृत्यु हुई। इसके साथ ही सक्रिय नक्सलियों की संख्या घटकर लगभग 500-600 रह गई है। इतना ही नहीं नक्सलियों के आत्मसमर्पण के मामलों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मसलन, वर्ष 2024 में 881 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 2,337 हो गई। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2025 में 383 नक्सली मारे गए, और वर्ष 2026 में 24 मार्च तक 633 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए हैं।और तो और भौगोलिक दृष्टि से भी बड़ा परिवर्तन हुआ है। वर्ष 2014 में जहां 126 जिले नक्सल प्रभावित थे, वहीं 2025 तक यह संख्या घटकर लगभग 11 जिलों तक सीमित रह गई है। यह गिरावट दर्शाती है कि नक्सलवाद अब काफी हद तक नियंत्रित हो चुका है और लगातार कमजोर पड़ रहा है। हाल फिलहाल, यदि हम यहां पर नक्सलवाद/लाल आतंक के प्रमुख कारणों की बात करें तो नक्सलवाद के प्रमुख कारणों में वनों का कुप्रबंधन, प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, अव्यवस्थित जनजातीय नीतियां, क्षेत्रीय असमानताएं, भूमि सुधारों की कमी, औद्योगीकरण का अभाव और बेरोजगारी शामिल हैं।समाधान की दृष्टि से यह स्पष्ट है कि केवल सुरक्षा उपाय पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए विकास, शिक्षा, रोजगार और संवाद का संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। सरकार और समाज के संयुक्त प्रयासों से ही प्रभावित क्षेत्रों में न्याय, समानता और विश्वास का वातावरण बनाया जा सकता है। निष्कर्षत:, नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में प्रतीत होता है, किंतु इसके मूल सामाजिक-आर्थिक कारणों का समाधान करना अभी भी आवश्यक है। वास्तव में, हिंसा का मार्ग छोड़कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अपनाना ही देश और समाज के हित में है।

क्या वाकई इंटरनेट को युद्ध से खतरा है

महेन्द्र तिवारी

आज के डिजिटल युग में जब हम अपने स्मार्टफोन की स्क्रीन पर एक स्पर्श करते हैं और दुनिया के किसी भी कोने की जानकारी क्षण भर में हमारे सामने आ जाती है, तो हमारे मन में यह धारणा प्रबल होने लगती है कि इंटरनेट एक अदृश्य और वायरलेस शक्ति है जो हवा या बादलों के माध्यम से तैर रही है। 'क्लाउड' शब्द के बढ़ते प्रयोग ने इस भ्रम को और गहरा कर दिया है, जिससे हमें लगता है कि हमारा डेटा कहीं अंतरिक्ष में सुरक्षित तरीके से तैर रहा है। लेकिन जब भू-राजनीतिक तनाव बढ़ते हैं और युद्ध की बातें सामने आती हैं, तो एक सवाल बार-बार उठता है कि क्या वाकई इस अदृश्य और व्यापक नेटवर्क को युद्ध से खतरा है? इसका सीधा और स्पष्ट उत्तर है- हाँ, इंटरनेट को युद्ध से सबसे अधिक और संगीन खतरा है, और यह खतरा किसी काल्पनिक साइबर फिल्म से कहीं अधिक वास्तविक और भयावह है। वास्तविकता इस आभासी धारणा के बिल्कुल विपरीत और आश्चर्यजनक रूप से भौतिक है। हमारी संपूर्ण वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था, संचार तंत्र और यहां तक कि हमारी सामाजिक और सैन्य सुरक्षा भी समुद्र की अगाध गहराइयों में बिछे उन फाइबर ऑप्टिक केबल्स के एक जटिल जाल पर टिकी है, जिन्हें 'अंडर-सी केबल्स' कहा जाता है। दुनिया भर में फैले लगभग पांच सौ से अधिक ऐसे केबल्स का नेटवर्क ही वह अदृश्य जीवन रेखा है जो महाद्वीपों को एक दूसरे से जोड़ती है और वैश्विक इंटरनेट डेटा ट्रैफिक के नब्बे प्रतिशत से अधिक हिस्से का वहन करती है। आम धारणा के विपरीत, उपग्रह वैश्विक डेटा का केवल एक से तीन प्रतिशत हिस्सा ही संभाल पाते हैं, क्योंकि वे धीमी गति और अधिक लेटेंसी के साथ काम करते हैं। फाइबर ऑप्टिक केबल्स प्रकाश की गति से डेटा स्थानांतरित करती हैं, जो उन्हें आधुनिक सभ्यता के लिए अपरिहार्य बनाती हैं। लेकिन यही तकनीकी उपलब्धि आज एक बहुत बड़ी रणनीतिक चुनौती और कमजोरी बनकर उभरी है। इन केबल्स की महत्ता और उनके द्वारा नियंत्रित होने वाले डेटा की मात्रा का विश्लेषण करें, तो हम पाएंगे कि आधुनिक सभ्यता का कोई भी कोना इनसे अछूता नहीं है। बैंकों के लेन-देन से लेकर शेयर बाजार की हलचल तक, और रक्षा प्रणालियों के गुप्त संचार से लेकर आम नागरिकों के वीडियो कॉल तक, सब कुछ इन्हीं गहरे समुद्री मार्गों से होकर गुजरता है। एशिया, यूरोप और अमेरिका जैसे बड़े महाद्वीपों के बीच होने वाला व्यापार और कूटनीतिक विनिमय पूरी तरह से इन केबल्स की अखंडता पर निर्भर है। जब कोई युद्ध छिड़ता है, तो सबसे पहले शत्रु देश की अर्थव्यवस्था और संचार तंत्र को चकनाचूर करने की कोशिश की जाती है। इसी निर्भरता ने एक ऐसा 'एकल बिंदु विफलता' उत्पन्न कर दिया है, जिसे नष्ट करना किसी भी शत्रु देश के लिए पूरी दुनिया को घुटनों पर लाने का सबसे आसान और सस्ता तरीका हो सकता है। वर्तमान में जिस तरह से वैश्विक तनाव बढ़ रहा है, उसने इन केबल्स की सुरक्षा पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि समुद्र के तल पर भी लड़े जाएंगे। इन केबल्स को नुकसान पहुंचाना आज किसी भी आधुनिक सेना के लिए 'हाइब्रिड वॉरफेयर' का एक प्रमुख हिस्सा बन चुका है। कल्पना कीजिए कि यदि किसी संघर्ष के दौरान इन केबल्स को सुनियोजित तरीके से समुद्री बम या माइन ब्लास्ट के जरिए उड़ा दिया जाए या विशेष पनडुब्बियों के माध्यम से काट दिया जाए, तो परिणाम कितने विनाशकारी होंगे। इंटरनेट के बंद होने का मतलब केवल सोशल मीडिया का रुकना नहीं है, बल्कि इसका सीधा अर्थ है कि वैश्विक बैंकिंग प्रणाली ठप हो जाएगी, जिससे खरबों डॉलर का नुकसान मिनटों में हो सकता है। एटीएम काम करना बंद कर देंगे, क्रेडिट कार्ड ट्रांजैक्शन रुक जाएंगे और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए किए जाने वाले संचार के सभी माध्यम मृत हो जाएंगे। इससे भी भयावह यह है कि किसी देश की सैन्य और सुरक्षा एजेंसियां, जो गुप्त सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए इन सुरक्षित नेटवर्कों का उपयोग करती हैं, वे एक पल में अंधी और बहरी हो सकती हैं। यह स्थिति न केवल आर्थिक अराजकता पैदा करेगी, बल्कि किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता को गंभीर खतरे में डाल देगी। इस खतरे की गंभीरता को समझने के लिए हमें इतिहास और हालिया घटनाओं की ओर देखना होगा। वर्ष 2024 में लाल सागर में हुई घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। वहां समुद्र के नीचे बिछी चार प्रमुख केबल्स को नुकसान पहुंचा, जिसका सीधा असर वैश्विक इंटरनेट कनेक्टिविटी और स्पीड पर पड़ा। उस समय इंटरनेट सेवाओं को पूरी तरह सामान्य करने में लगभग अस्सी दिन का समय लगा। यह घटना इस बात का जीवंत प्रमाण है कि समुद्र के नीचे स्थित ये ढांचे कितने असुरक्षित हैं। भले ही ये केबल्स स्टील की परतों और प्लास्टिक के आवरण से सुरक्षित की जाती हैं, लेकिन समुद्र की विशालता और वहां तक पहुंचने की मानवीय सीमाओं के कारण इनकी निगरानी करना लगभग असंभव है। केवल मानवीय हमले ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक आपदाएं जैसे समुद्री भूकंप, सुनामी या जहाज के लंगर के टकराने से भी ये केबल्स अक्सर क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन जब कोई क्षति युद्ध के दौरान जानबूझकर, किसी रणनीतिक लाभ के लिए पहुंचाई जाती है, तो वह पूरे विश्व के लिए एक सुरक्षा संकट बन जाती है। अंडर-सी केबल्स की मरम्मत करना अपने आप में एक अत्यंत कठिन, खर्चीला और समय लेने वाला कार्य है। ये केबल्स समुद्र के तल में हजारों मीटर की गहराई पर स्थित होती हैं, जहां दबाव इतना अधिक होता है कि कोई भी सामान्य गोताखोर वहां तक नहीं पहुंच सकता। जब कोई केबल खराब होती है, तो उसे ठीक करने के लिए विशेष केबल-रिपेयर जहाजों की आवश्यकता होती है, जिनकी संख्या दुनिया भर में बहुत सीमित है। इन जहाजों को पहले खराबी के सटीक स्थान का पता लगाना होता है, जो कि मीलों लंबी केबल में सुई खोजने जैसा कठिन कार्य है। एक बार स्थान मिल जाने के बाद, रोबोटिक उपकरणों या विशेष हुक के जरिए केबल को समुद्र की सतह पर लाया जाता है। वहां तकनीशियन फाइबर के उन सूक्ष्म रेशों को जोड़ते हैं, जो बाल से भी पतले होते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में हफ्तों या कभी-कभी महीनों लग जाते हैं। यदि यह क्षेत्र किसी युद्धग्रस्त समुद्री सीमा में आता है, तो मरम्मत का कार्य लगभग नामुमकिन हो जाता है। यही कारण है कि यदि किसी बड़े पैमाने पर ऐसा हमला किसी युद्ध के दौरान हो, तो दुनिया का एक बड़ा हिस्सा लंबे समय के लिए डिजिटल अंधेरे में चला जाएगा। इस भौतिक नुकसान के साथ-साथ, युद्ध का एक और बहुत खतरनाक पहलू है जो सीधे इंटरनेट को निशाना बनाता है, जिसे हम 'साइबर वॉरफेयर' कहते हैं। आधुनिक युद्धों में साइबर हमले पारंपरिक हथियारों के साथ-साथ उतनी ही ताकत से इस्तेमाल होते हैं। इसमें डीडॉस अटैक, मैलवेयर, रैंसमवेयर और डेटा चोरी के जरिए इंटरनेट, नेटवर्क और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को अंदर से तबाह किया जाता है। हाल के वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध में हजारों साइबर हमले हुए, जिसमें मैलवेयर का इस्तेमाल करके बिजली ग्रिड, बैंकिंग प्रणाली और संचार नेटवर्क को ध्वस्त करने की कोशिश की गई। इसी तरह, मध्य पूर्व और एशिया में हालिया भू-राजनीतिक तनावों के दौरान लाखों साइबर अटैक दर्ज किए गए, जिनका लक्ष्य रेलवे, बैंकिंग और सरकारी साइट्स को ठप करना था। जब किसी देश का इंटरनेट कनेक्टिविटी चार प्रतिशत तक गिर जाता है, तो उसका असर आम नागरिकों से लेकर सेना तक पर पड़ता है। यह एक ऐसा हथियार है जिसे चलाने के लिए किसी सीमा पर सैनिकों को तैनात करने की जरूरत नहीं होती; एक कुशल हैकर कमरे में बैठकर भी किसी देश की अर्थव्यवस्था को पैरालाइज कर सकता है। आजकल 'डेटा संप्रभुता' और 'डिजिटल राष्ट्रवाद' की बातें खूब होती हैं, लेकिन जब तक हमारे डेटा का भौतिक और आभासी मार्ग असुरक्षित है, ये बातें अधूरी ही रहेंगी। दुनिया के अधिकांश अंडर-सी केबल्स का स्वामित्व कुछ बड़ी टेक कंपनियों या फिर अंतरराष्ट्रीय टेलीकॉम कंसोर्टियम के पास है। यह निजी स्वामित्व सुरक्षा की एक और परत को जटिल बना देता है, क्योंकि इन निजी कंपनियों के पास किसी राष्ट्र-राज्य द्वारा समर्थित सैन्य हमले से इन केबल्स की रक्षा करने की क्षमता नहीं है। वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति ऐसी है कि बड़ी शक्तियां अपनी समुद्री क्षमताओं को बढ़ा रही हैं ताकि वे समुद्र के नीचे की गतिविधियों पर नजर रख सकें। ऐसी पनडुब्बियों का विकास किया जा रहा है जो केबल्स से डेटा को चोरी-छिपे टैप कर सकें या उन्हें नुकसान पहुंचा सकें। वैश्विक तनाव बढ़ने के साथ-साथ यह डर भी सच हो रहा है कि कोई भी बड़ी शक्ति इन केबल्स को ब्लैकमेल के हथियार के रूप में उपयोग कर सकती है। यदि कोई देश यह धमकी देता है कि वह किसी विशेष क्षेत्र की इंटरनेट केबल्स को काट देगा, तो वह बिना एक भी गोली चलाए उस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को तबाह कर सकता है। इस खतरे से निपटने के लिए दुनिया भर में वैकल्पिक रास्तों पर विचार किया जा रहा है। सैटेलाइट इंटरनेट, जैसे कि स्टारलिंक या अन्य प्रोजेक्ट, एक उम्मीद की किरण के रूप में देखे जा रहे हैं। ये उपग्रह सीधे अंतरिक्ष से डेटा प्रदान करते हैं, जिससे समुद्री केबल्स की आवश्यकता कम हो सकती है। लेकिन फिलहाल, इनकी क्षमता और लागत फाइबर केबल्स के मुकाबले बहुत कम और महंगी है। उपग्रह इंटरनेट अभी नब्बे प्रतिशत वैश्विक ट्रैफिक का बोझ उठाने के लिए तैयार नहीं है। इसके अलावा, अंतरिक्ष में मौजूद इन उपग्रहों को भी नष्ट किया जा सकता है।

प्रकृति से खिलवाड़ यानि आपदाओं को आमंत्रण

बाल मुकुन्द ओझा

प्रकृति व पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। प्राकृतिक संपदाओं के महत्व को समझना, उनका किफायती उपयोग करना, उनके संरक्षण को प्राथमिकता देना हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। जल, जंगल और जमीन प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जिनके बगैर हमारी प्रकृति अधूरी है। प्रकृति के इन तीनों तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका सन्तुलन डगमगाने लगा है। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ कर रहे हैं, यह उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हम प्रकृति की चिंता नहीं करते और यही वजह है कि प्रकृति ने भी अब हमारी चिंता छोड़ दी है। हमनें बिना सोचे समझे संसाधनों का दोहन किया है।

यही वजह है कि अब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया है और बाढ़, सूखा, सुनामी जैसी आपदाएं आ रही हैं। बरसों से पर्यावरण को हम इंसानों ने बहुत नुकसान पहुंचाया है। प्रकृति से साथ इंसान का लगातार खिलवाड़ एक भयानक विनाश को आमंत्रण दे रहा है, जहां किसी को बचने की जगह नहीं मिलेगी। मनुष्य का प्रकृति से अटूट सम्बंध है। प्रकृति की रक्षा, उसके संरक्षण और विलुप्ति की कगार पर पहुंच रहे जीव-जंतु तथा वनस्पति की रक्षा का संकल्प प्रत्येक मानव का है। प्रकृति का संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से सबंधित है। इनमें मुख्यतः पानी, धूप, वातावरण, खनिज, भूमि, वनस्पति और जानवर शामिल हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड़-पौधे प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है। इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं। सचमुच प्रकृति, पर्यावरण और आयुर्वेद का अद्भुत संगम है। मानव जीवन के लिए तीनों कारकों के एकाकार होने की आज के समय महती जरूरत है। इससे प्रकृति को जहाँ साफ सुथरा रखा जा सकता है वहां पर्यावरण भी हमारे अनुकूल होगा जिससे आयुर्वेद को भी संरक्षितरखा जा सकेगा। जो मनुष्य प्रकृति के जितना अधिक अनुकूल है। स्वास्थ्य की दृष्टि से वह व्यक्ति उतना ही अधिक निरापद एवं व्याधियों के आक्रमण से दूर होगा। मनुष्य का आहार-विहार हो या रहन-सहन, वह सर्वथा प्रकृति सापेक्ष होता है। पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए काफी धन व्यय किया जा रहा है। फिर भी आशानुकूल सफलता नहीं मिल रही है। वनौषधि गारंटी है। समुचित संरक्षण के अभाव में विभिन्न वनौषधियों का धीरे-धीरे लोप होता जा रहा है और हम जाने-अनजाने में अपनी बहुमूल्य संपदा को खोते जा रहे हैं। इससे सर्वाधिक हानि आयुर्वेद की हुई है। भारतीय संस्कृति प्रकृति और पर्यावरण का बहुत आदर करती है और आयुर्वेद की तरफ रुझान इसका सबूत है। आयुर्वेद को समग्र मानव विज्ञान कहा जा सकता है। 'पेड़ों से लेकर प्लेट तक, शारीरिक बल से मानसिक स्थिति तक आयुर्वेद का गहरा प्रभाव होता है। आयुर्वेद प्राकृतिक एवं समग्र स्वास्थ्य की पुरातन भारतीय पद्धति है। यदि हमें प्रकृति को बचाना है तो पर्यावरण संरक्षण पर जोर देना होगा। औषधीय पेड़-पौधे लगाने होंगे। जिससे पर्यावरण दूषित होने से तो बचेगा ही, साथ ही आयुर्वेद का प्रसार भी होगा। प्रकृति का संरक्षण हमारे सुनहरे भविष्य का आधार है। मनुष्य जन्म से ही प्रकृति और पर्यावरण के सम्पर्क में आ जाता है। प्राणी जीवन की रक्षा हेतु प्रकृति की रक्षा अति आवश्यक है। वर्तमान समय में विभिन्न प्रजाति के जीव जंतु, वनस्पतियां और पेड़-पौधे विलुप्त हो रहे हैं जो प्रकृति के संतुलन के लिए बहुत ही भयावह है। मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समय समय पर प्रकृति का दोहन करता चला आ रहा है।

नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता भारत सुरक्षा विकास और विश्वास की नई विजयगाथा

कांतिलाल मांडोत

भारत ने लंबे समय तक जिस आंतरिक चुनौती का सामना किया वह नक्सलवाद के रूप में देश के अनेक हिस्सों में फैली रही। यह समस्या केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं थी बल्कि इसने सामाजिक आर्थिक और मानवीय जीवन को भी गहराई से प्रभावित किया। दशकों तक आदिवासी क्षेत्रों में भय असुरक्षा और पिछड़ापन बना रहा। गांवों में विकास की रफ्तार थम गई और लोगों का भरोसा व्यवस्था से डगमगाने लगा। आज जब देश नक्सलवाद के अंत की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है तब यह आवश्यक हो जाता है कि इस परिवर्तन के पीछे की नीति संकल्प और प्रयासों को समझा जाए। गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी वहां आज स्कूल खुल रहे हैं सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है। नक्सलवाद की जड़ें अक्सर गरीबी और पिछड़ेपन से जोड़कर देखी जाती रही हैं। लेकिन वास्तविकता इससे अधिक जटिल रही है। कई ऐसे क्षेत्र भी थे जहां आर्थिक स्थिति कमजोर थी फिर भी वहां नक्सलवाद नहीं पनपा। इसका अर्थ यह है कि नक्सलवाद केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि एक वैचारिक और रणनीतिक चुनौती भी था। वामपंथी उग्रवाद ने आदिवासी समाज को अपने प्रभाव में लेकर उन्हें मुख्यधारा से दूर करने का प्रयास किया। स्कूलों को जलाना विकास कार्यों को रोकना और भय का वातावरण बनाना इस रणनीति का हिस्सा रहा। गृह मंत्रालय ने इस सच्चाई को समझते हुए अपनी नीति तैयार की। सुरक्षा बलों को आधुनिक संसाधनों से लैस किया गया। खुफिया तंत्र को मजबूत बनाया गया और स्थानीय पुलिस को सशक्त किया गया। इसके साथ ही आत्मसमर्पण की नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया गया जिससे बड़ी संख्या में नक्सली मुख्यधारा में लौटे। यह केवल सैन्य सफलता नहीं बल्कि सामाजिक पुनर्वास का भी उदाहरण है। बस्तर जैसे क्षेत्रों में जो परिवर्तन देखने को मिला वह इस नीति की सफलता का प्रमाण है। जहां कभी प्रशासन की पहुंच सीमित थी वहां आज सरकारी योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हो रही हैं। राशन की दुकानों से लेकर स्वास्थ्य केंद्र तक लोगों को सुविधाएं मिल रही हैं। आधार और राशन कार्ड के माध्यम से लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। इससे लोगों का विश्वास बढ़ा है और वे हिंसा से दूर होकर विकास की राह पर चलने लगे हैं। इसके विपरीत यदि पिछले दशकों की स्थिति पर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि लंबे समय तक इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना रहा। सड़कें नहीं बनीं स्कूल नहीं खुले और स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंचीं। इस शून्य का लाभ उठाकर उग्रवादी संगठनों ने अपनी पकड़ मजबूत की। लोगों को यह विश्वास दिलाया गया कि व्यवस्था उनके खिलाफ है और हथियार उठाना ही एकमात्र रास्ता है। यह भी देखा गया कि उस समय नक्सलवाद के खिलाफ स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव था। कई बार राजनीतिक इच्छाशक्ति कमजोर दिखाई दी और समस्या को टालने का प्रयास किया गया। इससे नक्सलवाद का विस्तार हुआ और वह कई राज्यों तक फैल गया।

देश के एक बड़े भूभाग में इसका प्रभाव देखा गया जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न हुआ। वर्तमान समय में स्थिति बदल चुकी है। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट संदेश दिया है कि हिंसा का रास्ता अपनाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि जो लोग भटक गए हैं उन्हें वापस लाने का अवसर मिले। इस संतुलित दृष्टिकोण ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं।

दिन में बिजली से चमकेगी खेती: दौसा-करौली भी जुड़े, 24 जिलों के किसानों को बड़ी राहत

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान में किसानों के लिए राहत भरी खबर है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए प्रदेश के दायरे को और बढ़ा दिया है, जिसके तहत अब दौसा और करौली जिले के किसानों को भी दिन के समय बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इस फैसले के साथ ही प्रदेश के कुल 24 जिलों में कृषि उपभोक्ताओं को दिन के दो ब्लॉक में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा सोमवार रात अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर की। यह निर्णय राज्य सरकार के उस व्यापक संकल्प का हिस्सा है, जिसके तहत वर्ष 2027 तक प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। चरणबद्ध योजना से बढ़ता दायरा राज्य सरकार ने वर्ष 2024-25 के परिवर्तित बजट में इस योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का रोडमैप तैयार किया है। फिलहाल 22 जिलों में यह व्यवस्था पहले से लागू है और अब दौसा एवं करौली के जुड़ने से यह संख्या बढ़कर 24 हो जाएगी। इससे हजारों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इन जिलों में पहले से मिल रही सुविधा जयपुर डिस्कॉम के तहत धौलपुर, बूंदी, कोटा, झालावाड़, जयपुर, डीग और भरतपुर जिलों में किसानों को दिन के समय दो ब्लॉक में बिजली दी जा रही है। वहीं अजमेर डिस्कॉम के अंतर्गत अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, डीडवाना-कुचामन, उदयपुर, सलूम्बर, राजसमंद, बांसवाड़ा, झुंझुनूं, सीकर, चित्तौड़गढ़ और डूंगरपुर जिले शामिल हैं। इसके अलावा जोधपुर डिस्कॉम के जालौर, सिरोही और पाली जिलों में भी यह सुविधा लागू है। दौसा-करौली में मजबूत हुआ बिजली तंत्र दौसा और करौली में दिन के समय बिजली आपूर्ति संभव बनाने के लिए विद्युत ढांचे को सुदृढ़ किया गया है। दौसा जिले में 33 केवी के 18 और करौली में 6 नए ग्रिड सब स्टेशन स्थापित किए गए हैं। साथ ही दौसा में 47 और करौली में 15 सब स्टेशनों पर ट्रांसफार्मर क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। इसके अलावा पीएम कुसुम योजना के तहत दोनों जिलों में कुल 32 मेगावाट क्षमता के 17 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जो इस व्यवस्था को मजबूती प्रदान करेंगे। 87 हजार से अधिक किसानों को सीधा लाभ इस पहल से दौसा के 52,460 और करौली के 35,341 यानी कुल 87,801 कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली मिल सकेगी। इससे किसानों को रात में सिंचाई करने की मजबूरी से राहत मिलेगी। सुरक्षा और जीवन गुणवत्ता में सुधार दिन में बिजली मिलने से किसानों को रात के समय खेतों में जाने की जरूरत नहीं होगी, जिससे जंगली जानवरों के खतरे में कमी आएगी। साथ ही वे अपने परिवार के साथ अधिक समय बिता सकेंगे, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। राज्य सरकार का यह कदम न केवल कृषि कार्यों को आसान बनाएगा, बल्कि किसानों की सुरक्षा, सुविधा और उत्पादन क्षमता को भी नई दिशा देगा।

मुस्तहिक सेवा सोसायटी का 10वां निःशुल्क इज्तिमाई शादी सम्मेलन, 10 अप्रैल तक रजिस्ट्रेशन

भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। मुस्तहिक सेवा सोसायटी द्वारा जरूरतमंद परिवारों के लिए 10वां नि:शुल्क इज्तिमाई शादी सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। समाजसेवी हाजी इकबाल रंगरेज ने बताया कि यह सम्मेलन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत और उम्मीद का माध्यम बन रहा है। उन्होंने बताया कि इस सामूहिक विवाह समारोह का उद्देश्य आर्थिक तंगी के कारण बच्चों का निकाह करने में असमर्थ माता-पिता के सपनों को साकार करना है। सम्मेलन में इस्लामी उसूलों व सादगी के साथ नवदंपत्तियों को नया जीवन शुरू करने का अवसर मिलेगा। सोसायटी ने जरूरतमंद परिवारों से समय रहते रजिस्ट्रेशन करवाने की अपील की है। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 10 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। इसके लिए 6 पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, स्कूल बोर्ड मार्कशीट आवश्यक है। साथ ही दूल्हे की आयु 21 वर्ष एवं दुल्हन की आयु 18 वर्ष अनिवार्य रखी गई है।

प्रबोधक रामलाल जाट सेवानिवृत

अराई (हुक्मनामा समाचार)। प्रबोधक रामलाल जाट ने 35 वर्ष की गौरवशाली राजकीय सेवा पूर्ण कर 31 मार्च को सेवानिवृत्ति प्राप्त की। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में सम्मानित विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय स्टाफ एवं ग्रामीणों ने उन्हें साफा व माला पहनाकर भावभीनी विदाई दी। समारोह के दौरान भावुक माहौल में वक्ताओं ने रामलाल जाट के कर्तव्यनिष्ठ, सरल एवं सहयोगी स्वभाव की सराहना करते हुए उनके योगदान को याद किया। उपस्थित शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने अपने सेवाकाल में सदैव विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित भाव से कार्य किया। अपने संबोधन में रामलाल जाट ने कहा कि राजकीय सेवा के दौरान उन्होंने हमेशा दूसरों की सहायता करने तथा अधिकारियों द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों की समय पर पालना को प्राथमिकता दी। यही कारण रहा कि उन्हें पूरे सेवाकाल में किसी प्रकार का कोई नोटिस प्राप्त नहीं हुआ। अंत में उन्होंने अपनी सफल सेवा अवधि के लिए अधिकारियों एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन शुभकामनाओं एवं सम्मान के साथ हुआ।

19 अप्रैल को निकलेगी भव्य शोभायात्रा, 2-4 अप्रैल तक क्रिकेट प्रतियोगिता

मदनगंज-किशनगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। शहर में भगवान परशुराम प्राकट्य महोत्सव को लेकर तैयारियां जोर पकड़ चुकी हैं। परशुराम प्राकट्य महोत्सव समिति के तत्वावधान में 19 अप्रैल को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, वहीं जय परशुराम सेना द्वारा 2 से 4 अप्रैल तक तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जय परशुराम सेना के संयोजक एडवोकेट रूपेश शर्मा ने बताया कि श्री निंबार्कपीठ कांचारिया के पीठाधीश्वर जय कृष्ण देवाचार्य की सानिध्यता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से शोभायात्रा का संयोजक वेदप्रकाश दाधीच को नियुक्त किया गया। साथ ही मनीष कौशिक एवं राधेश्याम शर्मा को सह संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई। शोभायात्रा को सफल बनाने के लिए जल्द ही विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां तय की जाएंगी। इधर, जय परशुराम सेना के संयोजक रूपेश शर्मा, अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, सह संयोजक सूर्य प्रकाश शर्मा व ऋषि शर्मा के नेतृत्व में इंद्रा कॉलोनी स्थित स्टेडियम में क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रतियोगिता में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें परशुराम योद्धा टीम, श्री हरित रॉयल्स मदनगंज, कूल रॉयल्स, ब्राह्मण विनर्स, परशुराम वॉरियर्स, मथुराधीश क्लब, ब्रह्मास्त्र टीम एवं राधे स्टॉर्मी इलेवन शामिल हैं। आयोजन को लेकर समाज में उत्साह का माहौल है और दोनों आयोजनों को सफल बनाने के लिए तैयारियां तेजी से की जा रही हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में डीडवाना का स्वर्णिम आगाज: 12वीं विज्ञान वर्ग में प्रदेश में प्रथम, बेटियों ने गाड़े सफलता के झंडे

डीडवाना-कुचामन (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित 12वीं के परीक्षा परिणामों ने डीडवाना जिले को प्रदेश के शिक्षा मानचित्र पर सिरमौर बना दिया है। जिले ने न केवल विज्ञान वर्ग में समूचे राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, बल्कि कला वर्ग में भी प्रदेश के टॉप-3 जिलों में जगह बनाई है। इस ऐतिहासिक सफलता का मुख्य आकर्षण जिले की बेटियां रही हैं, जिन्होंने मेरिट में अपना दबदबा कायम किया है। **प्रतिभाओं का सम्मान: कृष्णा और प्रीति ने किया जिला टॉप** जिले के परीक्षा परिणामों में बेटियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे किसी से कम नहीं हैं। कृष्णा राकावत (पुत्री धनाराम राकावत) और प्रीति सोनी (पुत्री चंद्र प्रकाश सोनी) ने 98.80% अंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। जैसे ही परिणाम घोषित हुए, इन छात्राओं के घरों पर जश्न का माहौल हो गया। परिजनों और शुभचिंतकों ने मिठाई खिलाकर और पारंपरिक माल साफा पहनाकर बेटियों का अभिनंदन किया। अभिभावकों का कहना है कि यह उनकी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का ही परिणाम है। **आंकड़ों की जुबानी: विज्ञान में डीडवाना बना राजस्थान का 'सिरमौर'** इस वर्ष डीडवाना जिले का प्रदर्शन चौंकाने वाला रहा है। विशेष रूप से विज्ञान वर्ग में जिले ने रिकॉर्ड तोड़ सफलता हासिल की है विज्ञान वर्ग : जिले में 8604 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 8560 परीक्षा में बैठे। इनमें से 8511 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जिससे जिले का कुल पास प्रतिशत 99.43% रहा। इस आंकड़े के साथ डीडवाना विज्ञान वर्ग में पूरे राजस्थान में पहले स्थान पर रहा।

कर्नल किरोड़ीसिंह बैंसला की चतुर्थ पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया याद

डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। स्थानीय देवनारायण मंदिर परिसर में सामाजिक क्रांति के अग्रदूत और गुर्जर समाज के आराध्य देवतुल्य कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की चतुर्थ पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर गुर्जर समाज के प्रबुद्धजनों और युवाओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी ।पुष्पांजलि कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कर्नल बैंसला के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें एक 'युगपुरुष' बताया। उपस्थित जनों ने कहा कि कर्नल साहब ने न केवल सीमा पर देश की रक्षा की, बल्कि सेवानिवृत्ति के बाद समाज को आरक्षण और शिक्षा के प्रति जागरूक कर एक नई दिशा प्रदान की ।वक्ताओं ने कर्नल बैंसला के उस सपने को दोहराया जिसमें उन्होंने समाज के हर बच्चे के हाथ में 'कलम' देखने की इच्छा जताई थी ।मंदिर परिसर में उपस्थित समाज के लोगों ने एकजुट रहकर सामाजिक बुराइयों को मिटाने का संकल्प लिया।

किशनगढ़ में शाम को काले बादल छाए, किसानों की बढ़ी चिंता

मदनगंज-किशनगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। मंगलवार शाम शहर में मौसम ने अचानक करवट ले ली। करीब शाम 5 बजे तेज हवाओं के साथ आसमान में घने काले बादल छा गए और कुछ ही देर में बारिश शुरू हो गई। देखते ही देखते चने के आकार के ओले गिरने लगे, जिससे आमजन के साथ किसानों में भी चिंता बढ़ गई। अचानक हुए इस बदलाव से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं ओलावृष्टि ने खेतों में खड़ी फसलों पर खतरा पैदा कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के बीच नुकसान की आशंका को लेकर चिंता का माहौल बन गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार यह परिवर्तन पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण हुआ है। इसके प्रभाव से आने वाले दिनों में भी मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रह सकता है। तेज हवाएं, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना अभी भी बनी हुई है।

एसडीएम विकास मोहन भाटी को मिली दोहरी जिम्मेदारी, अब एडीएम और रसद विभाग की कमान भी संभालेंगे

डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने डीडवाना उपखंड अधिकारी विकास मोहन भाटी की कार्यकुशलता पर भरोसा जताते हुए उन्हें दो महत्वपूर्ण पदों का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। एसडीएम भाटी अब अपने मूल पद के साथ-साथ अतिरिक्त जिला कलेक्टर और जिला रसद अधिकारी की जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करेंगे ।प्राप्त जानकारी के अनुसार, डीडवाना में कार्यरत अतिरिक्त जिला कलेक्टर के पदमुक्त होने के बाद यह पद रिक्त हो गया था, जिसे देखते हुए विकास मोहन भाटी को एडीएम का चार्ज दिया गया है। अब उपखंड के साथ-साथ जिले के महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यों की कमान भी उनके पास रहेगी। वहीं, रसद विभाग के डीएसओ के छुट्टी पर जाने के कारण विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी उन्हें सौंपा गया है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद एसडीएम विकास मोहन भाटी ने कहा कि उनकी प्राथमिकता आमजन से जुड़े कार्यों को गति देना है। विशेष रूप से रसद विभाग को लेकर उन्होंने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि जिले में रसोई गैस की उपलब्धता पर उनकी पैनी नजर रहेगी। उपभोक्ताओं को किसी भी स्तर पर गैस की कमी महसूस नहीं होने दी जाएगी। गैस की 'ब्लैक मार्केटिंग' को रोकने के लिए विभाग को विशेष निर्देश दिए गए हैं। आपूर्ति व्यवस्था की निरंतर मॉनिटरिंग की जाएगी। एडीएम के रूप में प्रशासनिक कार्यों और जन समस्याओं के निस्तारण में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव

निम्बाहेड़ा (हुक्मनामा समाचार)। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्या.ाक महोत्सव चौत्र सुदी 13, मंगलवार को उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सकल जैन समाज द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महावीर जन्मकल्या.ाक समिति के संयोजक सुरेंद्र डूंगरवाल ने बताया कि मंगलवार को प्रात: 6-30 बजे शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से प्रभात फेरी निकाली गई, ततपश्चात प्रात: 9 बजे जैन मंदिर से चल समारोह प्रारंभ हुआ, चल समारोह में पुरूष सफेद ,महिलाएं केसरिया वस्त्र में सम्मिलित हुए जहां जुलूस के दौश्रान भगवान महावीर स्वामी के जयकारो औश्र जेन् समाज के पारंपरिक भजनों की मधुर धुनों से वातावरण भक्तिमय हो गया। युवक -युवतियां औश्र बच्चे भजनों पर उत्साहपूर्वक नृत्य करते हुए नजर आए जिससे पूरे मार्ग पर उत्सव जैसा माहौल बना रहा। जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए आदर्श कॉलोनी स्थित राजेन्द्र सूरी ज्ञान मंदिर पहुंचा, जहां सकल जैन श्रीसंघ, निम्बाहेड़ा की आज्ञा से महोत्सव के लाभार्थी परिवार मनीष जारोली वं जारोली परिवार का सकल संघ द्वारा बहुमान किया गया। इस दौरान नगर में निकले चल समारोह का विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा स्वागत के साथ विभिन्न व्यवस्थाए की गई। समिति संयोजक डूंगरवाल ने बताया कि जैन सोश्यल ग्रुप (मेन), निम्बाहेड़ा द्वारा राजेन्द्र सूरी ज्ञान मंदिर पर प्रात: 10-30 बजे से रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। समाजजनों ने रक्तदाताओं को उपरना ओढाकर ,वं प्रशस्ति पत्र भेंट कर उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान स्वामी वात्सल्य का आयोजन हुआ।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव

डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। स्थानीय जैन भवन में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के तत्वावधान में भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम शासन आचार्य महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि सुधांशु कुमार एवं मुनि गौरव कुमार के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर स्वामी के जाप एवं विशेष आराधना के साथ हुआ। सभा को संबोधित करते हुए मुनि सुधांशु कुमार ने भगवान महावीर के जन्म से लेकर केवल ज्ञान प्राप्ति और उनके 24 वें तीर्थंकर बनने तक के प्रेरणादायी जीवन वृत्तांत पर प्रकाश डाला। उन्होंने आह्वान किया कि महावीर के उपदेश केवल सुनने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में समाहित करने के लिए हैं। मुनि गौरव कुमार ने भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित पंच महाव्रतों—सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य की व्याख्या की। उन्होंने 'अनेकान्तवाद' के सिद्धांत को सरल उदाहरण से समझाते हुए कहा कि, 'आधा भरा और आधा खाली गिलास दोनों ही अपनी जगह सही हैं। हमें सत्य के हर पहलू को समझना चाहिए और दूसरों के विचारों का सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर तेरापंथी महिला मण्डल की सदस्यों ने सुमधुर गीतिका के माध्यम से अपनी भावांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में समाज के प्रबुद्ध जनों—प्रदीप मोहनोत, नगेन्द्र सिंह मोहनोत, श्रेयांस संचेती और प्रिंस मोहनोत ने भी भगवान महावीर के प्रति अपने विचार व्यक्त किए। सभा के अध्यक्ष सुरेश चोपड़ा ने बताया कि इस महोत्सव में केवल जैन धर्मावलंबी ही नहीं, बल्कि अन्य धर्मों को मानने वाले प्रबुद्ध नागरिकों ने भी बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई, जो कि सामाजिक समरसता की एक अनूठी मिसाल रही।

भीषण गर्मी में जीव दया अभियान के तहत 100 पानी की टंकियां व परिंडे वितरित

भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। भीषण गर्मी में पशु-पक्षियों एवं गौवंश की प्यास बुझाने के उद्देश्य से काशीपुरी स्थित शीतल स्वाध्याय भवन में 'जीव दया अभियान' के तहत सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवियों व नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अभियान के अंतर्गत 100 सीमेंट की पानी की टंकियां, गौ-पात्र तथा पक्षियों के लिए परिंडे व घोंसलों का नि:शुल्क वितरण किया गया, जिससे शहर व आसपास के क्षेत्रों में पशु-पक्षियों को राहत मिलेगी। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद सीए सुभाष चंद्र बहेडिया ने कहा कि जीवों की सेवा सबसे बड़ा धर्म है और ऐसे अभियान समाज में करुणा व संवेदनशीलता बढ़ाते हैं। कार्यक्रम में गोवर्धन सिंह कावड़िया, एडवोकेट आजाद शर्मा, अनिल डांगी, मनीष बंब व सीए महावीर गांधी सहित कई वक्ताओं ने जीव दया के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन ललित मधु लोढ़ा ने किया तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सम्राट स्कूल में 12वीं के उत्कृष्ट परिणाम वाली प्रतिभाओं का किया सम्मान

मकराना (हुक्मनामा समाचार)। शहर के माताभर रोड़ स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय निदेशक महेंद्र विक्रम सिंह राठौड़ ने बताया कि कक्षा 12वीं विज्ञान संकाय में छात्रा समीक्षा चौहान ने 97.20 प्रतिशत तथा 12वीं कला संकाय में छात्र अजय सिंह ने 96.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने अपने संकाय में विद्यालय टॉप किया। प्रधानाचार्या किस्मत राठौड़ ने प्रतिभाओं को गुलाल लगा कर माला पहनाकर मुंह मीठा करवाया। विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों का शाला प्रशासन ने स्वागत किया। अंग्रेजी माध्यम के प्रधानाचार्य कृष्णा दाधीच ने बताया कि कक्षा 12वीं विज्ञान वर्ग में छात्रा सिमरन ने 97 प्रतिशत, सुनील गीला ने 95.40, प्रिया कंवर ने 94.80, सानिया बानो ने 94, तनवीर फातमा ने 93.80, नमीरा ने 92.40, नौशीन बानो ने 91.20, तन्नजा ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए । इसी प्रकार 12वीं कला संकाय में देवीलाल ने 95.80, बबली ने 94.60, अमृता ने 93.40, ट्विंकल ने 93.20, असफा ने 92, आलिया ने 91.20, निशा ने 90.60 तथा अलिना फलक ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस अवसर पर अभिभावक अब्दुल वहीद गैसावत, बंशीलाल, अनवर अहमद, भंवरसिंह, जावेद, तंवरसिंह, जोगेंद्र, मोहम्मद शाहिद, हाशिम अली, यूसुफ, सरफराज विद्यालय समन्वयक गोपाल वर्मा, पौरुष राजसिंह राठौड़, सुबोध कुदेशिया, प्रकाश चौधरी, इस्लामुद्दीन टाक, मोहम्मद शाकिर, जितेंद्र कुमार, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद असगर, अशोक सैनी, राजूराम ढाका, संदीप चौधरी, मुकेश सिंह, मोहम्मद आसिफ चौधरी, शब्बीर अहमद, आकिल, पवन वर्मा, केसाराम, धीरज काबरा, शोभा वर्मा, सुनीता, मनीषा चौधरी, अंतिमा वर्मा, रिजवाना शेख, रेखा देवी, विकेश राठौड़, सीमा वैष्णव, निशा चौहान, कोमल, योति, कशिश, कनिष्का, राजेश्वरी परेवा, सरस्वती जैन सहित अन्य अध्यापक अध्यापिकाओं ने शुभकामनाएं दी।

बोराखेड़ी चौराहे पर राहगीरों के लिए जल मंदिर का विधायक कृपलानी ने किया लोकार्पण

निंबाहेड़ा (हुक्मनामा समाचार)। समीपवर्ती बोराखेड़ी चौराहा स्थित बालाजी मंदिर परिसर में जल सेवा के उद्देश्य से गोपाल दास, कुशल दास, संदीप एवं उत्सव वैष्णव परिवार के द्वारा समाजहित में निर्मित जल मंदिर का शुभ उद्घाटन मंगलवार, 31 मार्च 2026 को श्रद्धा और उत्साह के साथ पूर्व यूडीएच मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी के करकमलों से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में पूर्व विधायक अशोक नवलखा, निवर्तमान जिला प्रमुख गब्बर सिंह अहीर, पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष नितिन चतुर्वेदी, नगर अध्यक्ष कपिल चौधरी, राजपूत महासभा के नारायण सिंह बडौली, नगर महामंत्री देवकरण समदानी, कमलेश बनवार, भाजपा जिला प्रवक्ता मानवेंद्र सिंह चौहान, नगर उपाध्यक्ष महिपाल सिंह राणावत, कुलदीप सिंह राठौड़, पूर्व जिला उपाध्यक्ष रत्नेश छाजेड आदि सहित बोराखेड़ी क्षेत्र के सत्यप्रकाश मेनारिया, नंदकिशोर मेनारिया, कमलेश शर्मा, रामलाल मेनारिया, बी.के. वैष्णव सहित जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, श्रद्धालुओं एवं समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीचंद कृपलानी (माननीय विधायक एवं पूर्व स्वायत्त शासन मंत्री, राजस्थान सरकार) ने विधिवत पूजा-अर्चना कर जल मंदिर का लोकार्पण किया।

महावीर जन्म कल्याणक की पूर्व संध्या पर भव्य जैन युवा प्रतिभा सम्मान समारोह

62 प्रतिभाओं एवं 53 वर्षीतप आराधकों का हुआ सम्मान

निम्बाहेड़ा,(हुक्मनामा समाचार)। निम्बाहेड़ा में जैन जागृति सेंटर (जेजेसी) द्वारा भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव-2026 की पूर्व संध्या पर जैन युवा प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन श्री राजेन्द्र सूरी ज्ञान मन्दिर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता एवं प्रतिभा सम्मान का अनुपम संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व यूडीएच मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी का स्वागत संस्था अध्यक्ष अशोक नवलखा द्वारा किया गया। समारोह की अध्यक्षता जैन जागृति सेंटर के अध्यक्ष अशोक नवलखा ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति के संयोजक सुरेंद्रकुमार डुंगरवार सहित विभिन्न संघों के अध्यक्ष एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। समारोह के अंतर्गत जैन जागृति सेंटर द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के तहत 62 प्रतिभावान जैन छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया, जिन्होंने शिक्षा, संस्कृति एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। साथ ही 53 वर्षीतप जैसी कठिन तपस्या पूर्ण करने वाले आराधकों का भी भावभीना बहुमान किया गया। इस आयोजन के लाभार्थी परिवारों में हरिसिंह, अतुल, आशीष बोडाना परिवार, मनीष जारोली परिवार, विमलाबेन सिरोहिया एवं ऊषा सिसोदिया परिवार प्रमुख रहे। कार्यक्रम में 'महिला चौबीसी' गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुति ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। महिला चौबीसी के दौरान जारोली एवं बोडाना परिवार द्वारा प्रभावना का वितरण किया गया।

47 किलोग्राम से अधिक अवैध अफीम डोडा चूरा जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

निम्बाहेडा। कोतवाली निंबाहेड़ा थाना पुलिस द्वारा आपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए 47 किलो 813 ग्राम अवैध अफीम डोडा चुरा जब्त कर एक आरोपी गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज उदयपुर श्री गौरव श्रीवास्तव के निर्देश पर नशे के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत मादक पदार्थों के भंडारण एवं परिवहनकर्ताओं के विरूद्ध अधिकाधिक कार्यवाही करने हेतु एएसपी चितौडगढ़ सरिता सिंह के निर्देशन तथा वृताधिकारी निंबाहेड़ा बद्रीलाल के निर्देशन एंव थानाधिकारी राम सुमेर मीणा के निकटतम सुपर विजन में मुकेश कुमार आरपीएस प्रोबेशनर थाना कोतवाली निम्बाहेडा मय जाप्ता कानि जितेन्द्र, मुखराम, गोपाल, गोविन्द सिंह की टीम का गठन किया गया। टीम ने रविवार को गश्त के दौरान बस स्टेण्ड निम्बाहेडा पर एक व्यक्ति को डिटेन किया गया।

राजकीय आयुर्वेद औषधालय लवेरा में पंचकर्म भवन का लोकार्पण

अजमेर,(हुक्मनामा समाचार)। जिले के राजकीय आयुर्वेद औषधालय लवेरा में पंचकर्म चिकित्सा सुविधा के लिए नव निर्मित भवन का लोकार्पण मंगलवार को विधिवत पूजा-अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्री रामस्वरूप लांबा सहित विभिन्न गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। लोकार्पण समारोह में विमलेंदु मण्डल के स्टेट ऑपरेशनल हेड श्री सौरव सुरवित, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) अजमेर के टेरिटरी मैनेजर श्री अभिजीत पॉल, आर.के. संस्थान जयपुर के चेयरमैन डॉ. सुभाष चन्द्र शर्मा एवं आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. हनुमान मीना विशेष रूप से उपस्थित रहे। नव निर्मित भवन में योगाभ्यास हेतु एक विशाल हॉल, पंचकर्म उपचार के लिए दो सुसज्जित कक्ष, पुरुष एवं महिला के लिए पृथक शौचालय, एक ओपीडी कक्ष तथा स्टाफ के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं। इस भवन के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीण एवं आमजन को अब स्थानीय स्तर पर आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा का लाभ सुलभ हो सकेगा। इस अवसर पर विधायक श्री रामस्वरूप लांबा ने कहा कि आयुर्वेद एवं योग हमारी प्राचीन और प्रभावी चिकित्सा पद्धतियां है। इनका महत्व कोरोना काल के बाद और अधिक ब?ा है। उन्होंने कहा कि लवेरा औषधालय में पंचकर्म सुविधा शुरू होने से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी तथा आयुर्वेद का व्यापक प्रचार-प्रसार होगा। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय औषधालय प्रभारी डॉ. विनोद कुमार के सतत प्रयासों को दिया। आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. हनुमान मीना ने बताया कि चिकित्साधिकारी प्रभारी डॉ. विनोद कुमार के प्रयासों से पंचकर्म भवन निर्माण हेतु लगभग 44 लाख रुपये की स्वीकृति बीपीसीएल से प्राप्त हुई। यह परियोजना क्षेत्र में आयुर्वेदिक सेवाओं के सुदृ?ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान ताराचंद रावत पूर्व उपजिला प्रमुख, हीरासिंह रावत मंडल अध्यक्ष भवानीखेडा, राहुल सिंह रावत मंडल अध्यक्ष श्रीनगर, पिंटु रील एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष बिठुर संरपंच, पंचायत समिति सदस्य राम सिंह रावत, विष्णु प्रसाद वैष्णव मीडीया प्रभारी श्रीनगर मंडल, श्री दीपक गुपीनाथन नायर प्लांट मैनेजर, आशुतोष फोजदार अजमेर, डॉ. अर्जुन भगवान, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. मनोज कुमार महावर, डॉ. रोहिताश गुर्जर, डॉ. सुभाष घारू, डॉ. रेणुका, श्रीमति अनामिका दाधीच, श्री मुकेश मुथरिया, श्री टीकम चंद सोनी निदेशालय, दयाराम चौपडा, योग प्रशिक्षक गौतम शर्मा, भगवान राव, चंदन सिह चौहान, नर्स सेफटी ऑफिसर आदित्य प्रकाश, रत्न माथुर एवं ग्रामवासी रामदेव, लक्ष्मी, जसराज, भवर सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

कोटा सरस डेयरी ने 50 ग्राम मेंगो श्रीखण्ड किया लॉन्च, गुणवत्ता व्यवस्थाओं का आयुक्त ने लिया जायजा

कोटा,(हुक्मनामा समाचार)। भीषण गर्मी में उपभोक्ताओं को किफायती और स्वादिष्ट विकल्प उपलब्ध कराने के लिए कोटा सरस डेयरी ने 50 ग्राम पैक में मेंगो फ्लेवर श्रीखण्ड लॉन्च किया। इसका लोकार्पण संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल ने किया। डेयरी अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ ने बताया कि कोचिंग विद्यार्थियों व आमजन के बीच किए गए सर्वे में मेंगो श्रीखण्ड की मांग सामने आई, जिसके आधार पर यह छोटा और किफायती पैक तैयार किया गया। लॉन्चिंग के साथ ही 700 से अधिक पैक्स की मांग प्राप्त होना इसकी लोकप्रियता का संकेत है। लोकार्पण के बाद संभागीय आयुक्त ने डेयरी प्लांट का निरीक्षण कर दूध संग्रहण, प्रोसेसिंग और गुणवत्ता जांच व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने फैट व एसएनएफ परीक्षण सहित स्वच्छता मानकों की जानकारी ली और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए उपभोक्ताओं को शुद्ध व सुरक्षित उत्पाद उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस दौरान प्रबंध संचालक दिलखुश मीणा व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एकमुश्त छूट योजना से 2.29 करोड़ की वसूली, 927 सम्पतिधारकों ने भरा कर

मदनगंज-किशनगढ़,(हुक्मनामा समाचार)। राज्य सरकार की एकमुश्त छूट योजना का लाभ उठाते हुए नगर परिषद किशनगढ़ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 2 करोड़ 29 लाख रुपए का कर संग्रहण कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस दौरान कुल 927 सम्पतिधारकों ने बकाया नगरीय विकास कर एवं गृहकर जमा करवाया। नगर परिषद आयुक्त ने बताया कि ब्याज एवं शास्ति में 100 प्रतिशत छूट की योजना से आमजन को राहत मिली। जिसका लोगों ने लाभ लेकर कर जमा कराया। यह संग्रहण मुख्य रूप से 300 वर्गगज से अधिक आवासीय एवं 100 वर्गगज से अधिक व्यावसायिक/संस्थानिक/औद्योगिक सम्पत्तियों से प्राप्त हुआ। नगर परिषद की कर संग्रहण टीम राजस्व अधिकारी कमल शर्मा, वरिष्ठ सहायक अर्जुन शर्मा एवं कनिष्ठ सहायक रजनीश शर्मा ने आमजन में जागरूकता फैलाते हुए बकाया कर जमा कराने के लिए प्रेरित किया। परिषद की यह लगातार दूसरी सफलता है, जब एक ही वित्तीय वर्ष में 2 करोड़ रुपए से अधिक का कर संग्रहण किया गया है। इससे नगर परिषद की राजस्व स्थिति मजबूत होने के साथ ही विकास कार्यों को भी गति मिलने की उम्मीद है।

अस्पताल पहुंचे शिक्षा मंत्री, जानी राजस्व मंत्री श्री मीणा की कुशलक्षेम

उदयपुर,(हुक्मनामा समाचार)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर मंगलवार को उदयपुर प्रवास के दौरान गीतांजली अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने राजस्व एवं उपनिवेशन मंत्री तथा उदयपुर जिले के प्रभारी श्री हेमन्त मीणा की कुशलक्षेम पूछी ।गौरतलब है कि प्रभारी मंत्री मीणा की सोमवार को अचानक तबीयत बिगड़ने पर उदयपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उदयपुर प्रवास के दौरान शिक्षा मंत्री दिलावर को इसकी सूचना मिलने पर वह अस्पताल पहुंचे तथा उनकी कुशलक्षेम जानी। साथ ही चिकित्सकों से उपचार आदि की जानकारी ली। इस दौरान उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा भी उपस्थित रहे।

महावीर भगवान को नगर भ्रमण करवाया

मकराना,(हुक्मनामा समाचार)। महावीर स्वामी भगवान का जन्मकल्याणक महोत्सव मंगलवार को जैन समाज मकराना की ओर से पारंपारिक रूप से हर्षोगास के साथ मनाया गया। इस मौके पर समाज की ओर से शहर के दलपत निवास रेल्वे स्टेशन चौक से शोभायात्रा प्रात: 8:30 बजे निकाली गई। यह शोभायात्रा यहां से रवाना होकर सिनेमा गली, चारभुजा चौक, सदर बाजार से पुन: चारभुजा चौक होते हुए मुरली सिंधी की दुकान, लक्ष्मी मिष्ठान भंडार, अस्पताल रोड होते हुए नटराज मार्बल के सामने इसका समापन हुआ। तत्पश्चात प्रभावना वितरण की गई। वसुंधरा नगर विकास समिति अध्यक्ष सुनील कुमार पहाड़ियां ने बताया कि शोभायात्रा का जगह-जगह पर पुष्प वर्षा कर धर्मप्रेमियों के द्वारा स्वागत किया गया। जबकि सोमवार शाम को भगवान महावीर के नाम से विशाल भजन संध्या, लघु नाटिका व अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। सभी प्रतिभागियों के द्वारा बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मनीषा डोसी, आरती जयसवाल, अंजु पहाड़ियां, निधी पहाडिया, सुरभी पहाड़ियां, सिमा गंगवाल, रश्मि गंगावाल, ममता गंगवाल तथा शिल्पी पहाड़ियां द्वारा महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव पर अद्भुत लघुनाटीका एवं नृत्य से सभी लोग भाव विभोर हो गए। समाज हितार्थ कार्य करने वाले समाज के वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया।

महावीर जयंती पर पशु चिकित्सा शिविर हुए आयोजित

अजमेर। महावीर जयंती के उपलक्ष्य में पशुपालन विभाग द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर पशु चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर पशुओं को उपचार एवं टीकाकरण सेवाएं प्रदान की गईं। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. नवीन परिहार ने बताया कि बारादरी तांगा स्टैंड पर तांगा संचालित घोडों तथा सुभाष नगर ब्यावर रोड एवं मितल चौराहा पुष्कर रोड क्षेत्र में भारवाहक ऊँटों के लिए विशेष चिकित्सा शिविर लगाए गए। इन शिविरों में पशुओं को चर्म रोग एवं खुजली से बचाव के लिए आवश्यक टीके लगाए गए तथा प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। विभाग द्वारा आयोजित इन शिविरों से पशुपालकों को राहत मिली तथा पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित हुआ। उन्होंने बताया कि शहर के विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग चिकित्सा दलों का गठन किया गया।

महावीर जन्म कल्याणक पर निकले भव्य जुलूस का कांग्रेसजनों ने किया पुष्पवर्षा से स्वागत'

उदयलाल आंजना की ओर से चित्तौड़ी दरवाजा क्षेत्र में हुआ आत्मीय अभिनंदन

निंबाहेड़ा,(हुक्मनामा समाचार)। महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर सकल जैन श्रीसंघ द्वारा नगर में निकाले गए भव्य चल समारोह का मंगलवार सुबह कांग्रेसजनों द्वारा हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव के साथ स्वागत किया गया। राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से चित्तौड़ी दरवाजा स्थित पुराने हॉस्पिटल के समीप प्रात: 10 बजे कांग्रेसजनों द्वारा जुलूस पर पुष्पवर्षा कर आत्मीय अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान श्री महावीर स्वामी के जन्मोत्सव को लेकर नगर में उत्सवी माहौल बना रहा। चल समारोह में आकर्षक रथ में विराजित भगवान महावीर की तस्वीर पर कांग्रेस पदाधिकारियों द्वारा मोतियों की माला अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सम्पत लाल, पूर्व पालिकाध्यक्ष सुभाष चन्द्र शारदा एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष बंशीलाल राईवाल ने संयुक्त रूप से भगवान महावीर के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए उनके अहिंसा, सत्य और करुणा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेसजनों ने सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देते हुए जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत किया। वातावरण भगवान महावीर स्वामी की जय के जयकारों से गूंज उठा, जिससे पूरा क्षेत्र धर्ममय हो गया।

जैन प्रीमियर लीग सीजन-2 का भव्य समापन, महावीर कैपिटल्स बनी विजेता

निंबाहेड़ा,(हुक्मनामा समाचार)। नाकोड़ा क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित जैन प्रीमियर लीग (श्रच्स्) सीजन-2 का भव्य एवं सफल समापन 29 मार्च 2026 को उत्साह और रोमांच के साथ सम्पन्न हुआ। पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले महावीर कैपिटल्स बनाम महावीर चौलेंजर्स तथा महावीर टाइटन्स बनाम महावीर किंग्स के बीच खेले गए, जिनमें कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। फाइनल मुकाबला महावीर कैपिटल्स एवं महावीर टाइटन्स के बीच खेला गया, जिसमें महावीर कैपिटल्स ने एकतरफा शानदार प्रदर्शन करते हुए सीजन-2 का खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट में कुल 115 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 72 खिलाड़ियों को ऑक्शन के माध्यम से विभिन्न टीमों में शामिल किया गया। इसके साथ ही महिला वर्ग के नॉकआउट मुकाबलों का भी आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 70 महिला खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं अंडर-15 बालकों के लिए भी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिससे जैन समाज में खेल भावना को बढ़ावा मिला और एकता का संदेश प्रसारित हुआ।

कोटा में भगवान महावीर जन्मकल्याणक महा महोत्सव श्रद्धा व उल्लास के साथ संपन्न

कोटा,(हुक्मनामा समाचार)। कोटा स्थित श्री पुण्योदय अतिशय क्षेत्र, नसिया जी दादाबाड़ी में 30 मार्च 2026, सोमवार को देवाधिदेव 1008 भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक महा महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया। पूरे दिन विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रात: 5:15 बजे भव्य प्रभात फेरी से कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें माता त्रिशला के सोलह सपनों, जैन ध्वजा एवं चाँदी की पालकी में जिनवाणी माता के साथ शोभायात्रा निकली। ध्वजारोहण, अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन से वातावरण भक्तिमय हो उठा। रात्रि 8 बजे भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मंगलाचरण, दीप प्रज्वलन और भक्ति गीतों का विशेष आयोजन हुआ। इस अवसर पर डॉ. मनोज एवं श्रीमती नीतू बगड़ा को राजा सिद्धार्थ एवं महारानी त्रिशला बनने की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला, जबकि श्री मुकेश जी एवं श्रीमती अंजना हरसौरा द्वितीय स्थान पर रहे। इन विजेताओं को जनशताब्दी एक्सप्रेस में एसी प्रथम चेयर द्वारा श्री महावीर स्वामी जी के आने-जाने का टिकट प्रदान किया गया। कार्यक्रम संयोजन श्रीमती अर्चना (रानी) सर्राफ एवं पुण्योदय महिला कार्यकारिणी द्वारा किया गया और सभी कार्यक्रमों में समाज के गणमान्य नागरिकों तथा श्रद्धालुओं ने उत्साह से भाग लिया। सभी ने भगवान महावीर के सिद्धांतों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

जिले में रसोई गैस पेट्रोल व डीजल की पर्याप्त उपलब्धता

अजमेर। जिला कलक्टर श्री लोक बन्धु ने जिलेवासियों को आश्वस्त करते हुए बताया कि अजमेर जिले में रसोई गैस सिलेण्डरों के साथ-साथ पेट्रोल पम्पों पर पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा आपूर्ति व्यवस्था पूर्णत: सुचारू रूप से संचालित हो रही है। उन्होंने बताया कि गैस एजेंसियों के माध्यम से घरेलू एवं वाणिज्यिक एलपीजी सिलेण्डरों की नियमित आपूर्ति की जा रही है। वर्तमान में जिले में घरेलू एलपीजी के 21 हजार 15 सिलेण्डर स्टॉक में उपलब्ध हैं। 9750 बुकिंग के मुकाबले 10 हजार 250 सिलेण्डरों का वितरण किया गया, जो लगभग 115 प्रतिशत आपूर्ति को दर्शाता है। यह स्थिति सामान्य मांग के अनुरूप है और जिले में गैस की पर्याप्त उपलब्धता को सुनिश्चित करती है। जिले के 208 पेट्रोल पम्पों द्वारा पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा निर्बाध आपूर्ति की जा रही है।

भामाशाह मंडी के प्रशासक ने किया एफसीआई के क्रय केन्द्र का निरीक्षण

कोटा,(हुक्मनामा समाचार)। भामाशाह मण्डी के प्रशासक एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) श्री वीरेन्द्र सिंह यादव ने मंगलवार को भामाशाह मण्डी में भारतीय खाद्य निगम के क्रय केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जानकारी मिली कि किसानों के रजिस्ट्रेशन के पश्चात मोबाईल पर एक सप्ताह की सहमति की तिथि आ रही है लेकिन उनका उस सप्ताह में तुलाई का मैसेज नहीं आने के बाद भी केवल सहमति के आधार पर किसानों द्वारा मण्डी यार्ड में गेहूँ विक्रय के लिए लाया जा रहा है। किसान की तुलाई की तिथि नहीं होने के कारण पोर्टल पर उनकी खरीद नहीं होने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में उन्होंने निर्देश दिए कि सभी किसान उनको मैसेज के माध्यम से प्राप्त होने वाली तिथि एवं तुलाई की मात्रा के अनुसार ही मण्डी में अपनी उपज विक्रय के लिए लेकर आएं तथा जन आधार कार्ड में दर्ज कोई भी एक सदस्य को बायोमेट्रिक सत्यापन के लिए लेकर आएं। साथ ही, उन्होंने संबंधित विभाग को निर्देश दिए कि किसानों के लिए जिस सप्ताह की सहमति दर्ज की जा रही है, उस सहमति के अलावा मैसेज में यह भी प्रदर्शित हो कि आपकी सहमति दर्ज कर ली गई है एवं तुलाई की तिथि एवं मात्रा के संबंध में अलग से मैसेज के माध्यम से सूचना दी जाएगी।

मजबूत सड़कें, सशक्त राजस्थानः पीडब्लयूडी ने 2025-26 में रचा विकास का नया इतिहास, 2026-27 के लिए और बड़े लक्ष्य तय

जयपुर,(हुक्मनामा समाचार)। राज्य में बुनियादी ढांचे को मजबूती देने की दिशा में भजनलाल सरकार ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025-26 में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार के प्रयासों से सड़क, पुल और एक्सप्रेसवे विकास में नई गति आई है, जिससे प्रदेश की कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ ही आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिला है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में को ?12,500 करोड़ का बजट आवंटित किया गया था, जिसमें से ?11,823 करोड़ का व्यय कर लगभग 95 प्रतिशत उपयोगिता हासिल की गई। यह दर्शाता है कि सरकार ने योजनाओं को केवल कागजों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। सड़क अवसंरचना के क्षेत्र में विभाग ने बड़ी उपलब्धियां दर्ज की हैं। प्रदेशभर में 5,778 किलोमीटर नई सड़कों का निर्माण किया गया, जबकि 2,502 किलोमीटर राज्य राजमार्गों और जिला सड़कों का विकास किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी विशेष ध्यान देते हुए 6,496 किलोमीटर सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और नवीनीकरण किया गया। इसके साथ ही 3,000 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण और अन्य जिला सड़कों को मुख्य जिला सड़कों में उन्नत किया गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की पहुंच और बेहतर हुई है। ग्रामीण कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने व्यापक स्तर पर काम किया है। जनगणना 2011 के तहत 223 गांवों और इसके बाद के 212 गांवों को मुख्य सड़कों से जोड़ा गया। साथ ही 12 नई बसावटों तक सड़क पहुंचाकर वहां के निवासियों को आवागमन की सुविधा प्रदान की गई है। प्रमुख परियोजनाओं की बात करें तो फ्लैगशिप योजना 'अटल प्रगति पथ' के तहत 175 परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसके अलावा प्रदेश में 5 रेलवे ओवरब्रिज , 3 रेलवे अंडरब्रिज और 4 उच्च स्तरीय पुलों का निर्माण कर यातायात को सुगम बनाया गया है। एक्सप्रेसवे विकास के क्षेत्र में भी राजस्थान ने तेजी दिखाई है। कुल 9 एक्सप्रेसवे परियोजनाओं पर काम प्रगति पर है, जिनमें से 2 राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और 7 के अंतर्गत हैं। द्वारा विकसित किए जा रहे 2 एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अधिग्रहण की 'धारा 4' की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए और अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं, जिससे 'विकसित राजस्थान' के संकल्प को गति मिलेगी। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए ?15,078 करोड़ का बजट प्रस्तावित किया गया है। इसके तहत 6,000 किलोमीटर नई सड़कों का निर्माण, 2,600 किलोमीटर राज्य और जिला सड़कों का विकास तथा 6,800 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों के नवीनीकरण का लक्ष्य रखा गया है।

श्रीराम की बाल लीलाओं का वर्णन किया

मकराना,(हुक्मनामा समाचार)। शहर के गुणावती रोड स्तिथ सोलंकी नगर में चल रही नव दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा महा महोत्सव के तहत कथा वाचक बृजेन्द्र भारद्वाज महराज ने मंगलवार को श्रीराम की बाल लीलाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा प्रत्येक व्यक्ति के जीवन की तीन अवस्थाएं होती हैं बाल्यावस्था युवावस्था और वृद्धावस्था इन तीनों अवस्थाओं में व्यक्ति को तीन चीजें प्राप्त होनी चाहिए बाल्यावस्था में ज्ञान युवा अवस्था में धन और वृद्धा अवस्था में सम्मान परंतु वृद्धावस्था में यदि सम्मान चाहिए तो उसकी शुरुआत बचपन से ही होती है। बचपन भगवान ने ज्ञान प्राप्ति के लिए दिया है बच्चों का जीवन कच्ची मिट्टी और कोरे कागज की भांति होता है। बचपन में ही युवा और वृद्धावस्था का निर्माण होता है। श्रीराम ने अपनी बाल लीलाओं में विद्या अध्ययन को विशेष महत्व दिया और दुनिया के सभी बालकों को बताया कि बचपन में खेलकूद से ज्यादा आवश्यक है ज्ञानार्जन क्योंकि बचपन में प्राप्त किया हुआ ज्ञान जवानी में धनोपार्जन में सहायक बनता है और वही वृद्धा अवस्था में सम्मान का भी मुख्य कारण बनता है। इसलिए ज्ञान प्राप्ति श्रेष्ठ है माता पिता अपने जीवन का सारा वैभव बच्चों की पढ़ाई में लगा देते हैं परंतु कई बच्चे ऐसे भी होते हैं जिन्हें अपने माता पिता की त्याग तपस्या दिखाई नहीं देती है और अनेक प्रयत्न के बाद भी वह उस ऊंचाई तक नहीं पहुंच पाते जिसका सपना माता पिता देखा करते हैं। शायद श्रीराम ने अपने बाल चरित्र से दुनिया के सभी बालकों को यही बताया। महाराज ने कहा कि जीवन में हमे कभी भी माता पिता का अनादार नहीं करे हमेशा इनको सम्मान देवें।

अखंड रामायण पाठ के साथ संकटमोचन हनुमान उत्सव का शुभारम्भ

ब्यावर ,(हुक्मनामा समाचार)। फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज के सानिध्य में कृष्ण नीति कथा के अंतर्गत रामचरितमानस पाठ का भव्य शुभारंभ मंगलवार को श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर में विधि-विधान से विद्वान पंडितों के निर्देशन में शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आगाज मुख्य अतिथि यूनिट हेड विकाश सिंघल ने सपत्नीक विधि विधान से पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलन कर किया, इस अवसर पर श्री सीमेंट के कर्मचारियों, आस-पास के ग्रामीणजन द्वारा श्री अखंड रामचरित मानस पाठ मैं सम्मिलित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया गया 7 यह अखंड रामायण पाठ मंगलवार को प्रात: 10 बजे

शुरू हुआ व बुधवार को प्रात: साढे 10 बजे पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा। इस अवसर पर श्री सीमेंट के रामनारायण डाणी, ज्योति स्वरूप गट्टानी, सुनील कुमार सिंह, देवेन्द्र माथुर सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मुख्य कार्यक्रम कृष्ण नीति कथा का शुभारंभ गुरुवार, 2 अप्रैल से होगा। स्वामी जी द्वारा कथा का वाचन प्रतिदिन शाम 4:00 बजे से 7:00 बजे तक किया जाएगा, जो 5 अप्रैल तक चलेगा। इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं व भक्तों की सुविधा के लिए ट्रस्ट द्वारा निशुल्क बस सेवा की व्यवस्था की गई है। ये बसें मुख्य रूप से ब्यावर शहर, रास तथा मसूदा से श्रद्धालुओं को कथा स्थल तक लाने और कथा समाप्ति के बाद पुन: गंतव्य तक छोड़ने के लिए उपलब्ध रहेंगी।

पूर्व विधायक डोगरा ने गिरदावरी करा कर मुआवज़ा दिलाने को लेकर लिखा पत्र

बून्दी (हुक्मनामा समाचार)। ओलावृष्टि व बारिश से फसलो के नुकसान की तत्काल गिरदावरी करा मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर पूर्व विधायक अशोक डोगरा ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखा। पत्र में लिखा है कि सोमवार. को बून्दी में हुई ओलावृष्टि व बारिश से फसलो को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि वर्तमान में किसानो की फसल तैयार हो गई थी व कई किसानो की तो फसल कटने के बाद खेत में ही थी जो गल गई या बारिश से खराब हो गई तथा किसानो को लाखो रूपयो का नुकसान हुआ है। उन्होंने लिखा कि किसानो की कई जगह तो 100 प्रतिशत फसल का नुकसान हो गया है। उन्होंने ओलावृष्टि व बारिश से फसलो के नुकसान की गिरदावरी दो दिवस में कराया जाना सुनिश्चित करा किसानों को नियमानुसार मुआवजा दिलाने की कार्यवाही करने की मांग की।

न्यूज़ ब्रीफ

युवक देवेंद्र सिंह छह माह पहले यूएई कंपनी के जरिए आबू धाबी गया था

ब्यावर (हुक्मनामा समाचार)। ब्यावर के जवाजा क्षेत्र के एक युवक की आबू धाबी में साइलेंट हार्ट अटैक से मौत हो गई। जवाजा ग्राम पंचायत के गांव केना का तालाब (रुपाणा) निवासी 28 वर्षीय देवेंद्र सिंह रावत की शनिवार को हुई मौत की खबर से क्षेत्र में गम का माहौल है। परिजनों ने बताया कि देवेंद्र सिंह लगभग छह माह पहले बीसीसी मैनपावर सर्विस यूएई कंपनी के जरिए आबू धाबी गया था। वहां वह कंस्ट्रक्शन का काम कर रहा था। शनिवार दोपहर करीब 11 बजे जब वह ड्यूटी पर जाने की तैयारी कर रहा था, तभी अचानक उसके सीने में तेज दर्द हुआ। उसके साथ काम कर रहे मनोहर सिंह ने जानकारी दी कि देवेंद्र को तत्काल स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे दूसरे अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद साइलेंट हार्ट अटैक से मौत की पुष्टि की। घटना की सूचना मिलने के बाद आबू धाबी पुलिस ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है। देवेंद्र की असामयिक मृत्यु से परिवार और गांव में गहरा दुख है। उसकी पत्नी पूजा और मां ललिता देवी इस घटना से बेहद प्रभावित हैं। मनोहर सिंह ने बताया कि वे आबू धाबी में कानूनी प्रक्रिया पूरी करने में लगे हैं। उम्मीद है कि भारत सरकार और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से देवेंद्र का पार्थिव शरीर 1 अप्रैल की शाम तक उसके पैतृक गांव पहुंच जाएगा। क्षेत्रीय विधायक ने भी विदेश मंत्री और डिप्टी सीएम से शव को जल्द भारत लाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने की नई 48 सदस्यीय टीम घोषित

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। में भारतीय जनता पार्टी ने महिला मोर्चा की नई टीम का ऐलान कर संगठन को नई मजबूती देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देश पर महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने 48 सदस्यीय टीम की घोषणा की। इस टीम में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है।नई टीम में 8 प्रदेश उपाध्यक्ष, 3 प्रदेश महामंत्री, 8 प्रदेश मंत्री और 12 प्रवक्ता बनाए गए हैं। पार्टी का उद्देश्य इस टीम के माध्यम से महिला वर्ग में अपनी पकड़ मजबूत करना और आगामी पंचायत व निकाय चुनावों के मद्देनजर बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करना है।प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में विजयलक्ष्मी राजपुरोहित, शिखा वेद, निकिता राठौड़, ज्योति मिश्रा, शानू यादव, अनुराधा महेश्वरी, अंजू सैनी और रेखा परिहार को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं सुनीता व्यास, अरुण सिहाग और मूर्ति मीणा को महामंत्री बनाया गया है।प्रदेश मंत्री के रूप में डॉ. रजनी गावड़िया, मुकेश कंवर, रेखा जैन, जयश्री दाधीच, हंसिका गुर्जर, अमरावती शर्मा, शीला चंदन जाटव और सीमा अखावत को नियुक्त किया गया है। प्रवक्ता के रूप में अनुपमा मोदी, अदिति शर्मा, आंचल अवाना, मंजू सैनी, किरण मेघवाल, अंजली यादव, रजनी सोनी, निर्मला मकवाना, ममता कुमावत, सुनीता सैनी, चेतना मीणा और रमेश कुमारी कौर को जिम्मेदारी सौंपी गई है।इसके अलावा सुषमा सैनी को कोषाध्यक्ष और कनिका बिश्नोई को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है। मीना बनर्जी और बीना शर्मा को कार्यालय मंत्री, सुजाता मीणा को मीडिया प्रभारी और पूनम जैन को सह मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है।आईटी संयोजक के रूप में पूजा गुरनानी और सह संयोजक के रूप में सोनिका जैन, सोशल मीडिया प्रभारी के रूप में प्रियंका त्यागी और सह संयोजक के रूप में मनीषा जोधा को जिम्मेदारी दी गई है। रिसर्च संयोजक श्रिष्टि सेठी और सह संयोजक सुलभा सारदा होंगी, जबकि कार्यक्रम प्रभारी के रूप में नीलम मुंदड़ा को नियुक्त किया गया है।मन की बात कार्यक्रम के लिए उमा शर्मा को संयोजक और वीणा कुमारी दशोरा को सह संयोजक बनाया गया है। प्रशिक्षण प्रभारी के रूप में मंजू मेघवाल और सह प्रभारी के रूप में रुबिया उपाध्याय को जिम्मेदारी दी गई है।

बरून्धन की बेटी तनीषा ने रचा इतिहास, 97.80% अंक लाकर बनी जिले की शान

बूंदी (हुक्मनामा समाचार)। कड़ी मेहनत, लगन और पारिवारिक संस्कारों का बेहतरीन उदाहरण पेश करते हुए पीएम श्री राउमावि बरून्धन की छात्रा तनीषा राठौर ने कक्षा 12वीं में 97.80 प्रतिशत अंक हासिल कर न केवल अपने विद्यालय, बल्कि पूरे कस्बे, समाज और जिले का नाम रोशन किया है।साधारण परिवार से आने वाली तनीषा की इस असाधारण उपलब्धि ने यह साबित कर दिया कि सफलता संसाधनों की नहीं, बल्कि संकल्प और मेहनत की मोहताज होती है। उनके पिता परमानंद राठौर कस्बे में आइसक्रीम का व्यवसाय करते हैं, जबकि माता सीमा राठौर गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद परिवार ने हमेशा शिक्षा को प्राथमिकता दी और बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।तनीषा का परिवार पहले से ही शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुका है। उनके बड़े भाई आशीष राठौर का दो वर्ष पूर्व सरकारी शिक्षक के रूप में चयन हुआ था, वहीं बड़ी बहन आकांक्षा राठौर ने भी 12वीं में शानदार सफलता प्राप्त कर परिवार की परंपरा को आगे बढ़ाया। तनीषा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और नियमित अध्ययन को दिया। उनका कहना है कि 'समय का सही प्रबंधन और निरंतर अभ्यास ही सफलता की कुंजी है।'तनीषा की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार और क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। लोगों ने मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह सफलता क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी

32वीं अंतर जिला रेंज स्तरीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ भव्य समापन

बूंदी (हुक्मनामा समाचार)। पुलिस लाईन परेड ग्राउंड, बून्दी में 29 से 31 मार्च तक आयोजित 32वीं अंतर जिला रेंज स्तरीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का समापन समारोह उत्साह, उमंग एवं गरिमामय वातावरण में राजेन्द्र प्रसाद गोयल (ढ्ढक्कस्), महानिरीक्षक पुलिस, कोटा रेंज, कोटा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि महोदय ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिला पुलिस अधीक्षक अविनाश कुमार शर्मा ने बताया कि इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में कोटा रेंज के सभी जिलों से आए पुलिस खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया एवं अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा, अनुशासन एवं टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया।

कीर्ति स्तंभ भगवान महावीर की जय के जयकारों से गूंजा सैकड़ों श्रद्धालुओं ने एक साथ सामायिक साधना व स्वाध्याय किया

ब्यावर (हुक्मनामा समाचार)। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव का मंगलवार को जैन जवाहर भवन में शुभारंभ हुआ। इस दौरान अजमेरी गेट स्थित कीर्ति स्तंभ भगवान महावीर की जय के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम स्थल पर प्रार्थना के मधुर स्वरों से पूरा पंडाल भक्तिमय हो गया।

महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने एक साथ बैठकर सामायिक साधना और स्वाध्याय किया। सभी ने लगभग एक घंटे तक भगवान महावीर की स्तुति और नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप किया, जिससे

आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हुआ।

समाज के वरिष्ठ सदस्य शांति लाल शाह ने कीर्ति स्तंभ पर जैन ध्वज फहराकर महोत्सव का विधिवत उद्घाटन किया। ध्वजारोहण के साथ ही पूरा क्षेत्र जयकारों से गूंज उठा और माहौल धार्मिक हो गया। इस अवसर पर महोत्सव संयोजक विमल शाह, प्रकाश जैन, जसवंत बाबेल, गौतम चौधरी, महावीर बाफना, सुशील छाजेड़, महावीर नाहर, आशीष डोसी, संजय चोरडिया और उत्तम भंडारी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में युवाओं और मातृशक्ति की भी भागीदारी रही। पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय बना रहा।

खिंचिया बासनी: खड़ी बस में लगी भीषण आग, धू-धू कर जलकर हुई राख

डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। जिले के खिंचिया बासनी ग्राम में आज एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहाँ खड़ी एक निजी बस में अज्ञात कारणों से अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि पूरी बस जलकर खाक हो गई।जानकारी के अनुसार, यह बस एक स्थानीय मदरसे की थी, जिसका उपयोग प्रतिदिन बच्चों को लाने और ले जाने के लिए किया जाता था। गनीमत रही कि जिस समय यह हादसा हुआ, बस घर के पास खड़ी थी और उसमें कोई भी बच्चा या स्टाफ मौजूद नहीं था। अन्यथा, एक बड़ी जनहानि हो सकती थी। बस से उठती आग की ऊंची लपटों और धुएं के गुबार को देखकर पूरे गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि जब तक उस पर काबू पाया जाता, बस पूरी तरह जलकर लोहे के ढांचे में तब्दील हो चुकी थी।फिलहाल आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्राथमिक रूप से इसे शॉर्ट सर्किट से जोड़कर देखा जा रहा है, लेकिन वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो पाएगी। सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रही है।

आजादी के बाद भारतीय शिक्षा पर पश्चिमी पद्धति हावी प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन में मुख्य वक्ता शिव प्रसाद का ओजस्वी उद्बोधन

ब्यावर (हुक्मनामा समाचार)। आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन हुआ। अध्यक्षता सुरेंद्र अरोड़ा मंत्री, चित्तौड़ प्रांत ने की। मुख्य वक्ता अखिल भारतीय मंत्री, विद्या भारती शिव प्रसाद रहे।

विशिष्ट अतिथि तहसीलदार हनुत सिंह रहे। प्रधानाचार्य नवीन कुमार सैनी ने अतिथियों का स्वागत किया। शिव प्रसाद ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारतीय शिक्षा व्यवस्था का झुकाव पश्चिमी पद्धति की ओर अधिक रहा। विद्या भारती स्थापना काल से भारतीय संस्कृति, संस्कार, राष्ट्र भावना से युक्त शिक्षा के लिए प्रयासरत है। विद्या भारती

संस्थान के अध्यक्ष ओमप्रकाश, विद्या भारती संस्थान के जिला मंत्री मनोज कुमार टेलर, विद्या भारती संस्थान के सचिव संजय शर्मा, रमेश चंद्र भराडिया, विद्यालय प्रबंध समिति सचिव हेमेंद्र दग्दी, सहसचिव हर्षित पारीक और कमलेश सिंह मौजूद रहे। आयोजन को सफल बनाने में कविता शर्मा, ममता शर्मा, सीमा सोलंकी, राधा किशन मिश्रा, कपिल कुमार, उमेश कुमार, सुमित्रा टांक सहित समस्त आचार्य दीदी का विशेष योगदान रहा।

डिनर की टेबल से धराशायी हुआ सिंथेटिक ड्रग्स का किंगपिन मोस्ट वांटेड शेरदिल उर्फ दद्दू भीलवाड़ा में गिरफ्तार

भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ह्रञ्जस्न) ने ऑपरेशन 'ह्रदशार्दूल' के तहत सोमवार देर रात राजस्थान के टॉप 25 मोस्ट वांटेड और टॉप 5 सिंथेटिक ड्रग तस्करों में शामिल कुख्यात शेरदिल उर्फ दद्दू को भीलवाड़ा-चित्तौड़गढ़ हाईवे स्थित ग्रीन प्लाजा होटल से नाटकीय अंदाज़ में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने होटल में डिनर के दौरान चारों ओर से घेराबंदी कर इस तस्कर को दबोचा। गिरफ्तारी से ठीक पहले वह अपनी महिला मित्र से फोन पर शेखी बघारते हुए कह रहा था— 'पुलिस घेर भी ले तो जिंदा नहीं पकड़ा जाऊंगा।' पुलिस ने इसी कॉल से मिली अहम जानकारी का इस्तेमाल कर ऑपरेशन को अंजाम दिया।महिला मित्र बनी गिरफ्तारी की सबसे अहम कड़ीशेरदिल की रंगीनमिजाजी ने ही उसकी फरारी का खेल खत्म किया। फरारी के दौरान मध्यप्रदेश में उसकी एक महिला से दोस्ती हुई थी। महीनों तक ह्रञ्जस्न इस महिला तक पहुंचने की कोशिश करती रही, लेकिन वह शुरू में वफादारी दिखाती रही।टीम ने भावनात्मक चाल चली—शेरदिल की अजमेर की दूसरी महिला मित्र का जिक्र कर उसके मन में शक पैदा किया। महिला भड़क उठी और ह्रञ्जस्न के झांसे में आ गई। इसके बाद उसने मोबाइल नंबर, गाड़ी नंबर और मूवमेंट की सटीक जानकारी दे दी।

बालिका विकास नगर विद्यालय का परीक्षा परिणाम रहा उत्कृष्ट

बून्दी (हुक्मनामा समाचार)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में बालिका विद्यालय विकास नगर का परिणाम उत्कृष्ट रहा। प्रधानाचार्य रविन्द्र दाधीच ने बताया कि इस वर्ष विद्यालय का कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 94 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं कला का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत, कॉमर्स का 100 प्रतिशत तथा विज्ञान का परीक्षा परिणाम 96.15 प्रतिशत रहा है। विज्ञान वर्ग में छात्रा आर्या ने 95.20 प्रतिशत, कला वर्ग में छात्रा मोनालिसा मीणा ने 96.60 प्रतिशत तथा कॉमर्स में छात्रा रहनुमा परवीन ने 83.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रधानाचार्य रविन्द्र दाधीच ने बेहतर परिणाम के लिये स्टाफ सदस्यों की कड़ी मेहनत और मार्गदर्शन को सराहा। प्रधानाचार्य ने विद्यालय में उपस्थित स्टाफ के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं का मुंह मीठा करवाकर तथा माला पहनाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर स्टाफ सदस्य हरिराम मीणा, दीपक कुमार जैन, मनोज कुमार शर्मा, देवेन्द्र सिंह राणावत तथा सुरेश जांगीड उपस्थित रहे।

महर्षि गौतम ऋषि की चरण पादुका यात्रा ब्यावर पहुंची यह यात्रा देश के विभिन्न शहरों व गांवों से होते हुए पुन: त्रयंबकेश्वर जाएगी

ब्यावर, (हुक्मनामा समाचार)। गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज की आस्था उस समय चरम पर नजर आई जब महर्षि गौतम ऋषि की पावन चरण पादुका यात्रा 30 मार्च (सोमवार) देर रात्रि को ब्यावर पहुंची। यात्रा के आगमन के साथ ही श्रद्धा और भक्ति का माहौल बन गया, वहीं 31 मार्च (मंगलवार) प्रात: 8 से 9 बजे तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर चरण पादुकाओं के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री ब्रह्मगिरी पर्वत शिखर स्थित गोदावरी उद्गम स्थल त्र्यंबकेश्वर से प्रारंभ हुई यह पवित्र यात्रा कृष्ण कॉलोनी स्थित सालोलिया पीरवार के निवास पर पहुंची। यहां समाज के लोगों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ यात्रा का स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने

चरण पादुकाओं का पूजन-अर्चन कर जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की। कथा व्यास गौव्रती आचार्य राजेंद्र महाराज के सान्निध्य में 19 मार्च को गौतम जयंती के अवसर पर प्रारंभ हुई इस रथ यात्रा का उद्देश्य महर्षि गौतम की शिक्षाओं और उनके समाज के प्रति योगदान को जन-जन तक पहुंचाना महाराष्ट्र एवं गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए यह यात्रा ब्यावर पहुंची और आगे देशभर के विभिन्न शहरों एवं गांवों में भ्रमण करते हुए पुन: त्रयंबकेश्वर पहुंचेगी। इस दौरान रामपाल उपाध्याय, नवयुवक संघ अध्यक्ष मुकेश उपाध्याय, चेतन प्रकाश जोशी, लोकेश भारद्वाज, संजय सालोलिया, अनिल सालोलिया, शिवेंद्र जोशी, लोकेश उपाध्याय,अक्षय उपाध्याय,पवन जोशी सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं मातृशक्ति उपस्थित रही।

'वीबी-जी राम जी' में सुरक्षित रोजगार के साथ टिकाऊ उत्पादकता

गांव-किसान की समृद्धि से डाली जा रही सुदृढ़ भविष्य की नींव, 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' और राज्य का अतिरिक्त प्रोत्साहन

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनरूप विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान के संकल्प को सिद्धि की ओर ले जा रही है। चाहे 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' में एक कदम आगे बढ़ाते हुए सम्मान राशि को 6 हजार रुपए से 9 हजार रुपए करना हो या 'विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण)' अधिनियम।

राजस्थान सरकार गांव और किसान को सुदृढ़ और समृद्ध करने का कार्य कर रही है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी की गई। जिसके तहत प्रदेश के 66 लाख 76 हजार से अधिक किसानों के खातों में 1 हजार 355 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भी हस्तान्तरित की गई है। खास बात ये है कि जहां देश में किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में कुल 6 हजार रुपए की राशि किस्तों में हस्तांतरित की जा रही है।

वहीं राजस्थान में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत यह राशि 3 हजार रुपए बढ़ाकर किसानों को दी जा रही है। यानी प्रदेश के किसानों को कुल 9 हजार रुपए सम्मान निधि के रूप में प्राप्त हो रहे हैं।

वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों से वादा किया है कि इस सम्मान निधि की राशि को चरणबद्ध रूप से 12 हजार रुपए तक बढ़ाया जाएगा, जो किसानों के प्रति राज्य सरकार के सम्मान को दर्शाता है।

किसानों को केंद्र का सम्मान, तो राज्य में अतिरिक्त निधि, विकसित देश-प्रदेश की दिशा में मील का पत्थर बन रहीं योजनाएं

टिकाऊ विकास की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव 'वीबी-जी राम जी'

केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार गांवों को आधुनिकीकरण के साथ मजबूत कर रही है। इसी क्रम में विकसित भारत-रोज़गार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम ग्रामीण रोजगार की दिशा में किया गया एक महत्वपूर्ण बदलाव है। क्योंकि डिजिटाइजेशन के युग में पूर्ण जवाबदेही के साथ ग्रामीण आजीविका सुनिश्चित करना भविष्य के लिए नींव को मजबूत करना है। क्योंकि डिजिटाइजेशन के युग में पूर्ण जवाबदेही के साथ ग्रामीण आजीविका सुनिश्चित करना भविष्य के लिए नींव को मजबूत करना है।विकसित भारत-रोज़गार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम के तहत रोजगार गारंटी को प्रति ग्रामीण परिवार बढ़ाकर 125 दिन किया गया है। जिसमें ग्रामीण परिसंपत्तियों के टिकाऊ एवं उत्पादक कार्यों (जैसे जल सुरक्षा एवं जल से संबंधित कार्य, मुख्य ग्रामीण अवसंरचना से जुड़े कार्य, आजीविका संबंधी अवसंरचना से संबंधित कार्य, प्रतिकूल मौसमी घटनाओं के प्रभाव को कम करने वाले कार्य) पर जोर दिया गया है। ताकि ग्रामीण रोजगार ना केवल सुरक्षित आय प्रदान करे, बल्कि टिकाऊ आजीविका, सुदृढ़ परिसंपत्तियों एवं दीर्घकालिक ग्रामीण समृद्धि में भी योगदान दे।

कृषि उत्पादकता के साथ श्रमिकों के हितों के बीच संतुलित समायोजन

सबसे खास बात यह है कि बुवाई और कटाई के सीजन के दौरान जब खेतों में मजदूरों की आवश्यकता ज्यादा होती है, तब मजदूर यह कार्य कर सकेंगे। इसके लिए एक वित्तीय वर्ष में कुल 60 दिनों की समेकित विराम अवधि अधिसूचित की गई है। जिसके तहत श्रमिकों को मिलने वाले कुल 125 दिनों के रोजगार का अधिकार यथावत बना रहेगा, जो शेष अवधि में पूर्ण किया जा सकेगा। इस महत्वपूर्ण बदलाव से कृषि उत्पादकता और श्रमिकों के हितों के बीच संतुलित समायोजन सुनिश्चित संभव हो रहा है। जब किसान की समृद्धि होगी, तभी गांव मजबूत बन सकेंगे और गांव के विकास के साथ ही राज्य और राष्ट्र को विकसित करने की नींव रखी जा सकेगी। ऐसे में सरकार की ओर से उठाए जा रहे महत्वपूर्ण कदम भविष्य की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

रिस्क फ्री कृषि और पशुपालन के लिए प्रोत्साहन

आर्थिक संबल देने के साथ ही राज्य सरकार की ओर से किसानों को रिस्क फ्री कृषि और पशुपालन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में वर्ष 2026-27 में कृषि बजट 1 लाख 19 हजार 408 करोड़ रुपये रखा गया है। प्रदेश में गेहूं के समर्थन मूल्य खरीद पर 150 रुपये के अतिरिक्त बोनस का प्रावधान है। वहीं अब तक 78 लाख से अधिक किसानों को 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण उपलब्ध कराए गए हैं। तो फसल बीमा योजना में खराबे पर 6 हजार 473 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम राज्य में वितरित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की बात की जाए, तो 16 लाख से अधिक पशुओं की निशुल्क बीमा पॉलिसी जारी की गई है, वहीं 536 मोबाइल पशु चिकित्सा वाहन गांवों में सेवा दे रहे हैं। राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना में पशुपालकों को 1 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है।

रिजल्ट से पहले छात्रा की मौत, इंजेक्शन लेकर एग्जाम दिए

श्रीगंगानगर (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 12वीं क्लास का रिजल्ट मंगलवार को जारी किया। टॉपर्स के घर में जश्न मनाया जा रहा है। होनहार बच्चों की सफलता को देखकर माता-पिता भावुक हो गए और खुशी के आंसू छलक पड़े। श्रीगंगानगर की नकिता के आर्ट्स में 93.80 प्रतिशत मार्क्स आए तो मां अपनी बेटी की तस्वीर को सीने से लगाकर रो पड़ी। नकिता को शुगर था और वह इन्सुलिन का इंजेक्शन लेकर एग्जाम देने जाती थी, लेकिन रिजल्ट आने से दस दिन पहले 20 मार्च को उसकी मौत हो गई। वहीं जोधपुर की आयषा चौधरी के नंबर देखकर पिता भावुक हो गए और बेटी को गले लगाकर फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने कहा- बेटी हमारा गर्व हैं। पढ़िए- संघर्ष के बीच बच्चों की सफलता की कहानी 12वीं आर्ट्स में 93.80% आए, मां बच्ची की फोटो सीने से लगाकर रो पड़ी गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल 7 केएनडी (श्रीगंगानगर) की छात्रा नकिता ने 12वीं आर्ट्स में 93.80 प्रतिशत अंक हासिल किए है। परिवार के लोगों ने बच्ची का रिजल्ट ऑनलाइन चेक किया तो घर में पसरे सन्नाटे के बीच आंखू छलक पड़े। मां अपनी बेटी की तस्वीर को सीने से लगाकर रो पड़ी। मां चरणजीत कौर ने कहा कि बेटी पढ़ाई में होशियार थी और उसका सपना प्रशासनिक सेवा में जाने का था। परिवार को उससे काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उसके जाने के बाद सबकुछ धराशायी हो गया। रिजल्ट आने से सिर्फ दस दिन पहले 20 मार्च को उसकी मौत हो गई थी। तेज बुखार में भी इन्सुलिन इंजेक्शन लेकर एग्जाम देने गई थी नकिता के नाना केसर सिंह ने बताया- नकिता को 8वीं क्लास में शुगर हो गया था। वह इन्सुलिन के इंजेक्शन लेती थी। पढ़ाई में भी काफी होशियार थी। 10वीं में नकिता ने टॉप किया था और 90.50 प्रतिशत अंक आए थे। 12वीं के एग्जाम में वह बीमार

हो गई थी। तेज बुखार में भी इंजेक्शन लेकर एग्जाम गई और कहती थी कि 12वीं में टॉप करना है। नकिता की मां चरणजीत कौर और पिता मंगल सिंह दोनों मजदूरी करते हैं। करीब 20 दिन पहले 10 मार्च को नकिता को काफी तेज बुखार हुआ। इसके बाद दोनों बच्ची को लेकर मेरे पास (पीलीबंगा, हनुमानगढ़) लेकर आए। डॉक्टरों ने उसे पीलिया बताया। डॉक्टरों के कहने पर मैं (नाना) और मम्मी-पापा नकिता को हनुमानगढ़ के सरकारी अस्पताल लेकर, जहां डॉक्टरों ने उसे बीकानेर रेफर कर दिया। 2 दिन तक वह बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में वेंटिलेटर पर रही। इसके बाद तबीयत बिगड़ी और 20 मार्च को उसकी मौत हो गई। परिवार में सबसे होशियार, कलेक्टर बनना चाहती थी निकिता पढ़ाई में होशियार थी और प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती थी। परिवार के अनुसार- वह मां से कहा करती थी कि उसे कलेक्टर बनकर सेवा करनी है। निकिता की बड़ी बहन पिंद्र कौर बीएसटीसी की तैयारी कर रही है। छोटी बहन निशु 10वीं में है और इस बार 68 प्रतिशत हासिल किए थे। सबसे छोटा भाई अरमान है, जो आठवीं क्लास में पढ़ता है। सरपंच बोले- नकीता के नाम से बनवाएंगे लाइब्रेरी नकीता के घर पहुंचे सरपंच अंकुश ने बताया- गांव में एक लाइब्रेरी का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस बार आयोजित होने वाली बैठक में इस लाइब्रेरी का नाम नकीता लाइब्रेरी रखने का प्रस्ताव रखा जाएगा।

खेल-खेल में 3 दोस्तों की मौतः खेलते समय मिट्टी की सुरंग ढही

सीकर (हुक्मनामा समाचार)। सीकर में खेलने के लिए बनाई गई मिट्टी की सुरंग ढहने से तीन दोस्तों की मौत हो गई। वहीं, चौथे दोस्त की जान बच गई, जिसके चिल्लाने पर लोगों को घटना बारे में पता चला। हादसा नेछवा थाना इलाके में सोमवार दोपहर 12:30 बजे गनेड़ी गांव में हुआ। पुलिस के मुताबिक- होलश मेघवाल (10) पुत्र नानूराम मेघवाल, गौतम सैनी (14) पुत्र रतनलाल सैनी, दीपेश नायक (12) पुत्र भंवरलाल नायक और कृष्ण खेत में मिट्टी के 3 से 4 फीट ऊंचे टीले के नीचे बनाई सुरंग में खेल रहे थे। कृष्ण सुरंग बाहर की ओर था। बाकी तीनों दोस्त अंदर चले गए। इस दौरान अचानक मिट्टी ढह गई। होलश, गौतम और दीपक मिट्टी के नीचे दब गए। कृष्ण के भी पैर मिट्टी में दबे थे। फिर भी उसने मिट्टी में दबे अपने दोस्तों को निकालने की कोशिश की। बात नहीं बनी तो चिल्लाने लगा, ऐसे में गांव के लोग वहां पर आ गए। नेछवा पुलिस भी मौके पर पहुंची। मिट्टी हटाकर तीनों को निकाला गया। तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। दो बच्चों के पिता की भी हो चुकी मौत: होलाश के पिता नानूराम की 1 साल पहले मौत हो चुकी है। परिवार की आर्थिक स्थिति भी ज्यादा ठीक नहीं है।

जिला कलक्टर अवेयरनेस कार्यक्रम चला लोगों को डीपीएनजी से जुड़ने के लिए प्रेरित करे

सीजीडी संस्थाएं प्रतिदिन औसतन ढ़ाई से तीन हजार परिवारों तक डीपीएनजी सुविधाओं से जोड़े : वी.श्रीनिवास

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य में कार्यरत सिटी गैस डिस्ट्रिब्यूशन संस्थाओं को प्रतिदिन औसतन ढ़ाई हजार से तीन हजार परिवारों तक पाइप लाइन से घरेलू गैस (डीपीएनजी) कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि डीपीएनजी की आधारभूत संरचना विकसित क्षेत्रों के परिवारों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ना केन्द्र व राज्य सरकार की प्राथमिकता में है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास मंगलवार को सचिवालय में राज्य में कार्यरत 13 सीजीडी संस्थाओं के शीर्ष स्तर के अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों से डीपीएनजी संरचना की स्थिति व डीपीएनजी सुविधा से जोड़ने की कार्ययोजना पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने वर्चुअल बैठक में स्पष्ट संदेश दिया कि जिन इलाकों में डीपीएनजी आधारभूत संरचना विकसित हो गई हैं उस क्षेत्रवासियों को एलपीजी से पाइप लाइन से गैस सुविधा से जोड़ने के केन्द्र सरकार के स्पष्ट निर्देश है। इसी के साथ इन इलाकों की

औद्योगिक व व्यावसायिक इकाइयों को भी पाइप लाइन से प्राकृतिक गैस कनेक्शन से जोड़ा जाना है।

वी. श्रीनिवास ने जिला कलक्टरों को निर्देश दिए कि जनजागरण अभियान चलाकर नागरिकों को एलपीजी से डीपीएनजी सुविधाओं से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जाए और डीपीएनजी सुविधा के सस्ती, 24 गुणा 7 सेवा उपलब्धता, बुकिंग कराने की झंझट से मुक्ति, सुरक्षित और स्वच्छ व हरित उर्जा के संबंध में अभियान चलाकर जानकारी दी जाएं ताकि क्षेत्रवासी डीपीएनजी सेवाओं से जुड सके। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया कि विभाग द्वारा राज्य के 17 भौगोलिक क्षेत्र की 13 सीजीडी संस्थाओं से समन्वय बनाते हुए मोनेटरिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि सीजीडी संस्थाओं को तीन माह में पीएनजी कनेक्शनों को एक लाख 25 हजार से बढ़ाकर 5 लाख करने के लक्ष्य दिए गए हैं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव अम्बरीश कुमार ने बताया कि राज्य में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता है और राज्य सरकार स्तर पर नियमित समीक्षा की जा रही है। बैठक में राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने डीपीएनजी कनेक्शनों की स्थिति और भावी कार्यक्रम की जानकारी दी। बैठक में संयुक्त सचिव माइंस अरविन्द सारस्वत, निदेशक पेट्रोलियम अवधेश सिंह सहित राज्य सरकार के अधिकारी व सीजीडी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन से लोकल टू ग्लोबल हो रहे स्थानीय उत्पाद

एक जिला एक उत्पादन नीतिः राजस्थान के उत्पाद विश्व पटल पर बना रहे अपनी विशिष्ट पहचान

■ स्थानीय विकास से ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार स्थानीय विकास को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में एक जिला एक उत्पाद नीति-2024 के माध्यम से राजस्थान के प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया जा रहा है। यह नीति स्थानीय उत्पादों, कारीगरों और उद्यमियों को सशक्त बनाते हुए प्रदेश में रोजगार और आर्थिक विकास को नई गति दे रही है।

उद्यमिता को मिल रहा बढ़ावा, गांवों में रोजगार के नए अवसर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए हर गाँव, तहसील और जिले के समग्र स्थानीय विकास पर जोर दिया है। उनके अनुसार वोकल फॉर लोकल, सबका साथ-सबका विकास से ही आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। ओडीओपी नीति के माध्यम से लोकल से ग्लोबल का सपना साकार हो रहा है और राजस्थान के उत्पाद विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं।इस नीति के तहत राज्य के प्रत्येक जिले में उत्पाद का चयन किया गया है, जिससे स्थानीय संसाधनों और कौशल का बेहतर उपयोग हो सके। साथ ही, प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान को संरक्षित रखते हुए प्रमुख उत्पादों को प्रोत्साहित किया जाएं। इस नीति के माध्यम से गांवों में उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है तथा उद्यमियों को तकनीकी सहयोग, वित्तीय सहायता और बाजार तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। नीति के अंतर्गत उद्योगों को मार्जिन मनी अनुदान, एडवांस टेक्नोलोजी और सॉफ्टवेयर खरीदने, क्वालिटी सर्टिफिक्रेशन व आईपीआर, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेने पर पुनर्भरण सहायता प्राप्त होगी।

उद्यमियों को दी जा रही व्यापक वित्तीय एवं तकनीकी सहायता

राज्य सरकार द्वारा उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए व्यापक वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में इस नीति के तहत नए लघु एवं सूक्ष्म ओडीओपी उद्यम स्थापित करने के लिए परियोजना लागत का अधिकतम 25 प्रतिशत (अधिकतम 25 लाख रुपये) तक मार्जिन मनी सब्सिडी देय है। साथ ही, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के तकनीकी उन्नयन के लिए नवीनतम तकनीक एवं सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर 50 प्रतिशत तक (अधिकतम 5 लाख रुपये) की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। एक जिला-एक उत्पाद नीति में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणपत्रों और बौद्धिक संपदा अधिकारों पर किए गए खर्चों के लिए 3 लाख रुपये तक 75 प्रतिशत पुनर्भरण का प्रावधान है। साथ ही, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर शामिल होने के लिए दो साल तक प्रति वर्ष 1 लाख रुपये तक 75 प्रतिशत पुनर्भरण भी देय है। टेक्नोलॉजिकल अपग्रेडेशन को बढ़ावा देने के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय संस्थानों से एडवांस्ड टेक्नोलॉजी या सॉफ्टवेयर खरीद पर 5 लाख रुपये तक 50 प्रतिशत सब्सिडी मुहैया कराई जाती है।

उत्पाद की मार्केटिंग एवं तकनीकी उन्नयन में भी सहयोग

इस नीति के तहत उद्यमियों को कैटलॉगिंग सेवाओं और ई-कॉमर्स वेबसाइटों के डवलपमेंट के लिए 60 प्रतिशत और अधिकतम 75 हजार तक सहायता देकर डिजिटल मार्केट के विस्तार में सहयोग दिया जा रहा है। जिससे उत्पादों की ब्रांडिंग हो सके, साथ ही, बाजार तक बहुत सुनिश्चित हो। वित्तीय प्रोत्साहन, टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट और मार्केट विस्तार जैसे पहलों के माध्यम से यह नीति जिला स्तर के उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है।

विभिन्न प्रदर्शनियों का आयोजन, उद्यमियों को प्रशिक्षण

इस नीति के सफल क्रियान्वयन से प्रदेश में उद्यमिता और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है। अब तक अनेक लाभार्थियों सहायता राशि वितरित की जा चुकी है, जिससे उद्यमों की स्थापना, विपणन सुदृढ़ीकरण एवं उत्पादक इकाइयों के उन्नयन को प्रोत्साहन मिला है। नीति के तहत मार्जिन मनी सहायता में सर्वाधिक निवेश हुआ है, वहीं मार्केटिंग, ई-कॉमर्स, गुणवत्ता प्रमाणन एवं तकनीकी उन्नयन जैसे क्षेत्रों में भी व्यापक सहयोग दिया जा रहा है।

पुरानी रंजिश में गांव के युवकों ने किया हमला

शादी से घर लौट रहे युवक का तलवार से मर्डर

उदयपुर (हुक्मनामा समाचार)। उदयपुर में 6 से ज्यादा बदमाशों ने तलवार से ताबड़तोड़ वार कर युवक की हत्या कर दी। युवक चचेरे भाई की शादी के फंक्शन में शामिल होकर स्कूटी से घर लौट रहा था। तभी बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया। घटना पाटिया थाना क्षेत्र के खेड़ाघाटी, बलीचा में सोमवार रात करीब 2 बजे की है। युवक की मौत के बाद परिजन और ग्रामीण आरोपियों की गिरफ्तारी व मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। मौके पर तीन थानों की पुलिस तैनात है। मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे से पुलिस और ऋषभदेव डीएसपी राजीव राहर परिजनों को समझाने में जुटे हैं। शव को रात को ही खेरवाड़ा हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया गया। सहमति बनने के बाद पुलिस पोस्टमॉर्टम करवाएगी। परिजनों की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मृतक नीलेश गरासिया (35) पिता लालजी कई साल से अहमदाबाद में बिल्डिंग ठेकेदारी का काम करता था। परिवार में शादी के कारण ही वह कुछ दिन पहले गांव आया था। चचेरे भाई के साथ घर लौट रहा था नीलेश के परिवार में मंगलवार को उसके चचेरे भाई की शादी है। नीलेश और उसका एक अन्य चचेरा भाई नरेश गरासिया

सोमवार रात को शादी के फंक्शन में शामिल होकर एक किलोमीटर दूर अपने घर लौट रहे थे। रास्ते में 6-7 युवकों ने उन पर तलवार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। आरोपियों ने पहले तलवार से नीलेश के हाथ पर हमला किया। इसके बाद गर्दन और कमर पर वार किया।

उसकी मौके पर मौत हो गई। इस बीच नरेश ने वहां से भागकर अपनी जान बचाई। हमले के बाद आरोपी मौके से भाग गए। जहां हमला हुआ, वह जगह शादी के वेन्यू से करीब 200 मीटर दूर है। हमले से पहले शादी समारोह में भी मौजूद थे हमलावर नरेश ने बताया कि नीलेश पर अनिल, विपिन, जयदीप, बद्री, हितेश और अन्य ने मिलकर हमला किया। इनमें आधे से ज्यादा लोग पहले शादी समारोह में मौजूद थे। वे हमारे बाहर निकलने का इंतजार कर रहे थे। जबकि कुछ युवक पहले से ही रोड पर खड़े हुए थे। जैसे ही मैं और नीलेश शादी समारोह से बाहर निकले, आरोपी भी बाइक लेकर पीछे आ गए। रास्ते में अचानक स्कूटी रुकवाकर ताबड़तोड़ हमला शुरू कर दिया। एक युवक के हाथ में तलवार थी, जिससे उसने नीलेश के हाथ पर हमला किया। मैं अपने लोगों को बुलाने दौड़ा, कुछ मिनट बाद लोगों के साथ वहां पहुंचा तो नीलेश पूरी तरह से लहूलुहान हालत में पड़ा हुआ था।

1008 दीपों की ज्योति से आलोकित हुई शाहपुरा की भव्य महाआरती, उमड़ा श्रद्धा का सागर

शाहपुरा (हुक्मनामा समाचार)। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर शहर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन नया मंदिर में सोमवार, 30 मार्च को रात्रि 8 बजे भव्य महाआरती का दिव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आया। समाजसेवी व व्यवसायी विनोद गंगवाल ने

जानकारी देते हुए बताया कि महाआरती में 1008 दीपकों की अद्भुत सज्जा की गई, जिसने पूरे मंदिर परिसर को जगमगा दिया। दीपों की मनमोहक रोशनी और भक्ति संगीत के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर की आरती कर धर्मलाभ अर्जित किया। महाआरती में शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। परिवारों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों की उपस्थिति ने आयोजन को और भी भव्य बना दिया। पूरा वातावरण 'महावीर स्वामी की जय' के जयकारों से गूंज उठा।इस अवसर पर प्रमुख रूप से सुशील गंगवाल, मांनमल सेठी, वीर सेन, अजमेरा, पप्पू कुमार जैन सुधांशु , पारस चौधरी, अशोक अजमेरा, पवन, अतुल चौधरी, चैनसुख गंगवाल, कैलाश, दीपक शाह, गर्वित, पुखराज सेठी, पदम बाकलीवाल सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। महिलाओं में सुनीता गंगवाल, अनीता मित्तल अनीता चौधरी, अनीता गंगवाल, निर्मला सेठी, सुलोचना सेठी, मेघा, रेखा अजमेर, मधुबाला समाज की बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। विनोद सपरिवार ऐसे धार्मिक आयोजनों में सहभागिता करने का आह्वान किया, ताकि समाज में धर्म, संस्कार और आध्यात्मिकता का प्रसार निरंतर होता रहे।

बीकानेर की मरुधरा पर बूंदी के वुशू फाइटर हनीश कुशवाहा ने राज्य स्तरीय जूनियर वुशू प्रतियोगिता में जीता कास्य पदक

बूंदी(हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान वुशू संघ, बीकानेर वुशू संघ के संयुक्त तत्वावधान में 19वीं राज्य स्तरीय जूनियर बालक/ बालिका वुशू प्रतियोगिता का आयोजन बीकानेर में किया गया। बूंदी वुशू संघ अध्यक्ष वर्धन विजय, महासचिव सुरेश कुमार वर्मा ने बताया कि बूंदी के हनीश कुशवाहा ने बालक वर्ग में अंडर 75 किलोग्राम भारवर्ग में प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन कर कांस्य पदक प्राप्त कर बूंदी जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में टीम के कोच हरिमोहन वर्मा, टीम मैनेजर मेघराज मेघवाल रहे। खिलाडी द्वारा पदक जीतने पर राजस्थान वुशू संघ अध्यक्ष हीरानंद कटारिया, महासचिव ममता वर्मा, भारतीय वुशू टीम कोच राजेश टेलर, उपाध्यक्ष डॉ दिवाकर शर्मा, रेखा चांदना, हरिमोहन वर्मा, महासचिव मुख्य वुशू कोच सुरेश कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष गजेंद्र कुमार तसीवाल, संयुक्त सचिव तरुण राठौर, सत्यनारायण वर्मा, आशा वर्मा, सदस्य डॉ राजेंद्र प्रसाद मीना, घनश्याम बोयत, इमरान कादरी, पूर्व जिला मुक्केबाजी संघ सचिव अभय देव शर्मा, डॉ दिलीप राठौड़, भगवान असावा, हेमालाल मेघवंशी, चौथमल मेघवाल, टीम मैनेजर मेघराज मेघवाल, रोहित सिंह, जयराज, तपिश वर्मा आदि ने बधाई दी।

खुशबू व आरुषि ने 12वीं बोर्ड में 96% अंक लाकर रचा इतिहास। दोनो डॉक्टर बनकर करना चाहती है, देशसेवा

खिंवसर (हुक्मनामा समाचार)। विधानसभा क्षेत्र के गजसिंहपुरा गांव की दो बेटियों ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा आयोजित 12वीं बोर्ड विज्ञान संकाय परीक्षा में 96% अंक लाकर इतिहास रचा, खींवसर के अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजूराम खदाव ने बताया कि बोर्ड द्वारा जारी परिणामो में आरुषि खदाव ने 96.20% व खुशबू चौधरी ने 96% अंक प्राप्त किये, दोनो बालिकाएं राउमावि बासनी हरिसिंह स्कूल में अध्ययनरत थी, दोनो शुरू से ही पढ़ाई में अवल्ल रही है, दोनो नीट की तैयारी कर डॉक्टर बनकर देशसेवा करनी चाहती है, खुशबू चौधरी एसीबीईओ राजूराम खदाव की पुत्री है, इनकी शानदार सफलता पर ग्रामीणों ने खुशी का इजहार किया व शुभकामनाएं प्रेषित की है

कुचेरा में 12वीं बोर्ड परिणाम शानदार, बेटियों ने मारी बाजी

कुचेरा (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में कुचेरा क्षेत्र के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस अवसर पर नेहरू बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें संस्था निदेशक भंवरलाल फर्रोड़ा व प्रधानाचार्य बंशीलाल बज्या सहित स्टाफ मौजूद रहा। 12वीं कक्षा में सुमित्रा तांडी ने 98% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि उनकी सगी बहन सुनीता तांडी ने 96.40% अंक प्राप्त किए। इसके अलावा सुमैया बानो (94.40%), आलिया बानो (93.40%), भावना टांक (93.20%) व संजू मारुका (92%) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। नोबल बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विज्ञान, कृषि, कला व वाणिज्य संकाय में भी छात्राओं ने बेहतरीन अंक प्राप्त किए। निकटवर्ती गाजू गांव के राजकीय विद्यालय के छात्र रामदास चौकीदार ने 97.20% अंक प्राप्त कर सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता का उदाहरण प्रस्तुत किया। इस बार परिणामों में बेटियों का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा।

डीडवाना-कुचामन में कुदरत का कहरः भारी ओलावृष्टि से बिछी 'सफेद चादर', फसलें तबाह, अन्नदाता की टूटी कमर

डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। जिले में पिछले दो दिनों से बदले मौसम के मिजाज ने अब रौद्र रूप धारण कर लिया है। सोमवार देर रात और मंगलवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश के साथ भीषण ओलावृष्टि ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाकों में ओलों की ऐसी मार पड़ी कि खेतों से लेकर सड़कों तक बर्फ की सफेद चादर बिछ गई, जिससे रेगिस्तानी इलाके में शिमला और कुल्लू-मनाली जैसा मंजर दिखाई देने लगा।कुल्लू-मनाली जैसा हुआ जिला मुख्यालय का नजारा सोमवार देर रात से ही आसमान में काले बादलों का डेरा था, जो सुबह होते-होते तेज आंधी-तूफान और

गर्जना में बदल गया। डीडवाना शहर और आसपास के क्षेत्रों में मेघ गर्जन के साथ हुई हल्की बूंदाबांदी ने देखते ही देखते ओलावृष्टि का रूप ले लिया। जिले के कई हिस्सों में चने और बेर के आकार के ओले गिरे, जिससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई और पूरा इलाका 'कोल्ड डे' की चपेट में आ गयाावणी के वक्त फसलों पर काल बनकर बरसे ओले खेतों में पकी-पकाई खड़ी फसलें इस बेमौसम मार के आगे पूरी तरह पस्त हो गई हैं। वर्तमान में किसान अपनी रबी की फसलों (जीरा, ईसबगोल, गेहूं और चना) की कटाई और लावणी की तैयारी में जुटे थे, लेकिन अचानक हुई इस ओलावृष्टि ने साल भर की मेहनत को मिट्टी में मिला दिया है। ओले इतनी तीव्रता से गिरे कि फसलें खेतों में ही बिछ गई हैं। किसानों का कहना है कि इस नुकसान से उबर पाना अब उनके बस की बात नहीं है।

हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के 24 घंटे बाद मरीज को चलाया

मकराना हुक्मनामा समाचार)। शहर के जूसरी सड़क मार्ग स्थित सीकेएस मकराना हॉस्पिटल ने एक बार फिर उन्नत चिकित्सा सेवाओं का परिचय देते हुए कूल्हे के जोड़ (हिप जॉइंट) के गंभीर फ्रैक्चर से पीड़ित मरीज का सफलतापूर्वक मॉड्यूलर पार्शियल हिप रिप्लेसमेंट जैसा जटिल ऑपरेशन कर नया विश्वास कायम किया है। सर्जरी के बाद मरीज की रिकवरी इतनी बेहतर रही कि उसे अगले 24 घंटे के भीतर चलाया गया। इससे मरीज के परिजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए अस्पताल पशासन का आभा ज्ञापित किया। इस ऑपरेशन की सफलता और अस्पताल की दक्ष चिकित्सा व्यवस्था को दर्शाता है। इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी का नेतृत्व ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. आसिफ रजा ने किया। ऑपरेशन के

दौरान एनेस्थीसिया प्रबंधन की जिम्मेदारी डॉ सद्दाम हुसैन ने संभाली, जबकि डॉ गुलाम मुस्तफा, अशफाक (सोनू), जुनैद चौहान, अकबर, सहित अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी पूरी प्रक्रिया में समर्पण के साथ सहयोग दिया। सर्जरी के बाद मरीज को लगातार चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया तथा आधुनिक पोस्ट-ऑपरेटिव केयर के माध्यम से उसे शीघ्र गतिशील बनाया गया। इतने जटिल ऑपरेशन के बाद मात्र 24 घंटे में मरीज को चलाना अस्पताल की विशेषज्ञता और टीमवर्क का उत्कृष्ट उदाहरण माना जा रहा है।

जोतायां के 12वीं में बलवीर सिंह ने 96.8 व दिव्या जांगिड़ ने 95.2 प्रतिशत अंक किए प्राप्त, गांव में हर्ष का माहौल

टांटोटी (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने मंगलवार को 12वीं कला का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। जिसमें जोतायां की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

प्रधानाचार्य प्रकाश जांगिड़ ने बताया कि विद्यालय की कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में कुल 35 छात्र छात्राओं ने परीक्षा दी। जिसमें प्रथम श्रेणी से 16 तथा द्वितीय श्रेणी से 19 बच्चे उत्तीर्ण हुए। वहीं विद्यालय का छात्र बलवीर सिंह पुत्र धनराज ने 96.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परिवार व गांव का नाम रोशन किया है। इसी प्रकार जोतायां की राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का परीक्षा परिणाम भी शत-प्रतिशत रहा है।

प्रधानाचार्या सरला यादव ने बताया कि 12वीं बोर्ड परीक्षा में विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है।

412 यूनिट रक्तदान व 13 हजार ने ग्रहण की प्रसादी

भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। तीन दिवसीय भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव 2026 का समापन भक्ति, आस्था और सेवा के साथ भव्य रूप से हुआ। अंतिम दिन सुबह प्रभात फेरी से कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसके बाद श्री जैन श्वेतांबर चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर में भगवान महावीर का अभिषेक सम्पन्न हुआ।महावीर पार्क से निकली भव्य शोभायात्रा

प्रमुख मार्गों से होते हुए चित्रकूट धाम पहुंची, जिसमें आकर्षक झांकियां, बैंड-बाजे और अहिंसा के संदेश आकर्षण का केंद्र रहे। विभिन्न संगठनों ने पुष्पवर्षा व जल सेवा कर स्वागत किया।चित्रकूट धाम में महावीर युवक मंडल सेवा संस्थान द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 412 यूनिट से अधिक रक्त संग्रह किया गया। वहीं सामूहिक स्नेहभोज में करीब 13 हजार श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। महोत्सव के दौरान जल सेवा, छाछ वितरण व हजारों परिंडे वितरण जैसे सेवा कार्यों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष मीना ने बैठक लेकर दिये निर्देश

बून्दी (हुक्मनामा समाचार)। जिला कांग्रेस अध्यक्ष महावीर मीणा ने मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में जिले के ब्लॉक अध्यक्षों व अग्रिम संगठनों के जिलाध्यक्षों तथा प्रकोष्ठों के अध्यक्षों की संगठनात्मक बैठक ली। बैठक में ग्राम पंचायत और नगर निकायों के वार्डों की कार्यकारिणी शीघ्र गठन करने के निर्देश दिए तथा कार्यकारिणी के गठन में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कहा। जिलाध्यक्ष मीणा ने कहा कि पार्टी की बैठकों धरना प्रदर्शन व आंदोलन में लगातार सक्रिय रूप से भाग लेने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ही पंचायत राज व नगर निकाय चुनावों में प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पंचायतराज व नगर निकाय चुनावों में हार के भय से जानबूझकर बहाना बनाकर चुनावों को टाल रही है जिससे ग्रामीण व शहरी विकास ठप्प होने से ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में आमजन में भारी जन आक्रोश है। बैठक में शहर अध्यक्ष शैलेश सोनी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामकरण मीणा, लक्ष्मण बैरवा, सर्वजीत सिंह, महिला कांग्रेस अध्यक्ष चंद्रावती कंवर, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष जावेद जेड, विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेश ठाकुर, ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, पूर्व जिला महामंत्री इश्तियाक अली, रामलाल गुर्जर आदि मौजूद रहे।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया

धरियावद (हुक्मनामा समाचार)। महावीर जयंती के पावन अवसर पर भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव धरियावद स्थानकवासी श्री संघ के तत्वावधान में स्थानक भवन में बड़े ही ठाट-बाट एवं श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम सभी समाजजनों द्वारा एक घंटे के सामूहिक नवकार महामंत्र जाप से हुई, जिससे पूरा स्थानक भवन भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण से गूंज उठा। इसके पश्चात श्रावक बंधुओं एवं माता-बहनों द्वारा भक्ति गीतों का गुंजन कर धर्म आराधना की गई।इस दौरान छोटे-छोटे नन्हें-मुन्ने बच्चों ने भी धार्मिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पैदा किया और

उपस्थित श्रद्धालुओं ने उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में समाजजनों द्वारा सामूहिक स्वामी वात्सल्य का आयोजन किया गया, जिसमें सभी समाजजनों ने प्रेमपूर्वक सहभागिता निभाई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे तथा भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य एवं करुणा के संदेश को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

गौ सम्मान आह्वान अभियान की तैयारियां प्रारंभ

मकराना (हुक्मनामा समाचार)। युवा हिन्दू गौ रक्षा सेवा समिति द्वारा संचालित मंगलाना रोड स्थित (गौमाता सर्किल) गौवंश चिकित्सालय के प्रांगण में रात्रि में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें गौ सम्मान आह्वान अभियान के प्रचार-प्रसार हेतु गौसेवक विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में जयपुर से आए अभियान के प्रचारक पवन दास ने अभियान की रूपरेखा साझा की एवं सभी को अधिक से अधिक जनजागरण करने का आह्वान किया। गौ सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान के उद्देश्य से गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत आगामी 27 अप्रैल 2026 को समस्त भारतवर्ष में तहसील, ब्लॉक स्तर पर संबंधित अधिकारियों के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रा%यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। यह ज्ञापन सामूहिक रूप से तहसील, उपखंड अधिकारी एवं जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। इस अभियान में आमजन, गौभक्तों एवं सामाजिक संगठनों से अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की गई है। अभियान का उद्देश्य गौ माता के संरक्षण, संवर्धन एवं सम्मान के लिए जनजागरण करना है।

डीडवाना की बेटी दीपिका ने रचा इतिहासः 12वीं राजस्थान बोर्ड में 99.80% अंक पाकर बनीं स्टेट टॉपर

डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा के परिणामों में डीडवाना की होनहार छात्रा दीपिका रांकावत ने प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। रामस्वरूप रांकावत की पुत्री दीपिका ने 99.80 प्रतिशत अंक हासिल कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे डीडवाना-कुचामन जिले का मान बढ़ाया है। दीपिका की इस ऐतिहासिक

उपलब्धि पर राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने स्वयं फोन कर उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

बधाई देने वालों का लगा तांता परिणाम घोषित होते ही दीपिका के घर पर उत्सव जैसा माहौल हो गया। क्षेत्र के सांसद, एमएलए जिला कलेक्टर और तमाम जनप्रतिनिधियों ने फोन और व्यक्तिगत रूप से दीपिका और उनके परिवार को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। जनप्रतिनिधियों ने दीपिका की विलक्षण प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में उनकी उच्च शिक्षा के लिए प्रशासन और सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। *शहर में दीपावली जैसा माहौल, जमकर हुई आतिशबाजी दीपिका के राजस्थान टॉपर बनने की सूचना मिलते ही पूरे डीडवाना शहर में खुशी की लहर दौड़ गई। मोहल्लेवासियों और शहर के प्रबुद्ध जनों ने दीपिका के निवास पर पहुंचकर उन्हें साफा और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। मिठाई खिलाकर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया गया। शहर के प्रमुख चौराहों पर जमकर आतिशबाजी की गई, जिससे पूरा माहौल किसी बड़े उत्सव जैसा नजर आया।कठिन परिस्थितियों में भी नहीं हारी हिम्मत स्थानीय ओरनेट स्कूल की छात्रा दीपिका ने साइंस संकाय में यह उपलब्धि हासिल की है। गौरतलब है कि दीपिका ने 10वीं बोर्ड में भी 97.17 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। सफलता की यह राह आसान नहीं थी; जानकारी के अनुसार, जब दीपिका की बोर्ड परीक्षाएं चल रही थीं, तब उनकी नानी का निधन हो गया था और माता जी वहां चली गई थीं।